निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, मंगलवार 2 जून 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 16 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

रांची में कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

संक्षिप्त समाचार

स्कूटी सीखने निकले दो नाबालिगों की मौत

चाईबासा(नबिटा ब्यूरो)। पश्चिमी सिंहभूम के मनोहरपुर थाना क्षेत्र के पुराना मनोहरपुर गांव में स्कूटी चलाने निकले दो नाबालिग दोस्तों की जान चली गई। मृतकों की पहचान वतन लोहार (14) और ओम सांडिल (17) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि उन्होंने किसी परिचित से स्कूटी लेकर पास के मैदान में अभ्यास करने की योजना बनाई थी। मैदान पहुंचने से पहले तेज रफ्तार स्कूटी कल्वर्ट से जा टकराया।

नीट परीक्षा रद्द होने से छात्रा ने की आत्महत्या

कोडरमा (नबिटा ब्यूरो)। जिले के तिलैया थाना क्षेत्र में नीट परीक्षा रद्द होने से अवसादग्रस्त छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना चित्रगुप्त नगर वार्ड संख्या 24 स्थित एक किराए के मकान में हुई। मृतका की पहचान एलआईसी एजेंट संजय कुमार सिंह की इकलौती पुत्री रुचि कुमारी के रूप में हुई है। मृतका के पिता संजय कुमार सिंह ने बताया कि रुचि ने पिछले महीने नीट की परीक्षा दी थी। परीक्षा के बाद वह काफी खुश थी और उसने बताया था कि उसका पेपर बहुत अच्छा गया है।

सड़क हादसे में किशोर की मौत

पाकुड़(नबिटा ब्यूरो)। जिले के लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र के छोटा सरसा के पास एक सड़क दुर्घटना में 16 वर्षीय देव हेम्ब्रम की मृत्यु हो गई। इस हादसे में एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतक देव हेम्ब्रम लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र के सूरजबेड़ा गांव निवासी प्रकाश हेंब्रम का पुत्र था। वह घाघरजानी गांव से पत्तामेला देखकर अपने दो दोस्तों के साथ मोटरसाइकिल पर लौट रहा था। छोटा सरसा के पास दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर हो गई।

पतरातू डैम में डूबने से युवक की मौत

रामगढ़(नबिटा ब्यूरो)। जिले के पतरातू डैम में देर शाम नहाने के दौरान एक युवक की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान लोहरदगा निवासी शशि उरांव के रूप में हुई है। वह रांची में रहकर स्नातक की पढ़ाई कर रहा था। शशि अपने पांच दोस्तों के साथ पतरातू डैम स्थित मूरकटी गांव में गौरव उरांव के घर आया था। देर शाम सभी दोस्त डैम में नहाने चले गए। इसी दौरान शशि उरांव पानी में डूब गया।

सड़क किनारे खड़ी तीन गाड़ियां जलकर खाक

रांची(नबिटा ब्यूरो)। राजधानी रांची के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित पुरानी रांची में सोमवार तड़के उस समय अफरा-तफरी मच गई जब सड़क किनारे खड़ी तीन गाड़ियों में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते तीनों वाहन उसकी चपेट में आ गए और जलकर पूरी तरह खाक हो गए। हालांकि राहत की बात रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

मुख्यमंत्री ने की अनुसूचित जाति-जनजाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक

जनोपयोगी योजनाओं को प्राथमिकता के तौर पर करें लागू : हेमंत सोरेन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने झारखंड मंत्रालय में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक की और कई निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवासीय विद्यालयों को आदर्श विद्यालयों के तर्ज पर संचालित करें और राज्य के छात्रावासों में आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि जन उपयोगी योजनाओं को प्राथमिकता के तौर पर लागू करें। वैसी योजनाएं जिनका रिजल्ट संतोषजनक नहीं है उन योजनाओं की समीक्षा कर उनकी कार्य पद्धति में बदलाव लाएं। अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के तहत संचालित स्कूलों में

शिक्षकों की रिक्तियां को भरने के लिए नियमावली बनाएं तथा उन रिक्तियों पर एक तय समय सीमा के अंदर नियुक्ति प्रक्रिया को पूरा करें। मुख्यमंत्री ने पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के द्वारा संचालित सभी आवासीय विद्यालयों को आदर्श विद्यालयों की तर्ज पर संचालित करें। मुख्यमंत्री ने निर्देश किया कि आवासीय विद्यालयों के परिसरों को आधुनिक मॉडल के अनुरूप बनाएं। इन विद्यालयों में हॉकी, फुटबॉल आर्चरी इत्यादि खेल, मेडिकल सेवा एवं अन्य आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन स्कूलों में पठन-पाठन गुणवत्ता पूर्ण हो। सीएम हेमन्त सोरेन ने विभागीय पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य में निर्माणाधीन एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा करें। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि कल्याण विभाग द्वारा राज्य में जितने भी छात्रावास संचालित हो रहे हैं इन छात्रावासों का सर्वे करें। जो छात्रावास क्रियाशील नहीं है उन्हें क्रियाशील करें। ऐसे छात्रावास जो टूटे-फूटे हैं उन्हें रिपेयर करें तथा पानी, बिजली, बेड एवं रसोई के संचालन हेतु कार्य योजना तैयार करें। मुख्यमंत्री ने पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि कल्याण विभाग के तहत शहीद ग्राम विकास योजना पर जो कार्य किए जा रहे हैं उन कार्यों को अगले एक साल में पूरा करें। शहीद ग्राम विकास योजना के तहत जो भी गांव चिन्हित है उन ग्रामों का कायाकल्प करें।

पश्चिम बंगाल : शुभेंदु अधिकारी कैबिनेट का विस्तार, 35 मंत्रियों ने ली शपथ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

- आठ कैबिनेट, तीन राज्य एवं 24 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाये गये

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी सरकार का सोमवार 1 जून 2026 को कैबिनेट विस्तार हुआ। लोक भवन में आयोजित एक सादे समारोह में करीब 35 मंत्रियों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। राज्यपाल आरएन रवि ने सभी मंत्रियों को शपथ दिलवाई। जानकारी के मुताबिक सबसे पहले 8 कैबिनेट मंत्रियों ने शपथ ग्रहण की। उसके बाद राज्यपाल ने तीन राज्य मंत्रियों को शपथ दिलवाई। शपथ लेने वाले मंत्रियों में भारतीय जनता पार्टी के तमाम दिग्गज नेता शामिल हैं। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि शुभेंदु सरकार में इन लोगों को महत्वपूर्ण विभाग सौंपे जाएंगे। इस बार भाजपा सरकार में अनुभवी और युवाओं को जगह दी जाएगी। इनमें सरद्योत मुखोपाध्याय, इंद्रनील खान, पूर्णिमा चक्रवर्ती, तापस रॉय, गार्गी घोष, अशोक डिंडा, स्वपन दासगुप्ता और रूपा गांगुली समेत कई नेताओं के नाम शामिल हैं। पश्चिम बंगाल की सुवेंदु अधिकारी सरकार में 13 कैबिनेट और 22 राज्य मंत्रियों (3 स्वतंत्र प्रभार) ने शपथ ली है। कैबिनेट मंत्री के रूप में जिन्हें शपथ दिलायी गयी है उनमें दीपक बर्मन, तपस रॉय, डॉ. शंकर घोष, मनोज कुमार ओरांव, अर्जुन सिंह, गौरी शंकर घोष, स्वपन दासगुप्ता, जगन्नाथ चट्टोपाध्याय, कल्याण चक्रवर्ती, अजय पोद्दार, सरदवत मुखर्जी, दूध कुमार मंडल एवं अनूप कुमार दास शामिल हैं। वहीं डॉ. इंद्रनील खान, मालती रावा रॉय, राजेश महतो को राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया है। इसके अलावा जोएल मुर्मू, हरे कृष्ण बेरा, आनंदमय बर्मन, अशोक डिंडा, नाडियार चंद बाउरी, विशाल लामा, शांतनु प्रमाणिक, मौमिता बिश्वास मिश्रा, उमेश रे, पूर्णिमा चक्रवर्ती, कौशिक चौधरी, भास्कर भट्टाचार्य, दिबाकर घरामी, अमिया किस्कू, कलिता माझी, गार्गी दास घोष, बिराज बिश्वास, दीपांकर जाना एवं सुमना सरकार को राज्य मंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी गयी है।

लापता भाई-बहन के शव बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। जिले के कटकमदाग थाना क्षेत्र में लापता दो सगे भाई-बहन के शव बरामद किए गए हैं। 27 मई से लापता इन बच्चों के शव 24 घंटे के भीतर अलग-अलग स्थानों से मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष जांच दल का गठन किया है। जानकारी के अनुसार 12 वर्षीय बहन तमन्ना परवीन का शव रविवार देर शाम कोर्रा थाना क्षेत्र की सिंदूर नदी से मिला था। इसके बाद सोमवार को उसके 3 वर्षीय भाई रिजवान का शव भी सिंदूर इलाके के एक कुएं से बरामद किया गया। दोनों बच्चों के अचानक गायब होने के बाद उनके पिता ने कटकमदाग थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़ित परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश का निवासी है और हजारीबाग में खिलौने बेचकर जीवन यापन करता था। बच्चों के शव मिलने के बाद परिवार गहरे सदमे में है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस कप्तान अमन कुमार ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उनके निर्देश पर एएसपी अमित कुमार की अगुवाई में एक विशेष जांच दल का गठन किया गया है। साक्ष्य जुटाने के लिए फॉरेंसिक और टेक्निकल टीमें भी जांच में जुटी हैं। हालांकि घटना के कई घंटे बीत जाने के बाद भी आरोपी अभी तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। एएसपी अमित कुमार ने बताया कि पुलिस टीमें तेजी से छापेमारी कर रही हैं और जल्द ही इस वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

राज्यसभा की दो सीटों के लिए नामांकन शुरू

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। अधिसूचना जारी होते ही सोमवार से झारखंड के राज्यसभा की दो सीटों के लिए होने वाले चुनाव को लेकर नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। भारत निर्वाचन आयोग की घोषणा के बाद आज इस चुनाव के रिटर्निंग ऑफिसर बने झारखंड विधानसभा के प्रभारी सचिव रंजीत कुमार ने चुनाव की आधिकारिक घोषणा करते हुए अधिसूचना की प्रति सार्वजनिक की। इसके साथ ही 1 जून से नामांकन शुरू हुई जो 8 जून तक चलेगी। इस चुनाव के रिटर्निंग ऑफिसर रंजीत कुमार ने जानकारी देते हुए कहा कि नामांकन प्रभारी सचिव कक्ष में ही होगा जिसमें अधिकतम पांच समर्थक ही प्रत्याशी के साथ मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव के लिए सभी आवश्यक तैयारी पूरी की जा रही है। इस चुनाव के ऑब्जर्वर के रवि कुमार ने कहा कि 9 जून को नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी होगी। वहीं 11 जून को नामांकन वापसी की तिथि निर्धारित की गई है। दो से अधिक प्रत्याशी होने पर 18 जून को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान होंगे। वोटों की गिनती उसी दिन यानी 18 जून को ही शाम 5 बजे से शुरू की जाएगी। इस तरह से 20 जून तक चुनाव की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। राज्य में दो सीटों के लिए चुनाव 18 जून को होगा। शिबू सोरेन के निधन की वजह से 4 अगस्त 2025 से एक सीट खाली है। वहीं दीपक प्रकाश का कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा है। यदि आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो राज्यसभा चुनाव में सत्तारूढ़ जेएमएम, कांग्रेस, राजद के पास 56 विधायकों का मत है। इसमें जेएमएम के पास 34, कांग्रेस के पास 16 और राजद के 4 विधायक और भाकपा माले के 2 विधायक हैं। मौजूदा आंकड़ों के अनुसार झारखंड मुक्ति मोर्चा के एक खाते में एक सीट सुरक्षित मानी जा रही है। वहीं दूसरी सीट के लिए दिलचस्प मुकाबला होने की संभावना है। विपक्षी खेमे में 24 विधायकों का समर्थन है जिसमें भाजपा के 21, आजसू, लोजपा और जदयू का एक-एक विधायक शामिल है। पर्याप्त संख्या बल नहीं होने के बावजूद विपक्ष की ओर से प्रत्याशी खड़ा करने की संभावना जताई जा रही है। इधर सत्तारुढ झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और राजद की ओर से यदि दो से अधिक प्रत्याशी खड़े किए जाते हैं तो मुकाबला दिलचस्प होने के आसार हैं।

ऑटो-ट्रक की टक्कर में वृद्ध की मौत, पांच घायल

मेदिनीनगर(नबिटा ब्यूरो)। जपला-छतरपुर मुख्य सड़क पर सोमवार सुबह गम्हरिया गांव के समीप भीषण सड़क दुर्घटना में एक बुजुर्ग की मौत हो गई जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में दो बच्चों को भी चोटें आई हैं। दुर्घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने जपला-छतरपुर मुख्य सड़क जाम कर दिया। घायलों के अनुसार एक ऑटो में दो बच्चों समेत आठ लोग सवार होकर जा रहे थे। इसी दौरान गम्हरिया के पास एक बोरवेल ट्रक ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि गोरयाथान निवासी 65 वर्षीय चन्द्रिका यादव का पैर कटकर अलग हो गया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घायलों में समसुन बीबी, पीर मोहम्मद, समीरा खातून, लालदेव, सरिता देवी समेत अन्य शामिल हैं। सभी का इलाज अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद में चल रहा है।

राजकीय श्रावणी मेला की तैयारियां तेज, मंत्री ने की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

श्रद्धालुओं की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : सुदिव्य

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। देवघर में राजकीय श्रावणी मेला 2026 की तैयारियों को लेकर सोमवार को एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। झारखंड सरकार के पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान श्रावणी मेला के सफल संचालन और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में पर्यटन सचिव नमन प्रियेश लकड़ा, देवघर विधायक सुरेश पासवान, सारठ विधायक उदय शंकर सिंह, देवघर एवं दुमका जिले के उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने अपने-अपने

विभाग की तैयारियों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और अब तक किए गए कार्यों की जानकारी दी। समीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पेयजल आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवाएं, स्वच्छता, विद्युत व्यवस्था, आवासीय सुविधा, भीड़ नियंत्रण और आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें ताकि मेले के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मंत्री ने कहा कि श्रावणी मेला झारखंड की पहचान और आस्था का एक प्रमुख आयोजन है। देश-विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को सभी लंबित कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने और व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करने का निर्देश दिया। बैठक में विशेष रूप से भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था के लिए आवश्यक रणनीति तैयार करने पर जोर दिया गया। स्वास्थ्य विभाग को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा, एंबुलेंस और आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। स्वच्छता और पेयजल व्यवस्था को भी प्राथमिकता सूची में शामिल किया गया। अंत में मंत्री ने सभी विभागों से श्रावणी मेला 2026 को श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुविधाजनक बनाने हेतु पूरी तत्परता से कार्य करने का आह्वान किया ताकि यह आयोजन सफल और यादगार बन सके।

कोयला लोड ट्रक ने दो लोगों को कुचला, मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। जिले के चुरचू थाना क्षेत्र के खजुरिया टांड के पास कोयला लदे ट्रक और स्कूटी के बीच टक्कर हो गई जिसमें स्कूटी सवार दो युवकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान आकाश हांसदा और राजेंद्र वास्के के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार दोनों युवक स्कूटी से घर लौट रहे थे कि तभी कोयला लदे ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में आकाश की मौके पर ही मौत हो गई जबकि गंभीर रूप से घायल राजेंद्र ने सदर अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने ट्रक को रोककर उसके टायरों की हवा निकाल दी और शवों को सड़क पर रखकर जाम कर दिया। ग्रामीणों ने मृतकों के परिजनों को मुआवजा, एक सदस्य को नौकरी और जांच की मांग की है। चुरचू थाना प्रभारी अश्विनी चौहान ने बताया कि कोयला ढुलाई करने वाले ट्रक की पहचान कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही कि जिस गाड़ी से दुर्घटना हुई है वह अवैध रूप से कोयला ढुलाई तो नहीं कर रहा था। स्थानीय लोगों का आरोप है कि चुरचू थाना, अंगो थाना क्षेत्र एवं आसपास के इलाकों में अवैध कोयले का कारोबार और डिपो बड़े पैमाने पर संचालित हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन की अनदेखी के कारण हादसा हुआ है। लोगों ने इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। मृतक आकाश हांसदा अपने परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य बताया जा रहा है। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

कानून का राज स्थापित करना सरकार की प्राथमिकता : वित्त मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने अपराधियों और भू-माफियाओं के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट संदेश दिया है कि राज्य सरकार किसी भी कीमत पर कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को बख्शने वाली नहीं है। सोमवार को पाटन प्रखंड के सुदूर चेतमा पिकेट में तैनात जवानों के लिए 10 कूलर और एक वाटर प्यूरीफायर (आरओ) उपलब्ध कराते हुए उन्होंने अपराधियों और अवैध रूप से जमीन कब्जाने वाले तत्वों को खुली चेतावनी दी। वित्त मंत्री ने कहा कि कुछ लोग ताकत और दबंगई के बल पर गरीबों और कमजोर लोगों की जमीन पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे लोगों के लिए सरकार की नीति बिल्कुल स्पष्ट है। हेमंत सोरेन सरकार कानून का राज स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है

और किसी भी भू-माफिया या अपराधी को संरक्षण नहीं दिया जाएगा। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि जो लोग अपनी आपराधिक गतिविधियों से बाज नहीं आएंगे उन्हें प्रशासन और पुलिस की सख्ती का सामना करना पड़ेगा। ऐसे तत्वों के लिए जिले में कोई जगह नहीं है। कानून से ऊपर कोई नहीं है और जो लोग लोकतांत्रिक व्यवस्था पर भरोसा नहीं रखते तथा अपराध के दम पर अपना वर्चस्व कायम करना चाहते हैं उनकी सही जगह जेल है। चेतमा पिकेट में आयोजित कार्यक्रम के दौरान वित्त मंत्री ने सुरक्षा बलों के जवानों के योगदान की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि झारखंड को नक्सलवाद जैसी बड़ी चुनौती से मुक्त कराने में पुलिस और सुरक्षा बलों की अहम भूमिका रही है। जवानों ने अपनी जान जोखिम में डालकर राज्य में शांति और विकास का रास्ता प्रशस्त किया है। उन्होंने कहा कि सरकार और जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि ऐसे जवानों की सुविधाओं और जरूरतों का भी ध्यान रखा जाए। इसी सोच के तहत विधायक मद से चेतमा पिकेट के जवानों के लिए कूलर और आरओ की व्यवस्था कराई गई है ताकि भीषण गर्मी में उन्हें राहत मिल सके। अपने संबोधन के दौरान वित्त मंत्री ने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए कहा कि एक जनप्रतिनिधि के रूप में वह अक्सर रात 12 बजे से लेकर एक बजे तक अपने विधानसभा क्षेत्र का दौरा करते हैं। उस दौरान जब अधिकांश लोग अपने घरों में आराम कर रहे होते हैं तब पुलिस के जवान सड़कों और संवेदनशील इलाकों में मुस्तैदी से ड्यूटी करते दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समर्पित जवानों की बदौलत ही आम नागरिक सुरक्षित माहौल में जीवन व्यतीत कर पा रहे हैं। इसलिए उनकी सुविधाओं का ध्यान रखना सरकार और समाज दोनों की जिम्मेदारी है। वित्त मंत्री ने इस मौके पर राज्य सरकार की विकास योजनाओं और नीतियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों के उत्थान के लिए लगातार काम कर रही है। राज्य में कानून का राज स्थापित करना और प्रत्येक नागरिक को न्याय दिलाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अपराध, अवैध कब्जा और दबंगई जैसी प्रवृत्तियों पर पूरी सख्ती के साथ अंकुश लगाया जाएगा ताकि राज्य में शांति, विकास और सामाजिक सौहार्द का माहौल कायम रहे।

खराब प्रदर्शन वाले बैंकों में सरकारी राशि नहीं रखने पर होगा विचार : वित्त मंत्री

बैंकों का सीडी रेशियो बढ़ाने एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं के विस्तार पर जोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। राज्य के वित्त, वाणिज्यकर, योजना एवं विकास तथा संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने सोमवार को समाहरणालय सभागार में आयोजित जिला स्तरीय बैंकर्स समीक्षा बैठक में विभिन्न बैंकों के प्रदर्शन, ऋण-जमा अनुपात (सीडी रेश्यो), शाखा विस्तार, वार्षिक ऋण योजना तथा सरकार प्रायोजित योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत सहित विभिन्न बैंकों के क्षेत्रीय, एसएलबीसी एवं जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान मंत्री ने जिले के वर्तमान सीडी रेशियो 36 प्रतिशत रहने पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पिछली समीक्षा बैठक में यह आंकड़ा 40 प्रतिशत

था, जबकि चार माह के दौरान इसमें वृद्धि होने के बजाय कमी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि बैंकों का दायित्व केवल जमा राशि बढ़ाना नहीं, बल्कि स्थानीय स्तर पर ऋण प्रवाह बढ़ाकर आर्थिक गतिविधियों को गति देना भी है। मंत्री ने स्पष्ट कहा कि जिन बैंकों का सीडी रेश्यो लगातार खराब रहेगा, उनमें सरकारी राशि रखने के विषय में पुनर्विचार किया जाएगा। मंत्री ने सभी बैंकों की जमा राशि, ऋण वितरण एवं लक्ष्य के विरुद्ध उपलब्धियों की समीक्षा करते हुए बैंकवार प्रदर्शन का आकलन किया। उन्होंने कृषि, स्वरोजगार एवं लघु उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए ऋण वितरण में तेजी लाने का निर्देश दिया। बैठक में जिले के बैंकिंग नेटवर्क की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि जिले में विभिन्न बैंकों की कुल 145 शाखाएं संचालित हैं। मंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं की सुलभ उपलब्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है। जिन बैंकों की जिले में केवल एक या सीमित शाखाएं हैं, उन्हें नए शाखा विस्तार पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पलामू एक आकांक्षी जिला है और इसके समग्र विकास में बैंकिंग संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। बैंकों को केवल व्यावसायिक दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि सामाजिक एवं विकासात्मक दायित्वों को भी ध्यान में रखकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) से संबंधित लंबित आवेदनों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया तथा कहा कि पात्र किसानों को समय पर ऋण उपलब्ध कराना बैंकों की प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके अलावा वार्षिक ऋण योजना, बकाया अग्रिम, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति ऋण, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, बैंक मित्र (बीसी) नेटवर्क तथा सरकार प्रायोजित योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गयी।

जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने बैठक में बैंकों से समन्वय स्थापित कर वित्तीय समावेशन, स्वरोजगार एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहयोग करने का आग्रह किया।बैठक में बैंकिंग सेवाओं की पहुंच बढ़ाने, ऋण वितरण में सुधार लाने तथा सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

लापता युवती का शव नाले से बरामद

हत्या की आशंका, जांच के लिए एसआइटी गठित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। कटकमदाग थाना क्षेत्र से लापता एक युवती का शव कोर्रा थाना क्षेत्र स्थित सिंदूर पंचायत भवन के समीप नाले से बरामद होने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार युवती के लापता होने के संबंध में कटकमदाग थाना कांड संख्या 90/26 दिनांक 30 मई 2026 को दर्ज की गई थी इसके बाद 31 मई को युवती का शव कोर्रा थाना क्षेत्र के सिंदूर पंचायत भवन स्थित नाले से बरामद किया गया। मामले के उद्भेदन और घटना में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष एसआईटी टीम का गठन किया गया है। टीम का नेतृत्व अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान) अमित कुमार और पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) ज्ञान रंजन कर रहे हैं। टीम में पुलिस निरीक्षक सपन कुमार महथा, कटकमदाग थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी, पुलिस अवर निरीक्षक चितरंजन कुमार सहित टेक्निकल सेल के अधिकारी एवं कर्मी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि गठित एसआईटी द्वारा घटना के सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है। तकनीकी और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर मामले की पड़ताल की जा रही है ताकि घटना में शामिल लोगों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जा सके। पुलिस अधीक्षक ने कहा है कि मामले के हर पहलू की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। फिलहाल पुलिस जांच जारी है।

विभिन्न सड़क योजनाओं की उपायुक्त ने की समीक्षा

गुमला (नवबिहार टाइम्स संवादाता)। गुमला उपायुक्त दिलेश्वर महतो ने राष्ट्रीय राजमार्ग एवं राजकीय राजमार्ग से संबंधित विभिन्न सड़क निर्माण योजनाओं की समीक्षा बैठक की। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग से संबंधित पलमा-गुमला पथ चौड़ीकरण योजना, भारतमाला परियोजना अंतर्गत छत्तीसगढ़ झारखंड बॉर्डर से गुमला, बाईपास सड़क निर्माण योजना एवं एनएच-143डी जमटोली-रांची-संबलपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर सहित विभिन्न योजनाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए योजनाओं की प्रगति एवं भूमि अधिग्रहण से जुड़े मामलों पर विस्तार से चर्चा की। समीक्षा के क्रम में पलमा-गुमला पथ निर्माण कार्य के दौरान भू-अर्जन संबंधी विभिन्न बाधाओं एवं समस्याओं की जानकारी प्राप्त हुई। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को स्थल निरीक्षण कर समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने तथा निर्माण कार्य को निर्बाध रूप से संचालित करने का निर्देश दिया।

जेईई एडवांस में जेनिसिस क्लासेस का शानदार प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

करनाल। देश की प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई एडवांस 2026 के घोषित परिणामों में जेनिसिस क्लासेस के विद्यार्थियों ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सफलता की नई इबारत लिखी है। संस्थान के 40 से अधिक विद्यार्थियों ने परीक्षा में सफलता प्राप्त कर न केवल अपने परिवार बल्कि संस्थान और क्षेत्र का नाम भी गौरवान्वित किया है। संस्थान के छात्र सम्पन कक्कड़ ने ऑल इंडिया कॉमन रैंक लिस्ट में 1257वीं तथा कैटेगरी रैंक 133 प्राप्त कर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। वहीं एताशा मलिक ने 1600, गायत्री ने 3841, युव बंसल ने 4187 तथा वत्सल जैन ने 4500वीं रैंक हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। संस्थान के अन्य सफल विद्यार्थियों में मनन केश्वर, दिव्यांश राणा, शशांक

अत्रेजा, रुहान दलाल, शौर्य कम्बोज, अवनी चौहान, शुभ झांब, संयम चौधरी, गौरव सेहरावत, शिवांशु कुमार, गुरशरण सिंह, मोहित, हर्षिता, शौर्य गुप्ता, चेरुब अरोड़ा, प्रियाम सुखीजा, रोनित खुराना, आर्यन कुमार, अस्मी गोयल, एंजेल, परनीत सेलवाल, विराट राज, प्लाक्षा सारोहे, अयान मेहला एवं अग्निवेश कुमार सहित अनेक विद्यार्थियों ने शानदार रैंक प्राप्त की। निदेशक जितेंद्र सिंह अहलावत एवं नवनीत सिंह ने सभी सफल विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि संस्थान का मूल मंत्र गीता का यह संदेश है कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन, अर्थात मनुष्य का अधिकार केवल कर्म करने में है, फल पर नहीं। इसी सिद्धांत को अपनाकर विद्यार्थी बिना परिणाम की चिंता किए निरंतर मेहनत करते हैं और सफलता अर्जित करते हैं।

पर्यटन को गति देने को लेकर पर्यटन संवर्द्धन परिषद की बैठक में मंथन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। गिरिडीह में पर्यटन को नई रफ्तार देने की तैयारी तेज हो गई है। आज जिला पर्यटन संवर्द्धन परिषद की शासी निकाय की अहम बैठक जिला समाहरणालय में उपायुक्त रामनिवास यादव की अध्यक्षता में हुई। बैठक में राज्यसभा सांसद, जमुआ विधायक, जिला परिषद अध्यक्ष, गिरिडीह महापौर, पर्यटन मंत्री के प्रतिनिधि और कई विधायकों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक में जिले के अधिसूचित पर्यटन स्थलों की स्थिति और पर्यटन विभाग की योजनाओं की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने पर्यटन विकास को गति देने और पर्यटक सुविधाओं के विस्तार पर जोर दिया। उपायुक्त ने कहा कि बैठक में अहम फैसले लिए गए। धार्मिक और पर्यटन महत्व को देखते हुए कई स्थलों को 'डी' श्रेणी से 'सी' श्रेणी में अपग्रेड करने की अनुशंसा पर्यटन विभाग को भेजी जाएगी। वहीं विधायक मंजू कुमारी सहित अन्य ने बताया कि 'बी' श्रेणी के पर्यटन स्थलों के समग्र विकास के लिए कंसल्टेंट के जरिए डीपीआर तैयार कराया जाएगा। जो पर्यटन स्थल अब तक अधिसूचित नहीं हुए हैं, उनके लिए भी दोबारा प्रस्ताव भेजा जाएगा। साथ ही पर्यटकों की सुविधा के लिए जिले के प्रमुख मार्गों और पर्यटन स्थलों की ओर जाने वाले रास्तों पर टूरिज्म साइनेज लगाने का भी फैसला लिया गया है। बैठक में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने नए पर्यटन स्थलों के संवर्द्धन और आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के सुझाव भी दिए। उपायुक्त ने सभी विभागों को समन्वित प्रयास करने और स्वीकृत प्रस्तावों पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

गिरिडीह को स्वच्छ और सुंदर बनाने पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। शहर के विकास, स्वच्छता व्यवस्था और आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने को लेकर सोमवार को नगर निगम सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में गिरिडीह जिला चैंबर ऑफ कॉमर्स एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने उपमहापौर सुमित कुमार से मुलाकात कर शहर के समग्र विकास से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल में गिरिडीह जिला चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष निर्मल झुनझुनवाला, सचिव प्रमोद जैन, पूर्व नगर परिषद उपाध्यक्ष सह गिरिडीह जिला मारवाड़ी सम्मेलन के सचिव राकेश मोदी सहित कई गणमान्य लोग शामिल थे। प्रतिनिधियों ने शहर को अधिक स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने के लिए सुझावों का एक विस्तृत प्रस्ताव उपमहापौर के समक्ष रखा बैठक के दौरान बड़ा चौक स्थित ऐतिहासिक कुएं के जीर्णोद्धार, टुंडी रोड की जर्जर सड़क की मरम्मत, नालियों की सफाई एवं निर्माण तथा अन्य जनसुविधाओं से संबंधित समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया। प्रतिनिधियों ने कहा कि शहर के प्रमुख मार्गों और सार्वजनिक स्थलों की स्थिति में सुधार से नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और गिरिडीह की पहचान भी मजबूत होगी। उपमहापौर सुमित कुमार ने सभी सुझावों को गंभीरता से लेते हुए कहा कि नगर निगम शहर के सर्वांगीण विकास और स्वच्छता को लेकर प्रतिबद्ध है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जनहित से जुड़े मुद्दों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाएगी तथा संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे बैठक में शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और प्रभावी बनाने, जलनिकासी व्यवस्था में सुधार, यातायात सुविधाओं को बेहतर करने तथा बुनियादी ढांचे के विकास को लेकर भी विस्तार से विचार विमर्श हुआ।

बीसीसीएल-सीसीएल-इसीएल की परियोजनाओं से प्रभावित परिवारों की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। धनबाद परिसदन में सोमवार को विधानसभा की ध्यान आकर्षण विशेष समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने की। बैठक में बीसीसीएल, सीसीएल और ईसीएल की खनन परियोजनाओं से प्रभावित रैयत परिवारों को मुआवजा, पुनर्वास और नियोजन उपलब्ध कराने के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान प्रभावित परिवारों से आवेदन भी लिए गए और विभिन्न मामलों की समीक्षा की गई। विशेष समिति के अध्यक्ष एवं टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने बताया कि समिति का उद्देश्य खनन कार्यों के कारण भूमि

गंवाने वाले रैयतों को न्याय दिलाना है। उन्होंने कहा कि प्रभावित लोगों के भूमि दस्तावेजों की जांच के बाद उन्हें नियमानुसार मुआवजा दिया जाएगा। साथ ही खनन कंपनियों द्वारा उपयोग की गई सरकारी जमीन की भी समीक्षा की जा रही है। मथुरा प्रसाद महतो ने बताया कि बीसीसीएल द्वारा उपयोग की गई सरकारी जमीन के एवज में राज्य सरकार को लगभग 220 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। अन्य खनन कंपनियों से भी राजस्व वसूली की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि समिति के गठन को नौ माह हो चुके हैं और लगातार प्रभावित परिवारों के हित में काम किया जा रहा है। यह बैठक तीन दिनों तक चलेगी। निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने कहा कि समिति का प्रयास है कि जिन रैयतों को अब तक उचित मुआवजा नहीं मिला है, उन्हें उनका अधिकार दिलाया जाए। उन्होंने बताया कि वैध भूमि दस्तावेज रखने वाले प्रभावित परिवारों को मुआवजा दिया जाएगा। वहीं दो एकड़ या उससे अधिक भूमि प्रभावित होने पर नियोजन देने के प्रावधान पर भी विचार किया जा रहा है। बैठक में मौजूद बीसीसीएल के सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि कंपनी प्रभावित रैयतों को नियमानुसार मुआवजा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पात्रता के लिए भूमि संबंधी आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करना जरूरी होगा। साथ ही प्रभावित परिवारों से बीसीसीएल के पुनर्वास क्षेत्रों में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाने की अपील भी की।

तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। सोमवार को राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में विश्व तंबाकू निषेध दिवस का शुभारंभ एवं जिला स्तरीय तंबाकू नियंत्रण समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम की अब तक की प्रगति की समीक्षा की गई तथा अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक की शुरुआत सिविल सर्जन ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस 2026 की थीम - आकर्षण को पहचानें तंबाकू और निकोटीन की लत का मुकाबला करें की जानकारी

देकर की। उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि तंबाकू नियंत्रण अभियान का प्रभाव केवल गतिविधियों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसका सकारात्मक परिणाम जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए। उन्होंने कहा कि तंबाकू उत्पादों के बाजार में सक्रिय असंगठित क्षेत्र युवाओं को नशे की ओर आकर्षित कर उन्हें खोखला करने का काम कर रहा है। ऐसे तत्वों और इनके नेटवर्क से समाज तथा देश को गंभीर नुकसान पहुंच रहा है। उपायुक्त ने कहा कि पंचायत स्तर पर मुखिया एवं जनप्रतिनिधियों के सहयोग से तंबाकू मुक्त गांवों को विकसित किया जाए तथा ऐसे गांवों में तंबाकू मुक्त ग्राम के बोर्ड लगाए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अभियान को परिणामोन्मुख बनाते हुए ऐसा वातावरण तैयार करें, जिससे लोग स्वयं तंबाकू और नशे की आदत छोड़ने के लिए प्रेरित हों। उन्होंने कहा कि आने वाले एक माह में सभी विभाग बेहतर कार्य करें और उसका सकारात्मक सामाजिक प्रभाव भी दिखाई दे। मौके पर पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना ने कहा कि अभियान की सतत मॉनिटरिंग की जाएगी। उन्होंने बताया कि विद्यालयों एवं थाना परिसरों के आसपास निर्धारित मानकों के अनुरूप साइनबोर्ड लगाए जाएंगे। साथ ही, थाना प्रभारी पेट्रोलिंग वाहन की टीम कोटपा अधिनियम के तहत सक्रिय रूप से कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि प्रभावी तंबाकू नियंत्रण के लिए डेटा संग्रहण अत्यंत आवश्यक है।

ऑटो-ट्रक की टक्कर में वृद्ध की मौत, पांच घायल, सड़क जाम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हुसैनाबाद (पलामू)। जपला-छतरपुर मुख्य सड़क पर सोमवार की सुबह गम्हरिया गांव के समीप एक भीषण सड़क दुर्घटना में एक वृद्ध की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में दो बच्चों को भी चोटें आई हैं। दुर्घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। जानकारी के अनुसार, एक ऑटो में दो बच्चों समेत आठ लोग सवार होकर जा रहे थे। इसी दौरान गम्हरिया के पास एक बोरवेल ट्रक और ऑटो के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि गोरयाथान निवासी 65 वर्षीय चन्द्रिका यादव का पैर कटकर अलग हो गया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।घायलों में समसुन बीबी (65 वर्ष), पीर मोहम्मद (35 वर्ष), समीरा खातून (30 वर्ष), लालदेव (36 वर्ष), सरिता देवी (54 वर्ष) समेत अन्य शामिल हैं। गंभीर रूप से घायल समसुन बीबी और पीर मोहम्मद को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मेदिनीनगर सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे में अभिषेक कुमार (10 वर्ष) सहित दो बच्चों को भी चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों ने हादसे के लिए सड़क किनारे पाइपलाइन बिछाने वाली कंपनी को जिम्मेदार ठहराया। ग्रामीणों का आरोप है कि पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़क किनारे मिट्टी को ऊंचा छोड़ दिया गया था, जिससे सड़क संकरी और असुरक्षित हो गई है। इसी कारण यह दुर्घटना हुई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा सड़क जाम हटाकर यातायात सामान्य कराने का प्रयास किया गया। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। जामस्थल पर हुसैनाबाद के अंचल अधिकारी पंकज कुमार और थाना प्रभारी चंदन कुमार पहुंचकर आक्रोशित ग्रामीणों को समझाने बुझाने में लगे हुए हैं। ग्रामीण उचित मुआवजा और पाइपलाइन संवेदक के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए हैं।

टिकाऊ कृषि विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण हैं जैव आधारित कृषि उत्पाद

अगली पीढ़ी के जैव-आधारित कृषि उत्पादों पर केंद्रित संगोष्ठी-सह-कार्यशाला का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली/रांची। कीटनाशक सूत्रीकरण प्रौद्योगिकी संस्थान (आईपीएफटी), गुरुग्राम ने रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के रसायन और पेट्रोरसायन विभाग के तहत अपने 36वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर (एनएएससी), नई दिल्ली में दो दिवसीय संगोष्ठी-सह-कार्यशाला बायोपीएसएफ 2026: नेक्स्टजेन बायो-इनपुट्स जैव-आधारित कीटनाशक, बायोस्टिमुलेंट्स और जैव उर्वरक का आयोजन किया। कार्यक्रम में नीति-निर्माताओं, वैज्ञानिकों, उद्योग प्रतिनिधियों, नियामकों, शिक्षाविदों, उद्यमियों, स्टार्टअप्स, छात्रों और शोधकर्ताओं ने भाग लिया। संगोष्ठी का उद्घाटन रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग के संयुक्त सचिव (पेट्रोरसायन) डॉ. जी. वेंकटेश ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। डॉ. वेंकटेश ने कहा कि अगली पीढ़ी के जैव-आधारित कृषि उत्पाद मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार, पर्यावरणीय प्रभावों में कमी और

टिकाऊ कृषि विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में नवाचार आत्मनिर्भर भारत और देश की जैव-अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहायक होगा। आईपीएफटी के निदेशक डॉ. एम.के.आर. मुदियम ने स्वागत भाषण में कहा कि कीटनाशक प्रतिरोध, जलवायु परिवर्तन और मिट्टी के क्षरण जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए जैव-आधारित कीटनाशकों, बायोस्टिमुलेंट्स और जैव उर्वरकों का उपयोग आवश्यक है। उन्होंने अकादमिक संस्थानों, उद्योग और नियामक एजेंसियों के बीच सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। उद्घाटन सत्र में बायोपीएसएफ 2026 सार-पुस्तिका का विमोचन किया गया तथा हिंदी प्रकाशन कृषि रसायन दिग्दर्शिका का लोकार्पण हुआ। साथ ही एएसटीआरए दिल्ली-एनसीआर चैप्टर का शुभारंभ भी किया गया। इस अवसर पर आईपीएफटी और कई प्रमुख संस्थाओं के बीच अनुसंधान, नवाचार, प्रौद्योगिकी विकास और क्षमता निर्माण के लिए समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान हुआ। फसल संरक्षण, पोषण और मृदा स्वास्थ्य के लिए स्मार्ट एवं टिकाऊ रणनीतियां विषय पर आधारित इस कार्यक्रम में 23 आमंत्रित व्याख्यान तथा 80 मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियां आयोजित की जा रही हैं। इनमें सूक्ष्मजीवी जैव-इनपुट्स, नैनो-जैव कीटनाशक, आरएनए आधारित प्रौद्योगिकियां, फॉर्मूलेशन इंजीनियरिंग, बायोस्टिमुलेंट्स, सुरक्षा मूल्यांकन और नियामक ढांचे जैसे विषय शामिल हैं। कार्यक्रम का समापन 2 जून 2026 को होगा, जिसमें श्रेष्ठ मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुतियों के लिए पुरस्कार, उद्योग संवाद तथा भारत के जैव-इनपुट पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ बनाने संबंधी सिफारिशें प्रस्तुत की जाएंगी।

सांसद ने झारखंड आंदोलनकारियों को सम्मान देने की उठाई मांग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। तोपचांची प्रखंड के मानगो भवानी चौक में झारखंड आंदोलनकारी और आजसू नेता स्वर्गीय भवानी महतो की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और ग्रामीण मौजूद रहे। श्रद्धांजलि सभा में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने स्वर्गीय भवानी महतो के झारखंड आंदोलन में योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि भवानी महतो ने राज्य के अधिकार और पहचान के लिए संघर्ष किया था। उनका जीवन और समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने झारखंड आंदोलनकारियों को लेकर राज्य सरकार पर सवाल भी उठाए। उन्होंने कहा कि आज तक वास्तविक आंदोलनकारियों को उचित सम्मान नहीं मिल पाया है। कई ऐसे लोगों के नाम आंदोलनकारियों की सूची में शामिल कर दिए गए हैं, जिनका आंदोलन के समय जन्म तक नहीं हुआ था। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि झारखंड आंदोलनकारियों की सही और प्रमाणिक सूची तैयार की जाए तथा वास्तविक आंदोलनकारियों को उनका हक और सम्मान दिया जाए। सांसद ने कहा कि जिन लोगों ने झारखंड राज्य निर्माण के लिए संघर्ष किया, उन्हें सम्मानित करना सरकार की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं, समाजसेवियों और ग्रामीणों ने भी स्वर्गीय भवानी महतो को श्रद्धासुमन अर्पित किए। सभा के दौरान उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने उनके आदर्शों पर चलने और समाजहित में कार्य करने का संकल्प लिया।

मलेरिया को जड़ से खत्म करने का संकल्प, गिरिडीह में मलेरिया रोधी माह शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सदर अस्पताल परिसर में मलेरिया रोधी माह जून 2026 का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सिविल सर्जन सह जिला स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष एवं जिला आरोग्य समिति के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर मलेरिया उन्मूलन के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने और लोगों को बचाव के उपायों की जानकारी देने का संकल्प लिया गया इस वर्ष मलेरिया रोधी माह की थीम "ड्राइव टो एन्ड मलेरिया : नॉव वी कैन , नॉव वी मस्त " रखी गई है, जिसका हिंदी संदेश है – "मलेरिया को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, अब हम कर

सकते हैं और हमें करना ही होगा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि मलेरिया एक गंभीर लेकिन रोकथाम योग्य बीमारी है। यह संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने से फैलती है। वर्तमान में मलेरिया से बचाव के लिए कोई प्रभावी टीका व्यापक रूप से उपलब्ध नहीं है, इसलिए बचाव और जागरूकता ही सबसे बड़ा उपाय है। लोगों से घर और आसपास साफ-सफाई रखने, जल जमाव रोकने तथा मच्छरों के प्रजनन स्थलों को नष्ट करने की अपील की गई।विशेषज्ञों ने बताया कि मलेरिया के प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार, ठंड लगना, पसीना आना, सिरदर्द, बदन दर्द, थकान, उल्टी और कंपकंपी शामिल हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराने की सलाह दी गई। अधिकारियों ने कहा कि सभी सरकारी अस्पतालों में मलेरिया की जांच, दवा और उपचार की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध है। मलेरिया रोधी माह के दौरान जिलेभर में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता, खेल प्रतियोगिता, प्रभात फेरी, माइकिंग, नुक्कड़ नाटक, पर्चा वितरण, पोस्टर अभियान, होर्डिंग, दीवार लेखन तथा आईपीसी आधारित प्रचार-प्रसार शामिल हैं कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. प्रीति अनिता कुजूर, उपाधीक्षक सदर अस्पताल डॉ. प्रदीप बेदिया, नगर प्रबंधक प्रशांत प्रकाश, राज्य कार्यक्रम प्रतिनिधि सुमित रोशन तिर्की, जिला कार्यक्रम प्रबंधक गिरजा कुमार सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक (इकाई समन्वयक) ईश्वरदेव कुमार वर्मा सहित स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।मौके पर उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मियों ने मलेरिया मुक्त गिरिडीह बनाने के लिए जनभागीदारी बढ़ाने तथा जागरूकता अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

जेईई एडवांस्ड में डीएवी हजारीबाग के छात्र हेमंत राज का शानदार प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। डीएवी पब्लिक स्कूल, कैनरी हिल रोड, हजारीबाग के कक्षा 12वीं के छात्र हेमंत राज ने जेईई एडवांस्ड 2026 में उल्लेखनीय सफलता हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। उन्होंने ओबीसी-एनसीएल श्रेणी में अखिल भारतीय रैंक 6525 तथा कॉमन रैंक लिस्ट (सीआरएल) में 23405वीं रैंक प्राप्त की है। हेमंत राज ने इससे पहले सीबीएसई कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में 94 प्रतिशत अंक हासिल किए थे। वहीं जेईई मेन्स परीक्षा में उन्होंने 96.5 परसेंटाइल प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। बोर्ड परीक्षा और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी को संतुलित करते हुए मिली इस सफलता की विद्यालय परिवार ने सराहना की

है। प्राचार्य ने हेमंत के अभिभावकों को भी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी निरंतर प्रेरणा और सहयोग ने इस सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विद्यालय परिवार ने हेमंत के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे आगे भी नई सफलताएं हासिल कर संस्थान और जिले का नाम रोशन करेंगे। हेमंत राज की इस उपलब्धि से विद्यालय में खुशी का माहौल है तथा शिक्षकों और विद्यार्थियों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

परिवार ने लगाया अवैध कब्जा और जमीन बिक्री का आरोप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। शहर के राँची-पटना रोड स्थित ओल्ड चेक पोस्ट क्षेत्र में पैतृक जमीन को लेकर पारिवारिक विवाद गहरा गया है। प्रभावती देवी ने परिवार के कुछ सदस्यों पर बंटवारे के बाद भी जमीन पर अवैध कब्जा करने तथा मनमाने ढंग से बिक्री करने का आरोप लगाते हुए प्रशासन से न्याय की मांग की है। प्रभावती देवी द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, उनकी सास स्वर्गीय राध्या देवी के नाम से खरीदी गई पैतृक भूमि का पूर्व में चार हिस्सेदारों के बीच आपसी सहमति से बंटवारा किया गया था। इसमें अशोक कुमार गुप्ता, बिनोद कुमार गुप्ता, प्रमोद कुमार गुप्ता तथा स्वर्गीय सुबोध कुमार गुप्ता की पत्नी प्रभावती देवी शामिल हैं। परिवार का कहना है कि बंटवारे का नक्शा भी सभी संबंधित पक्षों को उपलब्ध कराया गया था। आरोप है कि अशोक कुमार गुप्ता एवं उनके पुत्र दीपक कुमार गुप्ता उर्फ गुड्डू इस बंटवारे को स्वीकार नहीं कर रहे हैं और अन्य हिस्सेदारों की भूमि पर कब्जा करने के साथ-साथ अपनी मर्जी से जमीन की बिक्री भी कर रहे हैं। मामले को लेकर परिवार की ओर से वर्ष 2022 में हजारीबाग न्यायालय में पार्टिशन सूट संख्या 157/2022 दायर किया गया था, जो फिलहाल विचाराधीन है। इसके बावजूद विवाद लगातार जारी रहने का दावा किया गया है। प्रभावती देवी ने बताया कि जब उन्होंने अपनी हिस्से की भूमि खाता संख्या-1, प्लॉट संख्या-971, रकवा 10 डिसमिल पर चहारदीवारी निर्माण का प्रयास किया, तब कथित रूप से विरोध किया गया। इसके बाद अनुमंडल पदाधिकारी न्यायालय में बीएनएसएस की धारा 163 के तहत केस संख्या 149/2026 दर्ज कराया गया, लेकिन अब तक समाधान नहीं निकल सका है। पीड़ित परिवार का कहना है कि स्थानीय थाना में भी कई बार शिकायत की गई है, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। परिवार ने आरोप लगाया है कि लगातार हो रही गतिविधियों के कारण वे भय और मानसिक तनाव के माहौल में जीवन व्यतीत कर रहे हैं। परिवार ने जिला प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने तथा पैतृक संपत्ति में उनके अधिकार की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

राजनीतिक अवसर तलाशने का काम बंद करें स्थानीय विधायक : रेखा सिंह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। रामपुर गोली कांड मामले में पलामू जिला महिला कांग्रेस की अध्यक्ष रेखा सिंह ने स्थानीय विधायक आलोक चौरसिया को कहा है कि वे इस मामले कोअपना राजनीतिक अवसर के रूप में न देखे। यह मामला विशुद्ध रूप से भूमि विवाद से जुड़ा मामला है। इसमें प्रशासन की विफलता के रूप में देखा जाना चाहिए। क्योंकि विवाद शुरू होने वाले दिन अगर पुलिस तत्परता दिखाती तो इस घटना को टाला जा सकता था। उनकी सहानुभूति मारे गए और घायल चौधरी परिवार के प्रति भी है और राजपूत समाज के उन 40 लोगों के प्रति भी है, जो निर्दोष है। कानून को निष्पक्ष रूप से काम करने देना चाहिए।

कफ सिरप के साथ तस्कर गिरफ्तार, 138 बोतलें बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए कटकमसांडी पेलावल ओपी पुलिस ने अवैध रूप से प्रतिबंधित कफ सिरप (ओनेरेक्स) का परिवहन एवं खरीद-बिक्री करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 138 बोतल कफ सिरप बरामद किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कटकमसांडी पेलावल ओपी क्षेत्र में गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति अवैध रूप से नशीले तत्व युक्त कफ सिरप का परिवहन और कारोबार कर रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस ने छापेमारी कर आरोपी को रंगे हाथ पकड़

लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 138 बोतल ओनेरेक्स कफ सिरप बरामद की गई। इस संबंध में कटकमसांडी पेलावल ओपी थाना कांड संख्या 85/26, दिनांक 31 मई 2026 दर्ज किया गया है। आरोपी के विरुद्ध धारा 18(c)/27(b)(ii) ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट तथा धारा 8(c)/22(b) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान नाजिम हुसैन (40 वर्ष), पिता स्वर्गीय इन्तेखार हुसैन, निवासी खुटरा (डुकरा), थाना कटकमसांडी पेलावल, जिला हजारीबाग के रूप में हुई है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पुलिस ने उसे न्यायिक हिरासत में भेजते हुए जेल भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि जिले में नशीले पदार्थों एवं प्रतिबंधित दवाओं के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे मामलों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

खंडोली में जिला आपूर्ति पदाधिकारी का विदाई-सह-स्वागत समारोह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। खंडोली में फेयर प्राइस डीलर शॉप एसोसिएशन, गिरिडीह जिला की ओर से जिला आपूर्ति पदाधिकारी गुलाम समदानी के विदाई एवं नवपदस्थापित जिला आपूर्ति पदाधिकारी तेज कुमार हांसदा के स्वागत में समारोह का आयोजन किया गया कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों से बड़ी संख्या में जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) के डीलर शामिल हुए। समारोह के दौरान वक्ताओं ने गुलाम समदानी के कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके प्रशासनिक कार्यों और विभागीय समन्वय की प्रशंसा की। डीलरों ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं वहीं नवपदस्थापित जिला आपूर्ति पदाधिकारी तेज कुमार हांसदा का फूल-मालाओं के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उपस्थित डीलरों ने उन्हें पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाते हुए जन वितरण प्रणाली को और सुदृढ़ बनाने के लिए मिलकर कार्य करने की बात कही इस अवसर पर तेज कुमार हांसदा ने कहा कि सभी के सहयोग से विभागीय कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखते हुए लाभुकों तक समय पर राशन पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए विभाग और डीलरों के बीच बेहतर तालमेल आवश्यक है समारोह में जन वितरण प्रणाली को और प्रभावी बनाने, लाभुकों को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने तथा विभाग एवं डीलरों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित डीलरों ने व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और जनहितकारी बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया।

बॉम्बे आवास में चाइल्ड रिसोर्स सेंटर का उद्घाटन, बच्चों के सर्वांगीण विकास को मिलेगा नया मंच

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। सृजन फाउंडेशन हजारीबाग के तत्वावधान में नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 08 स्थित बॉम्बे आवास आवासीय क्षेत्र में चाइल्ड रिसोर्स सेंटर (सीआरसी) का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सहायक नगर आयुक्त विपिन कुमार थे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय समिति सदस्य विकास राणा, वार्ड पार्षद अनीता गुप्ता, पूजा देवी, प्रकाश गुप्ता, झामुमो नेता अजय कुमार, नितेश कुमार, स्वपन समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह का शुभारंभ फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर सहायक नगर आयुक्त विपिन कुमार ने कहा कि नगर निगम की ओर से चाइल्ड रिसोर्स सेंटर को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि इसका संचालन प्रभावी ढंग से हो सके और क्षेत्र के बच्चों को इसका लाभ मिले। विशिष्ट अतिथि विकास राणा ने कहा कि यह केंद्र बच्चों के भीतर नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार करेगा। उन्होंने इसे बच्चों

के शैक्षणिक, सामाजिक और रचनात्मक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। कार्यक्रम के दौरान सृजन फाउंडेशन की प्रतिनिधि ग्लोरिया ने चाइल्ड रिसोर्स सेंटर की अवधारणा और उद्देश्य पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह केंद्र बच्चों को सीखने, रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने और अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर प्रदान करेगा। प्रस्तुति से प्रभावित अतिथियों ने केंद्र के विकास और संचालन में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अंकिता पॉल, ग्लोरिया, कौशल्या, पिंकी और अनीशा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विशेष बात यह रही कि स्थानीय बच्चों ने भी केंद्र के निर्माण और सजावट में उत्साहपूर्वक योगदान दिया। बच्चों की मांग और आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए ही इस क्षेत्र का चयन चाइल्ड रिसोर्स सेंटर की स्थापना के लिए किया गया था। सृजन फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने बताया कि यह केंद्र समुदाय आधारित बाल विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे क्षेत्र के बच्चों को सुरक्षित, रचनात्मक और सीखने के अनुकूल वातावरण उपलब्ध होगा।

पर्यटन स्थलों के विकास व आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर जोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव की अध्यक्षता में सोमवार को जिला पर्यटन संवर्द्धन परिषद की शासी निकाय की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के पर्यटन स्थलों के विकास, पर्यटक सुविधाओं के विस्तार तथा पर्यटन अवसंरचना को मजबूत बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई बैठक में राज्यसभा सांसद, जमुआ विधायक, जिला परिषद अध्यक्ष, गिरिडीह नगर निगम की महापौर, पर्यटन विभाग के मंत्री प्रतिनिधि सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। उपायुक्त ने जिले में अधिसूचित पर्यटन स्थलों की वर्तमान स्थिति, उनकी पर्यटन संभावनाओं तथा पर्यटन विभाग द्वारा संचालित योजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा की बैठक में अनुशंसित पर्यटन स्थलों को विभिन्न श्रेणियों में अधिसूचित करने के लिए प्रस्ताव पर्यटन विभाग, झारखंड सरकार को भेजने का निर्णय लिया गया। साथ ही धार्मिक एवं पर्यटन महत्व को

देखते हुए कई पर्यटन स्थलों को 'डी' श्रेणी से उन्नयन कर 'सी' श्रेणी में अधिसूचित करने की अनुशंसा करने पर सहमति बनी इसके अलावा जिले के बी श्रेणी में अधिसूचित पर्यटन स्थलों के समग्र विकास के लिए कंसल्टेंट के माध्यम से विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार कराने तथा आवश्यक अनुशंसा पर्यटन विभाग को भेजने का निर्णय लिया गया। पूर्व में विभाग को भेजे गए लेकिन अब तक अधिसूचित नहीं किए गए पर्यटन स्थलों के संबंध में पुनः प्रस्ताव तैयार कर भेजने पर भी चर्चा हुई। पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रमुख मार्गों एवं पर्यटन स्थलों तक जाने वाले संपर्क पथों पर पर्यटन संकेतक पट्ट टूरिज्म साइनेज) स्थापित करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में मौजूद जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने पर्यटन विकास, आधारभूत संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण तथा नए पर्यटन स्थलों के संवर्द्धन को लेकर कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए।उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को पर्यटन विकास से जुड़े कार्यों में बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए स्वीकृत प्रस्तावों पर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया

सदर प्रखंड में जागरुकता कार्यक्रम व दिव्यांगजन सहायता शिविर का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। सदर प्रखंड, डालटनगंज में विश्व मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन दिवस के अवसर पर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अनुमंडल पदाधिकारी (सदर) श्रीमती सुलोचना मीणा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किशोरियों, महिलाओं, आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। अपने संबोधन में एसडीओ सदर सुलोचना मीणा ने किशोरियों को मासिक धर्म के महत्व, इसके दौरान अपनाई जाने वाली स्वच्छता संबंधी सावधानियों एवं संतुलित आहार के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मासिक धर्म महिलाओं के जीवन की एक प्राकृतिक एवं अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसका सबसे महत्वपूर्ण

पहलू सृष्टि की निरंतरता एवं नई पीढ़ी के निर्माण से जुड़ा है। उन्होंने किशोरियों को मासिक धर्म के दौरान नियमित साफ-सफाई रखने तथा सेनेटरी पैड का उपयोग करने की सलाह देते हुए कहा कि संक्रमण से बचाव के लिए स्वच्छता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि "पहला सुख निरोगी काया", इसलिए स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।कार्यक्रम के दौरान एसडीओ महोदया द्वारा किशोरियों के बीच मासिक धर्म स्वच्छता किट का वितरण किया गया। साथ ही गोद भराई एवं अन्नप्राशन कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें लाभुक महिलाओं एवं बच्चों को सम्मानित किया गया। इसी अवसर पर राष्ट्रीय वयोश्री योजना एवं दिव्यांगजन सहायता कार्यक्रम के अंतर्गत एसडीओ महोदया द्वारा 19 दिव्यांगजनों के बीच बैटरी चालित व्हीलचेयर का वितरण किया गया। वहीं एएलआईएमको द्वारा आयोजित प्रखंड स्तरीय दिव्यांग मूल्यांकन शिविर के माध्यम से चयनित 86 दिव्यांगजनों को विभिन्न सहायक उपकरण एवं दिव्यांग यंत्रों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान एसडीओ महोदया ने आंगनबाड़ी सेविकाओं द्वारा तैयार किए गए पौष्टिक व्यंजनों के स्टॉल का निरीक्षण किया तथा विभिन्न व्यंजनों का स्वाद चखकर उनकी सराहना की। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, पलामू नीता चौहान ने कहा कि पहली माहवारी से लेकर रजोनिवृत्ति तक मासिक धर्म प्रबंधन महिलाओं एवं किशोरियों के जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने बताया कि मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता, स्वास्थ्य सुरक्षा एवं सुरक्षित निपटान की जानकारी प्रत्येक किशोरी एवं महिला तक पहुंचाना आवश्यक है। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने आगे कहा कि मासिक धर्म से जुड़े अनुभवों को सकारात्मक एवं सहज बनाने में जीवन कौशल शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है।

मानदेय और सीएससी की मनमानी के खिलाफ प्रज्ञा केंद्र संचालकों की हड़ताल शुरू

केरेडारी (हजारीबाग)। केरेडारी प्रखंड के प्रज्ञा केंद्र संचालक अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सोमवार से हड़ताल पर चले गए हैं। संचालकों का कहना है कि वे पंचायत भवनों में उपस्थित रहकर आम जनता को आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराते रहेंगे, लेकिन विरोध स्वरूप अपना ऑनलाइन अथवा कार्यालयी अटेंडेंस दर्ज नहीं करेंगे। प्रज्ञा केंद्र संचालकों का आरोप है कि लंबे समय से उन्हें उचित मानदेय नहीं मिल रहा है, जबकि सरकारी योजनाओं और डिजिटल सेवाओं के संचालन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। इसके अलावा उन्होंने कॉमन सर्विस सेंटर प्रबंधन की कथित मनमानी पर रोक लगाने की भी मांग उठाई है। संचालकों का कहना है कि उनकी मांगें लंबे समय से लंबित हैं, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई है। इसी कारण उन्होंने चरणबद्ध आंदोलन का रास्ता अपनाया है। हड़ताल के दौरान वे पंचायत भवनों में बैठकर कार्य करेंगे, ताकि आम लोगों को जरूरी सेवाओं के लिए परेशानी का सामना न करना पड़े, लेकिन प्रशासन और संबंधित विभाग का ध्यान अपनी मांगों की ओर आकर्षित करने के लिए अटेंडेंस का बहिष्कार करेंगे। प्रज्ञा केंद्र संचालकों ने सरकार और संबंधित अधिकारियों से जल्द वार्ता कर उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की है। वहीं, यदि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज करने की चेतावनी भी दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रज्ञा केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न सरकारी और ऑनलाइन सेवाओं का प्रमुख माध्यम हैं। ऐसे में संचालकों की मांगों का शीघ्र समाधान किया जाना आवश्यक है, ताकि सेवाओं का संचालन सुचारू रूप से जारी रह सके।

दक्षिण पूर्व रेलवे-निविदा

निविदा सूचना सं.: ई-डीआरएम-इंजी-आद्रा-42-43-26, दिनांक 29.05.2026; भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.), दक्षिण पूर्व रेलवे, आद्रा द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **क्रमांक एवं सूचना सं.; कार्य का नाम; निविदा मूल्य** निम्नलिखित हैं: **(1) ई-डीआरएम-इंजी-आद्रा-42-26, दिनांक 29.05.2026,** सहायक मंडल अभियंता/बोकारो स्टील सिटी के अधिकार क्षेत्र के अधीन (1) एलसी सं. टीबी-15, बीजी-27, टीबी-17 के लेवल क्रॉसिंग पहुंच सड़क तथा बीजी 30 से 31 तक डीआरटी सड़क का सुधार तथा टीबी-15 पर गेट गुमटी की मरम्मत। (2) पहुंच सड़क के साथ लेवल क्रसिंग, लेवल क्रॉसिंग की रबड़राइज्ड सतह एवं जल आपूर्ति की व्यवस्था का सुधार एवं लेवल क्रॉसिंग गेट में एटी की आपूर्ति; रु. 4,38,94,528.81। **(2) ई-डीआरएम-इंजी-आद्रा-43-26, दिनांक 29.05.2026,** मंडल अभियंता/पूर्व/आद्रा के अधिकार क्षेत्र के अधीन (1) बांकुड़ा-मसाग्रामः 18 अदद लेवल क्रॉसिंग पर विशालकाय प्रकार की हाइट गेज के प्रावधान द्वारा महत्वपूर्ण एवं व्यस्त लेवल क्रॉसिंग का सुधार। (2) पहुंच सड़क के साथ लेवल क्रसिंग तथा लेवल क्रॉसिंग की रबड़राइज्ड सतह एवं जल आपूर्ति की व्यवस्था का सुधार एवं एटी की आपूर्ति; रु. 9,57,53,855.26। **ई-निविदाओं के बंद होने की तारीख एवं समय:** दोनों हेतु 30.06.2026 को 15.00 बजे है। ऊपरोक्त ई-निविदाओं के विस्तृत विवरण के लिए कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं। **(PR-252)**

ललन प्रजापति के आश्रितों को मनरेगा कर्मियों ने सौंपी सहयोग राशि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू). झारखण्ड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ, पलामू जिला कमिटी के नेतृत्व में जिले भर के मनरेगा कर्मियों ने एकजुटता एवं मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए दिवंगत ग्राम रोजगार सेवक स्व० ललन प्रजापति के आश्रित परिवार को 1,31,000 की सहयोग राशि प्रदान की। विदित हो कि पांडू प्रखंड के ग्राम रोजगार सेवक स्व० ललन प्रजापति का दिनांक 28 मार्च 2026 को हृदय गति रुक जाने के कारण उनकी मौत हो गई थी। उनके निधन के बाद परिवार गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। उनके परिवार में बीमार पत्नी, एक पुत्री एवं एक पुत्र हैं, जिनके समक्ष आजीविका, शिक्षा एवं भविष्य की गंभीर चुनौतियाँ सामने खड़ी हो गई हैं। दिवंगत साथी के पैतृक आवास सीलदिली पहुंचकर संघ के जिला अध्यक्ष पंकज सिंह, प्रदेश महामंत्री विकास पांडेय, संगठन मंत्री सचिन अख्तर हुसैन, जिला प्रवक्ता मनोज चौबे तथा पांडू प्रखंड अध्यक्ष कृष्णा राम सहित जिले के सभी प्रखंड अध्यक्षों एवं सैकड़ों मनरेगा कर्मियों ने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की तथा संघ की ओर से 1.31 लाख की सहयोग राशि उनके आश्रितों को सौंपी। इस अवसर पर संघ के नेताओं ने कहा कि स्व० ललन प्रजापति ने लगभग 19 वर्षों तक मनरेगा के सफल क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

पत्रकार भवन निर्माण की मांग तेज, सौंपा आवेदन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हुसैनाबाद (पलामू)। प्रगतिशील पत्रकार मंच, हुसैनाबाद ने नगर पंचायत अध्यक्ष को आवेदन सौंपकर हुसैनाबाद में पत्रकार भवन निर्माण की मांग की है। मंच ने कहा है कि वर्ष 1990 से स्थापित संगठन क्षेत्र में निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता के माध्यम से लोकतंत्र को मजबूत करने का कार्य कर रहा है, लेकिन आज भी पत्रकारों के लिए स्थायी भवन उपलब्ध नहीं है। आवेदन में कहा गया है कि भवन के अभाव में पत्रकारों को समाचार संकलन, बैठक और सूचना संप्रेषण से संबंधित कार्यों में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मंच ने मांग की है कि हुसैनाबाद में पत्रकार भवन का निर्माण कराया जाए, जिससे हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र के हुसैनाबाद, हैदरनगर और मोहम्मदगंज प्रखंड के दर्जनों पत्रकारों को सुविधाजनक कार्यस्थल मिल सके।इस संबंध में नगर पंचायत अध्यक्ष अजय कुमार भारती ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ हैं और उनके हितों की रक्षा तथा सुविधाओं का विस्तार आवश्यक है। पत्रकार भवन निर्माण की मांग पर गंभीरता से विचार किया जाएगा।

विधान परिषद चुनाव को ले पार्टियों में बन रही रार की स्थिति

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विधान परिषद् की 10 सीटों के लिए चुनावी बिगुल बज चुका है। आज से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। हालांकि, पहले दिन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और महागठबंधन की ओर से किसी ने भी नामांकन नहीं किया है। कारण है कि अब तक किसी भी दल के शीर्ष नेतृत्व में प्रत्याशियों का नाम फाइनल नहीं किया है। नामांकन की अंतिम तिथि आठ जून को है। इधर, एमएलसी प्रत्याशियों की फाइनल लिस्ट आने में देरी पर सियासत गरमा गई है। विपक्ष का कहना है कि एनडीए में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। सीटों पर पेंच फंसा हुआ है। इधर, सत्ता पक्ष का कहना है कि राजद एक पर ही अपना उम्मीदवार फाइनल नहीं कर पा रहा है। लालू परिवार में कलह जैसी स्थिति बन गई है।

इधर, जनता दल यूनाईटेड के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने विपक्ष के आरोपों को बेबुनियाद कहा है। उन्होंने कहा कि एनडीए में सबकुछ ठीक है। नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में जदयू और भाजपा साथ है। आगे भी दोनों पार्टी का तालमेल यूं ही बना रहेगा और इसीलिए कुछ लोगों को परेशानी है। आपलोग लोगों के बहाकावे में नहीं हैं।

दरअसल, 28 जून को विधान परिषद् की नौ सीटें खाली हो रही हैं। वहीं एक सीट पर नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के कारण उपचुनाव होना है। यानी 10 सीट पर चुनाव होना है। 18 जून को मतदान होगा, इसी दिन रिजल्ट भी आएगा। कुछ सीटों पर उम्मीदवार के नाम लगभग फाइनल हो गए हैं। कुछ पर मंथन जारी है। महागठबंधन की ओर से राष्ट्रीय जनता दल को एक सीट पर ही उम्मीदवार देना है। वहीं बाकी नौ सीट पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को उम्मीदवार देना है। राज्यसभा गए नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार और उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश का विधान परिषद् जाना तय माना जा रहा है। इन दोनों के बाद अब एनडीए के पास सात सीट बचते है।

राजद की एक सीट पर तेज प्रताप यादव को विधान परिषद् भेजने की चर्चा चल रही है। लेकिन, तेज प्रताप जनशक्ति जनता दल यानी अपनी पार्टी से विधान परिषद् जाने पर अड़े हैं। सूत्र बता रहे हैं कि लालू तेज प्रताप को विधान परिषद् भेजना चाहते हैं लेकिन तेजस्वी इस बार पार्टी को प्राथमिकता देना चाहते हैं। क्योंकि राज्यसभा चुनाव में एआईएमआईएम ने विधान परिषद् की एक सीट चाहत में आकर ही महागठबंधन को वोट दिया था। सुनील सिंह राबड़ी देवी के मुंहबोले भाई भी हैं और राजपूत जाति से आते हैं। वह लालू परिवार के काफी करीबी भी हैं। अब एक सीट पर तेजस्वी यादव किसे चुनाव लड़वाते हैं? यह उनके लिए चुनौती होगी।

जनता दल यूनाईटेड से निशांत कुमार, राजीव कुमार सिंह, ललन मंडल, गुलाम रसूल बलियावी के नाम की चर्चा विधान परिषद् प्रत्याशी के रूप में सबसे ज्यादा चल रही है। वहीं भाजपा से संजय मयूख, अमृता भूषण, प्रेम रंजन पटेल, सिद्धार्थ शंभू, अमरनाथ गामी समेत कुछ नामों पर चर्चा चल रही है।

वहीं दीपक प्रकाश भी भाजपा को मिलने वाली राजद कोटे की सीट पर दावेदार हैं। उनका एमएलसी बनना लगभग तय है। भारतीय जनता पार्टी के अनुसार, कुछ उम्मीदवारों ने नाम का चयन कर आलाकमान को भेज दिया गया है। वहां से ही अंतिम मुहर लगेगी। इधर, चर्चा यह भी है कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान और हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा के प्रमुख जीतन राम मांझी भी एक सीट पर अपनी पार्टी से किसी खास को विधान परिषद् भेजना चाहते हैं। लोजपा (रा.) से चिराग पासवान के भतीजे सीमांत मृणाल के नाम भी खूब चर्चा हो रही है।

झारखंड स्वास्थ्य विभाग के ब्रांड एम्बेसडर होंगे क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। बिहार के उभरते हुए युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को झारखंड स्वास्थ्य विभाग का ब्रांड एम्बेसडर बनाया जाएगा। इसकी घोषणा झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने की है। उन्होंने कहा कि वैभव की प्रतिभा, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। उनके जुड़ने से स्वास्थ्य विभाग के जनजागरूकता अभियानों को नई ऊर्जा और व्यापक पहचान मिलेगी।

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी और खेल कौशल की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी खेल शैली बेहद प्रभावशाली और आधुनिक है। उन्होंने कहा कि कम उम्र में जिस तरह वैभव ने क्रिकेट जगत में अपनी अलग पहचान बनाई है, वह आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए एक मिसाल है। उनकी सफलता यह साबित करती है कि मेहनत, अनुशासन और समर्पण से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

मंत्री ने बताया कि वे जल्द ही वैभव सूर्यवंशी को झारखंड आमंत्रित करेंगे और उन्हें स्वास्थ्य

विभाग का ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त कर सम्मानित करेंगे। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर वैभव के माता-पिता को भी विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा, क्योंकि उनकी सफलता में परिवार की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है।

इरफान अंसारी ने कहा कि खेल और स्वास्थ्य का आपस में गहरा संबंध है। यदि युवा खेल गतिविधियों से जुड़ते हैं तो उनका शारीरिक और मानसिक विकास बेहतर होता है। उन्होंने कहा कि वैभव जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को स्वास्थ्य विभाग से जोड़ने का मुख्य उद्देश्य युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि उनके कार्यकाल में राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की दिशा में लगातार काम किया गया है। उन्होंने बताया कि सरकारी अस्पतालों में सुविधाओं का विस्तार किया गया है और आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सरकार स्वास्थ्य व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

मंत्री ने विश्वास जताया कि वैभव सूर्यवंशी के स्वास्थ्य विभाग के ब्रांड एम्बेसडर बनने से विभाग के जनजागरूकता कार्यक्रमों को नई पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि वैभव की लोकप्रियता और उपलब्धियां युवाओं तक सकारात्मक संदेश पहुंचाने में मददगार साबित होंगी तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के अभियान को और मजबूती मिलेगी।

लूम सोलर का हाइब्रिड इन्वर्टर और बैटरी सिस्टम बिजली बिल की बचत में करेगा मदद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विद्युत विनियामक आयोग द्वारा राज्य के 87 लाख से अधिक स्मार्ट प्रीपेड मीटर उपभोक्ताओं के लिए टाइम-ऑफ-डे बिजली दर व्यवस्था लागू किए जाने के बाद, भारत की अग्रणी सोलर टेक्नोलॉजी निर्माता कंपनी लूम सोलर ने इसके अनुरूप एक विशेष समाधान फ्यूजन हाइब्रिड इन्वर्टर और सीएएमएल लाइफ पीओ 4 बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम पेश किया है। नई टीओडी व्यवस्था के तहत सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक उपयोग की गई बिजली सामान्य दर से 20 प्रतिशत सस्ती होगी, जबकि शाम 5 बजे से रात 11 बजे तक उपयोग की गई बिजली पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा।

वहीं रात 11 बजे से सुबह 9 बजे तक की ऑफ-पीक अवधि में बिजली की दर 7.42 प्रति यूनिट निर्धारित की गई है, जो बैटरी चार्जिंग के लिए सबसे किफायती समय माना जा रहा है। अमोद आनंद, सह-संस्थापक एवं निदेशक, लूम सोलर ने कहा कि बिहार का टीओडी टैरिफ उपभोक्ताओं पर बोझ नहीं बल्कि एक अवसर है।

यह हर स्मार्ट मीटर उपभोक्ता को बताता है कि बिजली कब सस्ती है और कब महंगी। हमारा फ्यूजन हाइब्रिड इन्वर्टर और सीएएमएल बैटरी सिस्टम इस सिग्नल को समझकर स्वतः काम करता है और बिजली दरों के अंतर को रोजाना की बचत में बदल देता है।

रिश्वत लेते राजस्व कर्मचारी धराया

म्यूटेशन के लिए लिए थे 12 हजार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पूर्णिया जिले के नगर अंचल कार्यालय में तैनात एक राजस्व कर्मचारी को निगरानी विभाग की टीम ने सोमवार को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार कर्मचारी की पहचान बेला रकाबगंज के राजस्व कर्मचारी रूपक कुमार के रूप में हुई है। यह कार्रवाई जमीन के म्यूटेशन (दाखिल-खारिज) के एवज में रिश्वत मांगने की शिकायत पर की गई है। इस कार्रवाई के बाद अंचल कार्यालय परिसर में काफी देर तक अफरातफरी और हड़कंप का माहौल बना रहा।

घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, श्रीनगर चनका पंचायत के निवासी उमेश कुमार महतो ने अपनी पत्नी पुष्पा देवी के नाम पर दर्ज 4 डेसिमल 35 कड़ी जमीन के दाखिल-खारिज के लिए आवेदन दिया था। आरोप है कि इस कार्य के बदले संबंधित राजस्व कर्मचारी रूपक कुमार द्वारा उनसे 15 हजार रुपये रिश्वत की मांग की जा रही थी। काफी मान-मनौव्वल और बातचीत के बाद रिश्वत की राशि 12 हजार रुपये में तय हुई।

रिश्वत मांगे जाने से तंग आकर शिकायतकर्ता उमेश कुमार महतो ने 2 मई को पटना स्थित निगरानी विभाग के कार्यालय में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद विभाग ने गुप्त रूप से मामले का सत्यापन कराया। सत्यापन के दौरान रिश्वत मांगे जाने का आरोप सही पाया गया, जिसके बाद विभाग की ओर से एक विशेष टीम का गठन कर जाल बिछाया गया। योजना के मुताबिक, सोमवार को जैसे ही शिकायतकर्ता ने कर्मचारी रूपक कुमार को रिश्वत की पहली किस्त के रूप में 10 हजार रुपये दिए, पहले से घात लगाकर बैठी निगरानी विभाग की टीम ने उन्हें मौके पर ही दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद की गई रासायनिक जांच में भी घूस लेने की पुष्टि हुई। निगरानी की टीम आरोपी कर्मचारी को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई है। विभाग के अधिकारियों के अनुसार, आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस घटना ने एक बार फिर राजस्व विभाग में फैले भ्रष्टाचार की पोल खोल दी है।

समर कैंप आयोजित

नगरनौसा (नालंदा)। प्रखंड संसाधन केंद्र के तत्वाधान में वैसे बच्चों को स्तर वृद्धि हेतु केंद्र का संचालन करना है जो नियमित रूप से 7:00 से 9:00 तक होगा। इसके लिए एक दिवसीय उन्मुख कारण का आयोजन किया गया है।इस दौरान सम्बोधन करते हुए के आर पी नगरनौसा के द्वारा शिक्षा सेवक को उत्साह बढ़ाते हुए केंद्र संसाधन के लिए प्रेरित किया। साथ ही साथ केआर पी के द्वारा नव साक्षर महिलाओं को प्रमाण पत्र दिया गया। प्रथम संस्थापक के जिला समन्वयक प्रतिभा कुमारी द्वारा प्रशिक्षण में बेहतर गुणवत्ता दिया गया। जिससे शिक्षा सेवक में काफी उत्साह देखा गया। प्रखंड संसाधन केंद्र के लेखपाल गौरव कुमार द्वारा संयुक्त रूप से प्रशिक्षण को उद्घाटन किया गया। शिक्षा सेवक लक्ष्मण कुमार द्वारा सभी शिक्षा सेवक को अपने समाज के कमजोर बच्चों एवं समाज का सुदृढ़ बनाने के लिए प्रेरित किया गया। जिसमें लक्ष्मण कुमार उत्क्रमित मध्य विद्यालय अशरफपुर, जयनंदन चौधरी प्राथमिक विद्यालय मुसहरी, नीतीश कुमार प्राथमिक विद्यालय मोहिउद्दीनपुर, रंजीत कुमार प्राथमिक विद्यालय गिलानीचक, सुनीता कुमारी, उर्मिला कुमारी, कुमारी किरण सिन्हा इत्यादि ने भाग लिया।

दिनदहाड़े गन प्वाईंट पर लाखों की लूट

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मधुबनी। जिले के जयनगर में बेखौफ अपराधियों ने एक बार फिर पुलिस को चुनौती देते हुए दिनदहाड़े लूट की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। जयनगर थाना क्षेत्र में दो अज्ञात अपराधियों ने हथियार के बल पर रिलायंस स्मार्ट प्वाइंट के मैनेजर से करीब 6 लाख रुपये लूट लिए।

मिली जानकारी के अनुसार रिलायंस स्मार्ट प्वाइंट के मैनेजर धर्मेंद्र कुमार नकदी लेकर जा रहे थे। इसी दौरान हेलमेट पहने दो अपराधियों ने उन्हें रोक लिया। हथियार दिखाकर धमकाते हुए अपराधियों ने उनके पास मौजूद करीब 6 लाख रुपये लूट लिए और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। सूचना मिलते ही जयनगर डीएसपी सदानंद कुमार और थानाध्यक्ष अमित कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी।

पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

दिनदहाड़े हुई इस लूट की घटना से स्थानीय लोगों और व्यवसायियों में दहशत का माहौल है। जयनगर नेपाल सीमा से सटा इलाका है। ऐसे में अक्सर अपराधी वारदात को अंजाम देकर सीमा पार नेपाल की ओर फरार हो जाते हैं। अब देखना होगा कि पुलिस इस मामले का खुलासा कर आरोपियों को कब तक गिरफ्तार कर पाती है।

एटीएम कार्ड बदलकर ठगी के आरोप में युवक को धुना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सीवान। जिले के महाराजगंज थाना क्षेत्र में एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने के आरोप में एक युवक को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया। आक्रोशित लोगों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने युवक को भीड़ से छुड़ाकर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया और बाद में पूछताछ के लिए थाने ले गई।

जानकारी के अनुसार, शहर स्थित आईडीबीआई बैंक के एटीएम पर एक व्यक्ति पैसे निकालने पहुंचे थे। इसी दौरान वहां पहुंचे तीन युवकों ने उन्हें बातचीत में उलझाया और कथित तौर पर उनका एटीएम कार्ड बदल दिया। कुछ देर बाद पीड़ित को शक हुआ। कार्ड जांचने पर उसे पता चला कि उसका कार्ड बदला जा चुका है।

इसके बाद पीड़ित ने आरोपियों का पीछा किया और आसपास मौजूद लोगों को इसकी जानकारी दी। पीछा किए जाने के दौरान एक युवक को लोगों ने पकड़ लिया, जबकि उसके दो साथी मौके से फरार हो गए।

युवक के पकड़े जाने की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए और भीड़ ने उसकी पिटाई कर दी। सूचना मिलते ही महाराजगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को भीड़ से छुड़ाकर अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने पहले उसका इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया, फिर पूछताछ के लिए थाने ले गई।

पुलिस पूछताछ में युवक ने कथित तौर पर खुद को ऐसे गिरोह से जुड़ा बताया है, जो बुजुर्गों और कम पढ़े-लिखे लोगों को निशाना बनाकर एटीएम कार्ड बदलने की वारदात को अंजाम देता है। हालांकि पुलिस ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। फरार दो आरोपियों की तलाश की जा रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि गिरोह में कितने सदस्य शामिल हैं और क्या वे पहले भी इस तरह की घटनाओं में शामिल रहे हैं।

कोर्ट ने गिरिराज सिंह को दी राहत

बेगूसराय। केंद्रीय मंत्री एवं बेगूसराय सांसद गिरिराज सिंह को चर्चित 'दो गज जमीन' बयान मामले में सोमवार को बड़ी राहत मिली।

एमपी-एमएलए कोर्ट के एसीजेएम प्रथम की अदालत ने उनकी अग्रिम जमानत को बरकरार रखा। वहीं, प्रत्येक सुनवाई में व्यक्तिगत उपस्थिति से स्थायी छूट देने संबंधी दंड प्रक्रिया संहिता की धारा-205 के तहत दायर आवेदन पर आदेश सुरक्षित रख लिया।

एक दिवसीय बेगूसराय दौरे के दौरान गिरिराज सिंह स्वयं अदालत में उपस्थित हुए। सुनवाई के बाद उन्होंने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान राजनीतिक दुर्भावना के तहत उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि उन पर ऐसी धाराएं लगाई गईं, मानो वे कोई आतंकवादी हों। साथ ही न्यायपालिका पर भरोसा जताते हुए अदालत के प्रति आभार व्यक्त किया।

नगरनौसा और थरथरी में बदलेगा डिग्री कालेजों का स्थल और नाम

जिला प्रशासन ने भेजा प्रस्ताव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नगरनौसा (नालन्दा)। नगरनौसा व थरथरी में डिग्री कालेज के लिए स्थल परिवर्तन और नाम संशोधन का प्रस्ताव जिलाधिकारी कुंदन कुमार ने उच्च शिक्षा विभाग को भेजा है। जिलाधिकारी ने 30 मई को इस संबंध में सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, बिहार सरकार को पत्र प्रेषित किया।

डीईओ ने डीएम को 26 मई को अवगत कराया था कि हरनौत के पूर्व मंत्री व विधायक हरिनारायण सिंह तथा सांसद कौशलेन्द्र कुमार के सुझाव के आधार पर दोनों प्रखंडों में राजकीय डिग्री कालेज के लिए नए भवन एवं स्थल का प्रस्ताव भेजा गया है। जिला प्रशासन ने संबंधित प्रतिवेदन विभाग को अग्रेतर कार्रवाई एवं अंतिम स्वीकृति के लिए भेज दिया है। नगरनौसा में इसके लिए स्थानीय लोग और विद्यार्थी आंदोलनरत थे, क्योंकि डिग्री कालेज मगध विद्यापीठ, उच्च विद्यालय लोदीपुर में संचालित हो रहा है। यह प्रखण्ड मुख्यालय से लगभग एक किलोमीटर दूर है। अब नगरनौसा में प्रखंड मुख्यालय स्थित बालिका उच्च विद्यालय में डिग्री कालेज संचालन करने का प्रस्ताव भेजा गया है। यहां के शिक्षकों ने सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। यही स्थिति थरथरी में है। वहां त्रिभुवन बिगहा पमारा इंटर स्तरीय उच्च विद्यालय में डिग्री कालेज चलाने का निर्णय हुआ था, जो प्रखंड मुख्यालय से लगभग 12 किलोमीटर पर है। यह विद्यालय पीएम श्री श्रेणी में है। इस श्रेणी के विद्यालय में डिग्री कालेज संचालित करना नियम विरुद्ध भी है। जहां मात्र तीन कमरे ही कालेज के लिए उपलब्ध कराए गए थे। अब थरथरी में मध्य विद्यालय भतहर में डिग्री कालेज संचालन का प्रस्ताव दिया गया है। यहां दस कमरे उपलब्ध हैं। खेल मैदान, चहारदीवारी भी है। यह विद्यालय हिलसा-नूरसराय सड़क के किनारे और प्रखंड मुख्यालय से तीन किलोमीटर पर है।

आरोग्य मंदिरों में लटक रहे ताले

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। ग्रामीण इलाकों में मुफ्त स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सरकार द्वारा संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की स्थिति राघोपुर प्रखंड में बदहाल नजर आ रही है।

प्रखंड के कई आरोग्य मंदिरों में डॉक्टर और स्वास्थ्यो कर्मियों की लापरवाही के कारण मरीजों को बिना इलाज लौटना पड़ रहा है। अधिकांश केंद्रों पर स्वास्थ्य कर्मी समय से नहीं पहुंचते, जबकि कई जगहों पर हमेशा ताला लटका रहता है।

विभिन्न पंचायतों में संचालित आरोग्य मंदिरों में ग्रामीण महिला, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग इलाज के लिए पहुंचते हैं, लेकिन स्वास्थ्य कर्मियों और डाक्टरों की अनुपस्थिति के कारण उन्हें निराश होकर घर लौटना पड़ता है। मजबूरी में लोगों को स्थानीय चिकित्सकों से इलाज कराना पड़ रहा है और बाजार से दवा खरीदनी पड़ रही है।

बिना इलाज के ही लौट रहे मरीज

ग्रामीणों का आरोप है कि सरकार पंचायत स्तर पर मुफ्त स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिए आरोग्य मंदिर चला रही है, लेकिन विभागीय अधिकारियों और स्वास्थ्य कर्मियों की लापरवाही से लोगों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है।

लोगों ने सभी आरोग्य मंदिरों में डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मियों की समयबद्ध उपस्थिति सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर इलाज मिल सके।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी की मिलीभगत से सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) और एएनएम ड्यूटी पर नहीं आते हैं। ड्यूटी से अनुपस्थित रहने के बावजूद उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। इससे ग्रामीणों में लगातार नाराजगी बढ़ रही है।

सोमवार को आरोग्य मंदिर बहरामपुर में सुबह 9:45 बजे तक न तो सीएचओ पहुंचे थे और न ही एएनएम। इसके कारण मरीजों का इलाज शुरू नहीं हो सका। भीषण गर्मी में काफी देर तक इंतजार करने के बाद कई मरीज बिना इलाज कराए ही घर लौट गए।

स्थानीय लोगों ने बताया कि डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मी अक्सर ड्यूटी पर नहीं आते हैं, जिसके कारण मरीजों का इलाज नहीं हो पाता। पूर्व में भी कई बार विभागीय अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन स्वास्थ्य कर्मियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

अकबरपुर में डिग्री कालेज की कवायद शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। अकबरपुर प्रखंड के छात्र-छात्राओं के लिए बड़ी खुशखबरी है। बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी योजना उन्नत शिक्षा- उज्ज्वल भविष्य के तहत प्रत्येक प्रखंड में डिग्री कॉलेज स्थापित करने की घोषणा के अनुरूप अब अकबरपुर में भी सरकारी डिग्री कॉलेज का संचालन शुरू होने जा रहा है।

प्रारंभिक चरण में यह कॉलेज उच्च माध्यमिक विद्यालय पैजुना, अकबरपुर परिसर में संचालित होगा। मगध विश्वविद्यालय ने कॉलेज के संचालन की जिम्मेदारी शिक्षाविद् हरिनारायण चौधरी को प्राचार्य (प्रिंसिपल) के रूप में सौंपा है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2026-30 से नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ कर नियमित शिक्षण कार्य शुरू किया जाएगा।

अब तक अकबरपुर प्रखंड के इंटरमीडिएट उत्तीर्ण विद्यार्थियों को स्नातक की पढ़ाई के लिए हिसुआ, नवादा एवं वारिसलीगंज स्थित महाविद्यालयों में जाना पड़ता था। इससे विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को आर्थिक एवं समय संबंधी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

स्थानीय स्तर पर डिग्री कॉलेज की स्थापना से हजारों छात्र-छात्राओं को अपने क्षेत्र में ही उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। प्राचार्य हरिनारायण चौधरी ने बताया कि बिहार सरकार एवं मगध विश्वविद्यालय की यह पहल अकबरपुर क्षेत्र में उच्च शिक्षा के विकास का नया अध्याय साबित होगी।

उन्होंने कहा कि कॉलेज में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर शैक्षणिक वातावरण तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। निर्धारित समय के अनुसार शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

समर कैम्पों के सहारे बच्चों को दक्ष बनाने की पहल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

एकमा (सारण)। एकमा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में सोमवार से ग्रीष्मावकाश की शुरूआत हो गई। इसी के साथ सोमवार से ही एकमा प्रखंड के 63 सरकारी मध्य विद्यालयों में कैमाल समर कैंप का शुभारंभ किया गया। जिसकाउद्देश्य बच्चों की बुनियादी शैक्षणिक दक्षता को मजबूत करना तथा भाषा एवं गणित विषय में उनकी समझ को बेहतर बनाना है।

आमडाढ़ी पंचायत अंतर्गत मध्य विद्यालय गौसपुर में बनाए गए सह मॉडल कैमाल समर कैंप का उद्घाटन उत्क्रमित मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक मंजीत कुमार तिवारी, उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक मोहम्मद तौकीर अंसारी, आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका बेबी सिंह, उप मुखिया अंजीत कुमार ठाकुर व विद्यालय शिक्षा समिति के सदस्यों द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर व दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

उमवि के प्रधानाध्यापक मंजीत कुमार तिवारी ने बताया कि यह समर कैंप बच्चों के लिए सीखने के साथ-साथ मनोरंजन एवं रचनात्मक गतिविधियों का भी मंच बनेगा। वही उमवि गौसपुर के एचएम मोहम्मद तौकीर अंसारी ने कहा कि समर कैंप के दौरान बच्चों को भाषा एवं गणित में दक्ष बनाने की जिम्मेदारी कक्षा 12वीं के छात्रों को वॉलिंटियर के रूप में चयनित कर दी गई है।

इस अवसर पर शिक्षक दिग्विजय कुमार गुप्ता, अंजू

कुमारी, योगेश कुमार सिंह, कमल कुमार सिंह, छविनाथ मांझी, राज मोहम्मद अंसारी, स्वयंसेवक प्रियांशु पांडेय, मौसमी कुमारी व विशाल कुमार सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं के अभिभावक मौजूद रहे। एकसार पंचायत के टोला डोमन राय स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय में बनाए गए मॉडल कैमाल समर कैंप का भी सोमवार की सुबह शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुखिया जयराम साह, बीडीसी राजाराम साह, कार्यक्रम की नोडल पदाधिकारी अंजना मिश्रा, रंजन कुमार चौरसिया, प्रधानाध्यापक कुमार रश्मि रंजन व विद्यालय शिक्षा समिति के सदस्यों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर व दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

इस मौके पर शिक्षक उमेश सिंह, अनीता देवी, उमेश कुमार, प्रगति पांडेय, संजय भारती, उपेंद्र कुमार सिंह, बीआरसी के आईटी कोऑर्डिनेटर मनीष कुमार सिंह, शिक्षक अनिल कुमार राय, प्रभात कुमार, पूजा यादव, शिवांगी सिंह, स्वयंसेवक प्रियांशु कुमार, अंजन कुमार साह सहित विद्यालय शिक्षा समिति के सदस्य एवं अभिभावक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान सह नोडल पदाधिकारी अंजना मिश्रा ने बताया कि समर कैंप का संचालन 1 जून से 30 जून तक किया जाएगा। नोडल शिक्षक रंजन कुमार चौरसिया ने बताया कि समग्र शिक्षा अभियान के सहयोग से संचालित इस विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य कक्षा 5 एवं 6 के उन बच्चों को शैक्षणिक रूप से सशक्त बनाना है, जिन्हें सरल कहानी पढ़ने, समझने अथवा बुनियादी गणितीय सवालों को हल करने में कठिनाई होती है। उन्होंने कहा कि कैंप के माध्यम से बच्चों की सीखने की क्षमता को बेहतर बनाने के लिए विशेष गतिविधियां संचालित की जाएंगी।

श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी सह प्रभारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि शिक्षा विभाग के निदेशानुसार समर कैंप के माध्यम से बच्चों की बुनियादी शैक्षणिक क्षमता में सुधार लाने का प्रयास किया जाएगा। गतिविधि आधारित शिक्षण पद्धति के जरिए बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि विकसित करने तथा उन्हें आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि उत्क्रमित मध्य विद्यालय गौसपुर, आमडाढ़ी, टोला डोमन राय, हंसराजपुर, हुस्सेपुर, रीठ, भरहोपुर, लगुनी, परसागढ़ हिन्दी, टेसुआर, अतरसन, मठपुरा, भुईली, छित्रवलिया आदि मध्य विद्यालयों में समर कैंप आयोजन को लेकर बच्चों व अभिभावकों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

अगलगी में दो परिवारों की संपत्ति जलकर राख

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर प्रखंड। क्षेत्र के दहिया रना पंचायत अंतर्गत ग्राम सहरू वार्ड संख्या-04 में सोमवार की देर रात भीषण अगलगी की घटना से अफरा-तफरी मच गई। रात करीब तीन बजे अचानक लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे दो परिवारों के घर जलकर पूरी तरह राख हो गए। इस हादसे में लाखों रुपये मूल्य की संपत्ति के नुकसान की बात सामने आ रही है। घटना के बाद पीड़ित परिवारों के सामने रहने और खाने तक का संकट उत्पन्न हो गया है मिली जानकारी के अनुसार गांव निवासी विजय कुमार मंडल एवं उनकी पत्नी रीता देवी के घर में अचानक आग लग गई। आग की तेज लपटों ने कुछ ही देर में बगल में स्थित उनके भाई रामपुनीत मंडल एवं उनकी पत्नी उम्दा देवी के घर को भी अपनी चपेट में ले लिया। देर रात अधिकांश लोग गहरी नींद में थे, इसलिए शुरूआत में किसी को घटना की जानकारी नहीं हो सकी। जब तक परिवार के सदस्य और आसपास के लोग कुछ समझ पाते, तब तक आग ने दोनों घरों में रखे सामान को अपनी गिरफ्त में ले लिया। जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बाल्टी, मोटर तथा अन्य संसाधनों की मदद से आग बुझाने में जुट गए। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक दोनों परिवारों की गृहस्थी पूरी तरह जल चुकी थी पीड़ित परिवारों ने बताया कि अगलगी में घर में रखा अनाज, कपड़े, फर्नीचर, बर्तन, जरूरी कागजात, नकद राशि एवं अन्य घरेलू सामान जलकर राख हो गया। लोगों का कहना है कि वर्षों की मेहनत और जमा पूंजी पल भर में समाप्त हो गई। घटना के कारणों का अब तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, हालांकि स्थानीय लोग शॉर्ट सर्किट या चूल्हे से निकली चिंगारी को संभावित कारण मान रहे हैं। घटना की सूचना जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों को दे दी गई है।

मांग में अचानक वृद्धि के बावजूद बिहार में ईंधन आपूर्ति सामान्य

घबराकर खरीदारी नहीं करने की अपील

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि बिहार सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों में ईंधन की मांग में अचानक और तेज वृद्धि के बावजूद पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह निर्बाध बनी हुई है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां उपभोक्ताओं तक ईंधन की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगातार समन्वित रूप से कार्य कर रही हैं। मंत्रालय द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड अपने व्यापक राष्ट्रीय नेटवर्क के माध्यम से पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति बनाए हुए हैं। टर्मिनल, डिपो, पाइपलाइन, एलपीजी बॉटलिंग प्लांट और खुदरा बिक्री केंद्रों के जरिए ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि आपूर्ति दल, परिवहन नेटवर्क, टर्मिनल संचालन इकाइयां तथा चुनिंदा खुदरा बिक्री केंद्र चौबीसों घंटे कार्यरत हैं, ताकि बाजारों में उत्पादों की सुचारू आवाजाही और समय पर आपूर्ति बनी रहे। तेल विपणन कंपनियां राज्य प्रशासन के साथ भी लगातार समन्वय बनाए हुए हैं। मंत्रालय ने उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया है कि देश भर में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है तथा आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। तेल कंपनियां लगातार भंडारण की स्थिति की समीक्षा कर रही हैं और बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए वितरण एवं परिवहन योजनाओं पर विशेष ध्यान दे रही हैं। विज्ञप्ति में सभी उपभोक्ताओं से सामान्य रूप से ईंधन खरीदारी जारी रखने तथा अनावश्यक रूप से घबराकर अधिक मात्रा में खरीदारी करने से बचने की अपील की गई है। साथ ही ईंधन की उपलब्धता संबंधी जानकारी के लिए केवल अधिकृत एजेंसियों और तेल विपणन कंपनियों द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने का आग्रह किया गया है

कूड़े-कचरे से बनेगी कलाकृति

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कला एवं संस्कृति विभाग के अंतर्गत बिहार ललित कला अकादमी के सौजन्य से बच्चों एवं किशोरों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'आठ दिवसीय ग्रीष्मकालीन चाक्षुष कला कार्यशाला 2026' का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला 3 से 10 जून तक बिहार ललित कला अकादमी के बहुद्देशीय संस्कृतिक परिसर में आयोजित होगी। कार्यशाला रोज सुबह 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक संचालित की जाएगी। इसमें 08 से 16 वर्ष आयु वर्ग के प्रतिभागी भाग ले सकेंगे। कार्यशाला के अंतर्गत पेपर मेशी, वेस्ट मेटेरियल क्राफ्ट एवं टेराकोटा जैसी कला विधाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रत्येक प्रतिभागी केवल एक ही कला विधा के लिए आवेदन कर सकेगा। चयन प्रक्रिया पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर की जाएगी।

आईआईटी-जेईई (एडवांस्ड) में सफल विद्यार्थियों को विधानसभा अध्यक्ष ने दी बधाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में प्रवेश के लिए आयोजित प्रतिष्ठित आईआईटी-जेईई (एडवांस्ड) परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले सभी प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने विशेष रूप से गया निवासी शुभम कुमार को ऑल इंडिया रैंक-1 प्राप्त कर परीक्षा में शीर्ष स्थान हासिल करने पर बधाई दी। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि यह उपलब्धि शुभम कुमार की कठिन मेहनत, अनुशासन, लगन तथा उनके अभिभावकों और शिक्षकों के मार्गदर्शन का उत्कृष्ट परिणाम है। उन्होंने कहा कि आईआईटी-जेईई (एडवांस्ड) जैसी चुनौतीपूर्ण परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और समर्पण के बल पर न केवल अपने परिवार और शिक्षण संस्थान का गौरव बढ़ाया है, बल्कि बिहार और देश का भी मान बढ़ाया है। डॉ. प्रेम कुमार ने अपने संदेश में कहा कि देश की युवा प्रतिभाएं विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की क्षमता रखती हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये छात्र-छात्राएं भविष्य में अपने ज्ञान और कौशल से भारत को आत्मनिर्भर, विकसित और ज्ञान-आधारित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। विधानसभा अध्यक्ष ने सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें निरंतर आगे बढ़ने और देश के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

सुमन कल्याणपुर के निधन पर विधानसभा अध्यक्ष ने जताया शोक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने भारत की सुप्रसिद्ध पार्श्व गायिका सुमन कल्याणपुर के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि सुमन कल्याणपुर का निधन भारतीय संगीत जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। डॉ. प्रेम कुमार ने अपने शोक संदेश में कहा कि सुमन कल्याणपुर ने 1960 और 1970 के दशक में अपनी मधुर, सुरीली और भावपूर्ण आवाज के बल पर हिंदी सहित अनेक भारतीय भाषाओं में गायन कर करोड़ों श्रोताओं के दिलों में विशेष स्थान बनाया। उन्होंने हिंदी, मराठी, असमिया, गुजराती, कन्नड़, मैथिली, भोजपुरी, राजस्थानी, बंगाली, ओड़िया और पंजाबी समेत कई भाषाओं में अपनी गायकी का जादू बिखेरा।

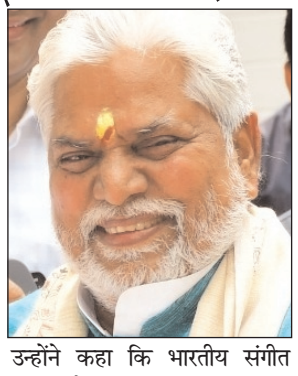

उन्होंने कहा कि भारतीय संगीत जगत में सुमन कल्याणपुर का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा और उनकी मधुर आवाज आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित करती रहेगी। विधानसभा अध्यक्ष ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों और उनके असंख्य प्रशंसकों को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति दें।

बिना ज्यादा खाद के बढ़ सकती है किसानों की आमदनी : मंत्री

मिट्टी की सेहत बचाने के लिए शुरू हुआ खेत बचाओ अभियान , 30 जून तक चलेगा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्य में रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग को बढ़ावा देने के लिए खेत बचाओ अभियान शुरू किया गया है, जो 30 जून तक चलेगा। सोमवार को मीठापुर स्थित कृषि भवन से राज्य के माननीय कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने पटना के सैकड़ों किसानों की मौजूदगी में इसका शुभारंभ किया। इस दौरान कृषि मंत्री सहित सभी किसानों ने संकल्प लिया कि वे अपने खेत का 25 फीसदी, यानी एक चौथाई भूमि पर प्राकृतिक खेती की शुरुआत करेंगे। इस मौके पर कृषि मंत्री ने कहा कि आज नए अध्याय का शुभारंभ हो रहा है। पटना की धरती से एक ऐसी क्रांति का शंखनाद हो रहा है जो हमारे खेतों की तस्वीर और किसानों की तकदीर दोनों को बदलेगा। इस अभियान के तहत रसायनों के जहर से धरती की कोख को बचाना है। प्राकृतिक खेती अपनाकर हमें अपने परिवार को स्वस्थ बनाना है। उन्होंने कहा कि गोबर, गोमूत्र और बीजामृत से जो फसल लहलहाती है, वही थाली में खुशबू और तन-मन में ऊर्जा लाती है। रसायन और उर्वरक खेत में पोषक तत्व घटाते हैं और बीमारियों को बढ़ाते हैं। मिट्टी जांच से यह बात सामने आ रही है कि रसायन और उर्वरकों के अंधाधुंध इस्तेमाल से भयावह स्थिति उत्पन्न हो रही है। मिट्टी में पोषक तत्वों का संतुलन बिगड़ रहा है। खेत बचाओ अभियान न सिर्फ मिट्टी बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी जरूरी है। कृषि मंत्री ने कहा कि इस अभियान का मंत्र है सही खाद और सही सलाह। हम मनमर्जी से उर्वरक डालना बंद करें। अपने खेत का मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनवाएं और जरूरत के अनुसार ही खाद का प्रयोग करें। इससे न सिर्फ खेती की लागत कम होगी, बल्कि किसानों की आय में भी तेजी से वृद्धि होगी। इस मौके पर कृषि विभाग के प्रधान सचिव नर्मदेश्वर लाल ने उदाहरण देते हुए कहा कि जंगल में न खाद डाला जाता है और न पानी, लेकिन प्राकृतिक रुप से पेड़-पौधे की पत्तों से खाद मिलता है और जंगल के पेड़ों में पोषक तत्वों की कोई कमी नहीं होती है। इसलिए जरूरत है कि प्राकृतिक तरीके से खेती हो और उर्वरकों का कम से कम इस्तेमाल किया जाए। इस मौके पर कृषि विभाग और इससे जुड़ें संस्थानों के कृषि वैज्ञानिकों और वरिष्ठ अधिकारियों ने प्राकृतिक खेती और इस अभियान को लेकर हुई तैयारियों को के बारे में विस्तार से बताया।

हर गांव-पंचायत तक चलेगा अभियान

इस राष्ट्रीय अभियान को बिहार के प्रत्येक गांव और पंचायत स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए कृषि विभाग ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। अभियान का मुख्य फोकस कम खाद, सही खाद और सही सलाह के सिद्धांत को हर खेत तक पहुंचाना है जिससे रासायनिक उर्वरकों के असंतुलित उपयोग को रोका जा सके और खेती की लागत में कमी आए। अभियान के दौरान राज्यभर में मिट्टी की जांच पर विशेष बल दिया जाएगा।

दिवाकर और वैष्णवी बांग्लादेश रवाना, दक्षिण एशियन आत्या-पात्या चैंपियनशिप में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। 02 जून से 04 जून तक बांग्लादेश के इस्बारी में आयोजित होने वाली 11वीं दक्षिण एशियन आत्या-पात्या चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए बिहार के खिलाड़ी दिवाकर कुमार और वैष्णवी कुमारी भारतीय दल के साथ रवाना हो गए हैं। दोनों खिलाड़ियों का चयन भारतीय टीम में होने से बिहार के खेल जगत में खुशी की लहर है। यह दूसरी बार है जब बिहार से किसी खिलाड़ी को आत्या-पात्या में भारतीय दल का हिस्सा बनने का गौरव प्राप्त हुआ है। संघ के मुख्य कोच तरुण कुमार आजाद ने बताया कि पुडुचेरी में आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर के सफल समापन के बाद भारतीय टीम बांग्लादेश के लिए रवाना हुई है। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद बिहार के खिलाड़ी लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। रवाना होने से पहले दिवाकर कुमार और वैष्णवी कुमारी ने कहा यह हमारे लिए बहुत गर्व की बात है कि हमें भारतीय टीम का हिस्सा बनने का अवसर मिला। राष्ट्रीय शिविर में भारत के हर कोने से आए खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षण लेने का अनुभव बेहद प्रेरणादायक रहा। हम आत्या-पात्या एसोसिएशन ऑफ बिहार के सभी पदाधिकारियों एवं प्रशिक्षकों का हृदय से धन्यवाद देते हैं, जिनके मार्गदर्शन और सहयोग से हमें यह अवसर प्राप्त हुआ है। दोनों खिलाड़ियों ने विश्वास जताया कि वे प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर बिहार और देश का नाम रोशन करेंगे। वहीं बिहार के खेल प्रेमियों और आत्या-पात्या परिवार ने भी दोनों खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल प्रदर्शन की कामना की है।

उद्योग मंत्री ने बिहटा स्थित आईसीडी एवं इंटीग्रेटेड इरैडिएशन सेंटर का किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। उद्योग सह खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने बिहटा स्थित इनलैंड कंटेनर डिपो एवं बिहटा औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड इरैडिएशन सेंटर का भ्रमण कर वहां संचालित गतिविधियों एवं उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान मंत्री ने आईसीडी बिहटा में कंटेनर हैंडलिंग, माल परिवहन एवं अन्य परिचालन गतिविधियों का अवलोकन किया तथा वहां कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों से संवाद कर कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त की। इसके उपरांत मंत्री ने बिहटा औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित इंटीग्रेटेड इरैडिएशन सेंटर का निरीक्षण किया। यहां पैक हाउस,

कोल्ड स्टोरेज एवं आधुनिक प्रसंस्करण सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो कृषि एवं खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने तथा उनकी भंडारण क्षमता बढ़ाने में सहायक हैं। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने सेंटर में संचालित विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया तथा वहां कार्यरत कर्मचारियों से संवाद कर इसकी कार्यप्रणाली और कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन में इसकी भूमिका के संबंध में जानकारी प्राप्त की। यह सेंटर कृषि उत्पादों के बेहतर संरक्षण, प्रसंस्करण एवं निर्यात को बढ़ावा देने के माध्यम से किसानों और कृषि-आधारित उद्यमों के लिए नए अवसर सृजित करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

रक्सौल और तिरुपति के मध्य नई एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर रक्सौल और तिरूपति के मध्य 01.06.2026 से एक नई साप्ताहिक ट्रेन 17434/17433 रक्सौल-तिरुपति-रक्सौल एक्सप्रेस का परिचालन प्रारंभ किया जा रहा है । यह नई ट्रेन रक्सौल से प्रत्येक गुरूवार को तथा तिरूपति से प्रत्येक सोमवार को परिचालित की जाएगी।

इस नई ट्रेन का परिचालन दरभंगा-समस्तीपुर-बरौनी-झाझा-धनबाद-रांची-राउरकेला-बिलासपुर-रायपुर-गोंदिया-सिकंदराबाद के रास्ते किया जाएगा । इस नई ट्रेन में द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी के 03, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी को 05, शयनयान श्रेणी के 10, सामान्य श्रेणी के 04 कोच एवं एसएलआरडी के 02 कोच सहित कुल 24 कोच होंगे ।

शिक्षा, कौशल विकास और सामाजिक सेवा में डॉ. आनंद रंजन झा को मिली राष्ट्रीय पहचान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जंदाहा/वैशाली। वैशाली जिला के जंदाहा क्षेत्र के निवासी एवं कैरियर मिशन कम्प्यूटर एकेडमी के निदेशक-सह-संचालक डॉ. आनंद रंजन झा आज शिक्षा, कौशल विकास और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में एक चर्चित नाम बन चुके हैं। युवाओं को डिजिटल शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और रोजगारोन्मुख मार्गदर्शन देने के उनके प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर सराहा जा रहा है। डॉ. झा को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए देश एवं विदेश की विभिन्न संस्थाओं द्वारा कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। इनमें प्रमुख रूप से –इंडियन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड सम्मान, भारत के प्रतीक सम्मान, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

बुद्धिमत्ता सम्मान, अंतरराष्ट्रीय शिक्षक उत्कृष्टता सम्मान, भारत रत्न आइकॉनिक अचीवर्स सम्मान, भारत गौरव सम्मान, भारत दूरदर्शी नेतृत्व सम्मान, लीजेंड्स पीस सम्मान, राष्ट्रीय गौरव एवं उत्कृष्टता सम्मान, राष्ट्रीय सेवा सम्मान, राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान, पद्मश्री ग्लोबल अचीवर्स सम्मान, अटल बिहारी वाजपेयी सेवा रत्न सम्मान एवं बिहारी हीरो सम्मान शामिल हैं। डॉ. आनंद रंजन झा को देश के कई प्रमुख राजनीतिक एवं सामाजिक नेताओं से मिलने और सम्मान प्राप्त करने का अवसर भी मिला है। इनमें बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री लखनेंद्र पासवान, मंत्री आलोक मेहता, श्रवण कुमार तथा स्वर्गीय केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान सहित कई गणमान्य हस्तियां शामिल हैं। इसके अलावा बॉलीवुड अभिनेत्री महिमा चौधरी, अभिनेत्री स्नेहा उल्लाल सहित मनोरंजन जगत की कई चर्चित हस्तियों द्वारा भी डॉ. झा को सम्मानित किया जा चुका है। बताया जाता है कि डॉ. झा को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मंच से भी लोगों को संबोधित करने का अवसर प्राप्त हुआ जहां उन्होंने सरकार की विभिन्न योजनाओं जैसे – कुशल युवा कार्यक्रम (के.वाई.पी), मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना एवं बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के प्रति युवाओं को जागरूक किया। शिक्षा और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रसिद्ध आईपीएस अधिकारी श्री विकास वैभव द्वारा भी उन्हें सम्मानित किया जा चुका है। डॉ. आनंद रंजन झा पिछले कई वर्षों से बिहार के युवाओं को डिजिटल शिक्षा एवं कौशल विकास से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में हजारों छात्र-छात्राओं को कंप्यूटर शिक्षा एवं प्रशिक्षण का लाभ मिला है। समाज के प्रति उनकी सक्रिय भूमिका और युवाओं के भविष्य निर्माण के लिए किए जा रहे प्रयासों की व्यापक सराहना हो रही है।

गांव-गांव निकली महिलाओं और किशोरियों की रैली

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)/ लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान की ओर से गांवों में विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस मनाया गया। 28 मई से शुरू हुए इस चार दिवसीय अभियान में स्वच्छता एवं माहवारी गरिमा से संबंधित कई गतिविधियां आयोजित की गई। मुख्य रूप से सैनिटरी अपशिष्ट के सुरक्षित पृथक्करण, निपटारा के साथ-साथ किशोरियों एवं महिलाओं के साथ संवाद, स्वच्छता एवं माहवारी गरिमा पर रैलियों का आयोजन हुआ। अभियान के संचालन में लोहिया सवच्छ बिहार अभियान से जुड़े कर्मी, स्वच्छता पर्यवेक्षक, जीविका समूह, पंचायत प्रतिनिधि, विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केन्द्र की सक्रिय सहभागिता रही। बता दे कि हर वर्ष 28 मई को विश्व माहवारी दिवस मनाया जाता है। इसमें महिलाओं और किशोरियों को माहवारी के दौरान स्वच्छता अपनाने और इससे जुड़े मिथकों, रूढ़ियों को दूर करने के साथ माहवारी से जुड़े विभिन्न मुद्दों एवं स्वच्छता गतिविधियों के प्रति जागरूक किया जाता है। राज्य

में चलाए गए चार दिवसीय अभियान में ओडीएफ प्लस, माहवारी हितैषी ग्राम पर उन्मुखीकरण कार्यक्रमों के साथ-साथ सैनेटरी अपशिष्ट पृथक्करण, निपटारा आदि को लेकर महिलाओं को जागरूक किया गया। ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अभियान के चौथे दिन माहवारी स्वच्छता को लेकर सामुदायिक जागरुकता रैली निकाली गई जिसमें जीविका दीदियों के साथ-साथ दूसरी महिला और किशोरियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। बिहार जैसे राज्य में अभियान चलाने का उद्देश्य एक प्राकृतिक प्रक्रिया को लेकर महिला और किशोरियों में जागरुकता लाना, इस विषय पर समाज में खुलकर बातचीत करने के लिए प्रेरित करना और स्वास्थ्य के साथ-साथ उनकी गरिमा को सुरक्षित रखना था। अभियान के संचालन में लोहिया सवच्छ बिहार अभियान से जुड़े कर्मी, स्वच्छता पर्यवेक्षक, जीविका समूह, पंचायत प्रतिनिधि, विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केन्द्र की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की गई है।

अब छुट्टियां होंगी और भी क्रिएटिव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना । बिहार संग्रहालय में गर्मी की छुट्टियों के दौरान बच्चों के लिए पहली बार मुफ्त समर कैंप आयोजित किया जा रहा है। छह दिनों तक चलने वाला यह कैंप 2 जून से 7 जून तक चलेगा। इसमें विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं कला एवं रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा को निखार सकेंगे। बिहार संग्रहालय के अपर निदेशक अशोक कुमार सिन्हा ने बताया कि समर कैंप को दो आयु वर्गों में विभाजित किया गया है। जूनियर ग्रुप में कक्षा 5वीं से 8वीं तक के छात्र-छात्राओं को शामिल किया गया है, जबकि सीनियर ग्रुप में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को अवसर दिया जा रहा है। यह कैंप पूरी तरह निःशुल्क है। प्रत्येक सत्र में कुल 50 प्रतिभागियों के लिए सीटें निर्धारित की गई हैं। कैंप के दौरान बच्चों को तीन प्रमुख विधाओं 'टेराकोटा कला, मास्क मेकिंग तथा हिंदी एवं अंग्रेजी कहानी लेखन' का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन विषयों की बारीकियां अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा सिखाई जाएंगी, जिससे प्रतिभागियों को अपनी रचनात्मक क्षमता विकसित करने का अवसर मिलेगा। इस पहल का उद्देश्य बच्चों को बिहार की समृद्ध कला, संस्कृति और लोक परंपराओं से जोड़ना तथा उनमें सृजनात्मक सोच को बढ़ावा देना है।

दानापुर मंडल के सेवानिवृत्त 22 रेलकर्मियों का किया गया समापक भुगतान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

दानापुर। सेवानिवृत्त हुए 22 रेलकर्मियों के लिए, दानापुर मंडल के सभागार में समापक भुगतान समारोह आयोजित किया गया। इसमें रेल सेवा से सेवानिवृत्त 22 रेलकर्मियों को मंडल रेल प्रबंधक, दानापुर, विनोद कुमार द्वारा अंगवस्त्र एवं समापक भुगतान दस्तावेजों को देकर सम्मानित करते हुए भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी अतुल कुमार द्वारा किया गया जिन्होंने आज के समापक भुगतान का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। मंडल रेल प्रबंधक, दानापुर ने अपने संबोधन में उपस्थित सेवानिवृत्त होने वाले रेलकर्मियों को उनके सुखद, स्वस्थ एवं समृद्ध भविष्य की कामना करते हुए कहा कि अपने समापक भुगतान की राशि को असुरक्षित जगहों पर निवेश ना करें एवं अपने स्वास्थ्य का विशेष रूप से ध्यान रखें। सेवानिवृत्त होने वाले रेलकर्मियों को एक्युप्रेशर,होमियोपैथ एवं आयुर्वेदिक डॉक्टरों द्वारा स्वस्थ तथा दीर्घायु जीवन जीने के तरीके को विस्तारपूर्वक बताया गया। इस मौके पर मंडल के सभी विभागों के अधिकारीगण एवं यूनियन तथा एसोसिएशन के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहें।

विश्व पर्यावरण दिवस पर दानापुर मंडल ने चलाया वर्षा जल संचयन एवं ऊर्जा संरक्षण जागरूकता

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

दानापुर। मंडल में 15 मई से शुरू होकर 05 जून 2026 तक चलने वाले विश्व पर्यावरण दिवस-2026 अभियान के अंतर्गत 31.05.2026 एवं 01.06.2026 को मंडल के विभिन्न स्टेशनों एवं यूनिटों में विशेष अभियान चलाकर यात्रियों एवं रेल कर्मचारियों को जल संरक्षण एवं ऊर्जा संरक्षण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के अंतर्गत ही ऊर्जा एवं जल संरक्षण को बढ़ावा देना रहा। जल ही जीवन के महत्व को देखते हुए मंडल द्वारा जल संरक्षण से संबंधित विभिन्न जागरूकता अभियान एवं निरीक्षण गतिविधियों का आयोजन किया गया। वर्षा के जल के संचयन को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया तथा जल संसाधनों के संरक्षण के महत्व पर लोगों को जागरूक किया गया। साथ ही मंडल के विभिन्न प्रतिष्ठानों में स्थापित जल पुनर्चक्रण प्रणालियों का निरीक्षण किया गया ताकि उनके प्रभावी एवं सुचारु संचालन को सुनिश्चित किया जा सके। इसके अतिरिक्त जल स्रोतों की सफाई एवं पुनर्जीवन हेतु विशेष अभियान संचालित किया गया।

ईंधन संरक्षण हर नागरिक का है कर्तव्य : संजीव चौरसिया

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा ईंधन की खपत कम करने और ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने की अपील के सम्मान में पटना में ईंधन बचाओ जन-जागरण यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा सामाजिक संस्था मृदुराज फाउंडेशन के 11वें स्थापना दिवस के अवसर पर राजधानी पटना में संस्था के संस्थापक एवं भाजपा नेता राजीव रंजन के आहवान पर आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्था से जुड़े सैकड़ों सदस्यों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने साइकिल यात्रा में भाग लेकर लोगों को ईंधन संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित दीघा विधायक एवं सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक डॉ. संजीव चौरसिया ने कहा कि ईंधन संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। वहीं बिहार शिया वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष इरशाद अली आजाद ने कहा कि ऊर्जा बचत और पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने की जरूरत है। उन्होंने मृदुराज फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियान की सराहना की और इसे समाजहित में महत्वपूर्ण पहल बताया। मृदुराज फाउंडेशन के संस्थापक राजीव रंजन ने कहा कि संस्था का उद्देश्य केवल सामाजिक कार्य करना नहीं, बल्कि लोगों को उन मुद्दों के प्रति जागरूक करना भी है, जिनका सीधा संबंध देश और समाज के भविष्य से है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में ईंधन की बचत को अपनाए, तो इसका सकारात्मक प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था और पर्यावरण दोनों पर पड़ेगा। साइकिल जुलूस की शुरुआत पटना जंक्शन स्थित महावीर मंदिर परिसर से हुई, जो जीपीओ गोलंबर होते हुए डाकबंगला चौराहा तक पहुंचा। यात्रा के दौरान प्रतिभागियों ने लोगों से निजी वाहनों का अनावश्यक उपयोग कम करने, छोटी दूरी के लिए साइकिल अथवा पैदल चलने तथा पेट्रोल-डीजल की खपत को कम करने की अपील की। आयोजकों ने कहा कि बढ़ती ईंधन खपत न केवल आर्थिक बोझ बढ़ा रही है, बल्कि पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है। ऐसे में जनभागीदारी के माध्यम से जागरूकता फैलाना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम में संस्था के समन्वयक एवं संयोजक मो. शकील सहित अरुण तिवारी, पप्पू कुमार, शशि भूषण कुमार, मो. गुड्डू, अविनाश राजा, सरस्वती कुमारी, पिंटू कुमार, मनीष कुमार, अमर चौरसिया, दिलीप साव, श्रवण कुमार, मो. जावेद मल्लिक, रीना कुमारी, चंदन गुप्ता, शैलेश ठाकुर, आफताब मल्लिक, मो. महताब, मो. पिंकू आलम, मो. जनी, मुमताज अली, असलाम खान समेत बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा आश्रित हितलाभ का भुगतान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कर्मचारी राज्य बीमा निगम बिहार क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक, सीए. निरंजन कुमार द्वारा सादे समारोह में बिहार को-ऑपरेटिव वेवर्स के अंतर्गत गट्ठघ में पंजीकृत बीमित व्यक्ति स्व. रुमेश प्रसाद सिंह जो मोकामा में सिक्योरिटी गार्ड के पद पर कार्यरत थे उनकी आश्रिता पत्नी-श्रीमती देवी, को कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के अंतर्गत आश्रित हितलाभ प्रदान किया गया और संवेदना व्यक्त की गयी। स्व. रुमेश प्रसाद सिंह की मृत्यु 18-07-2019 को कार्य के दौरान रोजगार चोट के कारण हुई थी। वे परिवार में अकेले कमाने वाले थे व परिवार पूर्णतः आर्थिक रूप से उन पर निर्भर था। नियोजक द्वारा दुर्घटना रिपोर्ट भेजे जाने के पश्चात इसकी जांच की गयी तथा ई0एस0आई0सी0 द्वारा आश्रितों के लिए मासिक पेंशन स्वीकृत किया गया । पेंशन के रूप में 415.8 रु. प्रतिदिन की दर से प्रतिमाह रु.12474/- आश्रितों को मिलेगा । दुर्घटना की तिथि से आज तक लगभग रु. 10,10,394-/ रुपये का बकाया भुगतान भी उनके खाते में अंतरित किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि कार्य के दौरान व कार्यस्थल और निवासस्थान के मध्य आवागमन के कारण होने वाली दुर्घटना को कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 के तहत रोजगार चोट के रूप में स्वीकृत करने का प्रावधान है जिसके अंतर्गत बीमित कर्मचारी की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु हो जाने पर उनके आश्रित परिवारजनों को ई0 एस0 आई0 योजना के तहत वेतन का 90% तक मासिक आश्रित पेंशन दिया जाता है ।

संपादकीय

मशीनों के भरोसे जीवन, लेकिन भरोसे की सुरक्षा कौन करेगा?

भीषण गर्मी में बढ़ता एसी का उपयोग जहां राहत देता है, वहीं तकनीकी खामी और लापरवाही इसे गंभीर खतरे में भी बदल सकती है। इसमें दोराय नहीं कि प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विकास ने मानव जीवन की राह को आसान बना दिया है। मगर तकनीक तभी सुविधाजनक होती है, जब उसे कौशल, संवेदनशीलता और सतर्कता के दायरे में रखा जाए। जरा-सी लापरवाही पर यह सुविधा कब जोखिम में बदल जाए, इसका आभास भी नहीं हो पाता है। बीते बुधवार की रात को दिल्ली के हौजखास इलाके में ऐसी ही एक घटना सामने आई, जिसमें एयर कंडीशनर यानी एसी में विस्फोट से लगी आग की वजह से सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी धनेंद्र कुमार की जान चली गई।वह भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के प्रथम अध्यक्ष थे। एसी में विस्फोट किन कारणों से हुआ, यह तो जांच के बाद ही पता चल पाएगा, लेकिन सवाल है कि जिन उपकरणों को घरों में सुविधा के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है, उनमें तकनीकी खराबी से पैदा होने वाले खतरे से सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है? क्या ऐसी घटनाओं में जवाबदेही तय किए जाने की जरूरत नहीं है?गौरतलब है कि हर साल गर्मी में एयर कंडीशनर की वजह से हादसों का सिलसिला शुरू हो जाता है। पिछले एक माह में देश भर में एसी में विस्फोट या आग लगने से मौत की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। निस्संदेह इस तरह के उपकरणों का इस्तेमाल करते समय लोगों को भी सावधानी बरतनी चाहिए। खासकर एसी के मामले में ज्यादा सतर्कता की जरूरत होती है, क्योंकि इससे और भी कई तरह के जोखिम होते हैं।मसलन, बहुत ठंडे कमरे से अचानक तेज गर्मी में जाने से शरीर का तापमान बदल जाता है, जिससे मस्तिष्काघात का खतरा बढ़ जाता है। एयर कंडीशनर कमरे की नमी को सोख लेता है, जिससे सांस और त्वचा संबंधी विकार पैदा हो सकते हैं। यही नहीं, इस उपकरण से गैस का रिसाव होने पर बंद कमरे में दम घुटने जैसी जानलेवा स्थिति पैदा हो सकती है। यानी किसी भी तकनीकी संसाधन के उपयोग के साथ ही उनके संचालन के लिए एक मुकम्मल प्रशिक्षण भी बेहद जरूरी है।जरूरत इस बात की भी है कि ऐसे उपकरणों में तकनीकी खराबी की वजह से कोई हादसा न हो, इसके लिए सरकार की ओर से स्पष्ट नीति एवं नियम बनाए जाएं, ताकि इनके निर्माण के दौरान सुरक्षा मानकों से समझौता करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके।

रीलसमय सब जग जानी

(उमेश चतुर्वेदी)

पत्रकारिता के जब भी नए माध्यम सामने आए, पुराने माध्यम के खात्मे की आशंका जताई जाती रही। हालांकि नए माध्यम के किंचित गुणों के साथ प्रतियोगिता और साम्यता बरतते हुए पुराने माध्यम ने जहां खुद को ज्यादा प्रतियोगी बनाया। हर नए माध्यम के अवतार और विकास के मूल में नई तकनीक रही है।

सियाराम मय सब जग जानी...तुलसी के लिए समूचा विश्व ही श्रीराम और सीता की तरह रहा। आज की पत्रकारिता पर जिधर भी नजर फिराएं, कुछ उसी तरह टीवी मय ही लगती है। लगता नहीं कि मीडिया की की दुनिया में अखबार भी हैं, पत्रिकाएं भी हैं, रेडियो भी है और सबसे अहम इंटरनेट भी है। दो सौ साल की हिंदी पत्रकारिता का इतिहास गरिमा के सोपानों से भरा हुआ है। नवजागरण को बढ़ावा देने, राष्ट्र निर्माण और सार्वजनिक जीवन मूल्यों की स्थापना में हिंदी पत्रकारिता ने महती भूमिका निभाई है। स्वाधीनता आंदोलन की कोख से उपजी हिंदी पत्रकारिता ने स्वाधीनता की लड़ाई भी लड़ी, हिंदी भाषा और साहित्य के उत्थान का माध्यम भी बनी, लेकिन दो सौ साल की यात्रा के उपरांत बाद के वर्षों के उसके इतिहास को देखते हैं तो वह सिर्फ टीवीमय नजर आती है, टीवी से भी आगे बढ़कर वह रीलमय नजर आती है। छापे से शुरू हिंदी पत्रकारिता का यह रूप छापे और रेडियो की उपस्थिति के बावजूद आज वह रील्स के इर्द-गिर्द घूमती नजर आ रही है। टेलीविजन तक तो स्थिति ठीक थी, लेकिन उसके बाद की जब तकनीक के सहारे टीवी की दुनिया में चुपके से रील्स ने दखल देनी शुरू की तो स्थितियां बदलने लगीं। हर नई तकनीक की अपनी कुछ खासियत होती है और इसके साथ ही वह अपना चरित्र भी विकसित करती है। रील्स का जो चरित्र विकसित हुआ है, उसमें उथलापन ज्यादा है, गंभीरता कम है। इसे समझने के लिए छापा यानी प्रेस से मीडिया तक की यात्रा को गंभीरता से देखना और समझना होगा। रेडियो के आविष्कार और फिर टेलीविजन के विस्तार के पहले तक पत्रकारिता की बुनियाद में छापेखाने ही रहे। शुरूआती दौर में पत्रकारिता को प्रेस इसी वजह से कहा गया। जब तक उसकी पहचान के साथ प्रेस जुड़ा रहा, उसके प्रति विशिष्टताबोध बना रहा। टेलीविजन के विस्तार और बजरिए इंटरनेट माध्यमों की आवाजाही ने इस विशिष्टाबोध युक्त पहचान को मीडिया में रूपांतरित कर दिया है। इस यात्रा में मोटे तौर पर पत्रकारिता के दो रूप दिखते हैं। स्वाधीनता आंदोलन की कोख से जन्मे छापे की पत्रकारिता कोख में मिले संस्कारों को अब तक कमोबेश अपनाए रखा है। बाद में आए रेडियो और टीवी में तकनीक भले ही प्रधान रहा,लेकिन उनके मूल में भी छापे की ही पत्रकारिता रही। इसके बावजूद तकनीक प्रधान और अत्याधुनिक माध्यम टीवी छापे की बुनियादी मूल्यों से काफी दूर दिखता है।

उदंत मार्तंड के प्रकाशक और संपादक जुगल किशोर शुक्ल हों या बंगाल गजट निकालने वाले जेम्स ऑगस्टस हिक्की, उन्हें अखबार निकालने का गहरा युगबोध था। लेकिन उन्हें पता था कि वह जो कार्य करने जा रहे हैं, वह बेहद दुष्कर है। उनके सामने संसाधनों की ही चुनौतियां ही नहीं थी, पाठक जुटाना और अपने छापे की बात उन तक पहुंचाना भी आसान नहीं था। उन्हें आभास था कि उनकी खरी बातों को तत्कालीन विदेशी सत्ता स्वीकार नहीं करेगी। संसाधनों के अभाव और सरकारी सहयोग नहीं मिलने की वजह से ही उदंत मार्तंड असमय कालकवलित हो गया। उसे संसाधन या सरकारी सहयोग इसलिए नहीं मिले, क्योंकि उसका स्वर भारतोन्मुखी था, वह हिंदी समाज के हित के हेत निकल रहा था, उसे भारतीय मूल्यों की चिंता थी और भारतीय समाज के नवजागरण में वह भागीदार बनना चाहता था। यह कहानी उदंत मार्तंड तक ही सीमित नहीं रही। बाद के दिनों में भी हिंदी में तमाम समाचार पत्र निकले और बंद होते रहे। इस लिहाज से कह सकते हैं कि हिंदी पत्रकारिता का इतिहास नवजागरण का ही इतिहास नहीं है, अखबारों के निकलने और बंद बंद होने के सिलसिले का भी

इतिहास है। लेकिन इस सिलसिले में भी समानता दिखती है, पत्रों का मूल उद्देश्य भारतीय मूल्यों, स्वाधीन सोच के लिए जागरण पैदा करना और राष्ट्र हित पर खुद को तिरोहित करना ज्यादातर पत्रों के प्रकाशन के मूल में दिखता है। कह सकते हैं कि हिंदी पत्रकारिता के जीन यानी गुणसूत्र में तिरोहित होने का ही भाव रहा है। यही वजह है कि हिंदी पत्र खतरा उठाते हुए भारतीयता की बात करना और सार्वजनिक हित का सवाल उठाना अपना पुनीत कर्तव्य मानते रहे।

बेशक आज के समाचार पत्र भी सवालों के घेरे में हैं, लेकिन सवालों में आना सिर्फ अखबारी संस्थानों और उनके कर्ताधर्ताओं की सोच का ही मसला नहीं है, बल्कि उदारीकरण के बाद बढ़ी अर्थप्रधानता और पूंजी के खेल से उपजी मजबूरी भी है। फिर भी जब तुलनात्मक रूप से देखते हैं कि स्वाधीनता आंदोलन के साथ जिन मूल्यों को भारतीय समाज ने स्वीकार किया और आत्मसात किया है, उन्हें अब भी अखबारों ने ही आत्मसात कर रखा है। इनकी तुलना में टीवी की पत्रकारिता कहीं ज्यादा चंचल और चलायमान नजर आती है।

पत्रकारिता के जब भी नए माध्यम सामने आए, पुराने माध्यम के खात्मे की आशंका जताई जाती रही। हालांकि नए माध्यम के किंचित गुणों के साथ प्रतियोगिता और साम्यता बरतते हुए पुराने माध्यम ने जहां खुद को ज्यादा प्रतियोगी बनाया। हर नए माध्यम के अवतार और विकास के मूल में नई तकनीक रही है। तकनीक की एक विशेषता है, हर नई तकनीक हमेशा पुरानी के मुकाबले ज्यादा प्रभावी होती है। इस लिहाज से छापे के बाद आए रेडियो ने लोगों को ज्यादा लुभाया। लेकिन रेडियो के साथ प्रतियोगिता में छापे ने हार नहीं मानी और उसके बरक्स खुद को भी पहले तुलना में ज्यादा गतिमान बनाया, अपने कंटेंट और प्रस्तुति में विविधता और नवीनता की खोज की। इसके बाद अखबारों का प्रसार बढ़ा, रेडियो को तो वैसे ही अपनी नई तकनीक के चलते आगे बढ़ना ही था।

जब टेलीविजन ने मीडिया की दुनिया में अगले चरण के रूप में कदम रखा, दोनों पुराने माध्यमों के खात्मे की आशंका जताई जाने लगी। हालांकि कोई खत्म नहीं हुआ, रेडियो ने खुद के लिए नई तकनीक यानी फ्रीक्वेंसी मॉड्युला यानी एफएम की ईजाद कर ली और अपने लिए जीवन की नई राह खोज ली तो अखबारों ने अपने पन्ने टेलीविजन के पर्दे की तरह चमकादार और दृश्यवान बनाने लगे। अखबारों पर विजुअल का प्रभाव फोटो और चित्रों के विस्तार के रूप में दिखा। इसके असर से अखबार अब भी बचे हुए हैं, रेडियो भी जिंदा है और टेलीविजन भी विस्तृत हो चुका है। लेकिन जिसे हम टेलीविजन कहते हैं, जिसमें एक पर्दा होता है, उसे चुनौती रील्स और ऐसे ही शॉर्ट वीडियो माध्यमों से मिल रही है। टेलीविजन को पहले इंटरनेट से चुनौती मिली, लेकिन बाद के दिनों इंटरनेट ने खुद में मीडिया के हर फॉर्मेट को समाहित कर लिया। इसी बीच रील्स और टिकटैक जैसे शॉर्ट फॉर्मेट आ गए और टेलीविजन को भी चुनौती मिलने लगी।

मीडिया के शुरूआती दोनों माध्यम जहां मूल्यों और संघर्ष की कशमकश वाले दौर में पैदा हुए, पले और बढ़े, इसलिए उनके चरित्र पर मूल्यों और संघर्ष का असर दिखता है। लेकिन टेलीविजन का वैश्विक प्रसार आर्थिक उदारीकरण के दौर में हुआ है। इसलिए उसने उदारीकरण की विशेषताओं को भी आत्मसात कर लिया है। उदारीकरण की पहली शर्त चमक-दमक और शोशेबाजी है। भारतीय परिदृश्य में जब टेलीविजन माध्यम विकसित हो रहा था, तब हिंदी के गंभीर पत्रकारों ने इससे दूरी बनाए रखी। उन्होंने तब इसे दोयम दर्जे का माध्यम माना और उसकी उपेक्षा की। उन्हें ऐसा लगा कि यह गंभीर पत्रकारिता का माध्यम नहीं हो सकता।

विज्ञान में निर्वात का सिद्धांत है। यानी कोई भी जगह निर्वात नहीं रह सकती, उसकी जगह भरने के लिए नई हवा आ ही जाती है। यह सिद्धांत हर जगह लागू होता है। टीवी की दुनिया से गंभीर लोगों ने दूरी बनाई तो उनकी जगह भरने के लिए वे सारे लोग आ गए, जिन्हें मुख्यधारा की पत्रकारिता स्वीकार नहीं कर रही थी। इसका असर यह हुआ कि उन्होंने गंभीरता की बजाय दृश्यों के लिए माकूल नाटकीयता को अपनाया, उन्होंने पत्रकारिता के बुनियादी मूल्यों की बजाय पारसी नौटंकी शैली की संवाद अदायगी और नाटकीयता पर जोर दिया। आज यह नाटकीयता ही भारतीय टेलीविजन की मुख्यधारा है। हालांकि जिन देशों में टीवी भारत की तुलना में कहीं ज्यादा विकसित हुआ, जहां उसका आविष्कार हुआ, वहां टेलीविजन की पत्रकारिता पर छापे की पत्रकारिता जैसी गंभीरता दिखती है, वहां के खबरिया टीवी के पर्दे नाटकीयता से युक्त नहीं हैं। भारतीय परिदृश्य में एक और तथ्य को भी याद रखा जाना चाहिए। टीवी में बड़ी पूंजी लगती है, इसलिए इस पूंजी की वापसी की गारंटी भी चाहिए होती है, नाटकीयता इस वापसी की गारंटी देती प्रतीत होती है। इसलिए यह नाटकीयता बढ़ी हुई है। इस विकास के मूल में आर्थिक उदारीकरण के साथ आए जीवन मूल्य भी हैं। आर्थिक फायदे के चलते इस माध्यम ने सनसनी को भी हथियार बना लिया है। चूंकि यह दृश्य प्रधान माध्यम है, इसलिए यहां गंभीरता और गुणों पर नहीं, खूबसूरत और प्रभावी दृश्यों पर जोर है। रील्स ने इसे और बढ़ावा ही दिया है।

इंसाफ में देरी न हो... हाईकोर्ट्स को सुप्रीम कोर्ट की नसीहत

(अभिषेक पाण्डेय)

सुप्रीम कोर्ट ने न्याय में देरी रोकने के लिए सभी हाईकोर्ट को निर्देश दिया है कि सुरक्षित रखे गए फैसले तीन महीने के भीतर सुनाए जाएं। जमानत याचिकाओं पर उसी दिन या अधिकतम अगले दिन फैसला देने को कहा गया है। साथ ही, सभी निर्णय 24 घंटे के भीतर वेबसाइट पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि न्याय प्रक्रिया तेज और पारदर्शी बन सके।अदालती फैसलों में होने वाली देरी को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट के ताजा निर्देश अहम हैं। इससे हाईकोर्ट में लंबित मुकदमों का बोझ कम होगा और न्याय तेजी से मिलेगा।

प्रक्रिया तेज होगी: चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुआई वाली बेंच ने सभी हाईकोर्ट को निर्देश दिया है कि आदेश सुरक्षित रखने के बाद तीन महीने के भीतर फैसला सुना दिया जाए। इसी तरह, जमानत अर्जियों पर उसी दिन आदेश सुनाया जाना चाहिए और अगर फैसला सुरक्षित रखा भी जाता है, तो वह अगले दिन सुना दिया जाए। सभी जजमेंट 24 घंटे के भीतर हाईकोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड करने का भी निर्देश दिया।

विशेष अवसर: सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए ये निर्देश दिए हैं। यह आर्टिकल पूर्ण न्याय के लिए सुप्रीम कोर्ट को व्यापक विवेकाधीन शक्ति देता है। यूं तो इसका इस्तेमाल विरले मौकों पर किया जाता है। लेकिन इस मामले में अनुच्छेद का उपयोग बताता है कि फैसलों में देरी किस तरह न्याय व्यवस्था को नुकसान पहुंचा रही है।

समय पर हों फैसले: भारतीय अदालतों पर सबसे बड़ा आरोप यही रहा है कि यहां मुकदमे बरसों-बरस चलते रहते हैं और कई बार फैसला इतनी देरी से आता है कि उसका प्रभाव महसूस नहीं होता। ऐसे में ताजा निर्देश व्यवस्था को समयबद्ध बनाने की कोशिश है।

पुरानी चिंता: पिछले साल मई में भी सुप्रीम कोर्ट ने हैरानी जताई थी कि झारखंड हाईकोर्ट ने 67 आपराधिक अपीलों में फैसला सुरक्षित रखा है। उस समय जो दो जजों की बेंच मामले को देख रही थी, उसमें जस्टिस सूर्यकांत भी थे। अदालत ने इस घटनाक्रम को चिंताजनक बताते हुए सभी हाईकोर्ट से लंबित फैसलों की जानकारी मांगी थी और कहा था कि वह कुछ अनिवार्य दिशा-निर्देश तैयार करेगी।

आजादी सबसे अहम: इसमें जमानत का मामला बेहद संवेदनशील है। सुप्रीम कोर्ट कई मौकों पर स्पष्ट कर चुका है कि संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत मिला गरिमापूर्ण जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार सबसे महत्वपूर्ण है। ऐसे में यह स्वीकार नहीं किया जा सकता कि अदालत से तो जमानत मिल जाए या सजा लंबित हो जाए, लेकिन बाकी औपचारिकताओं की वजह से देरी हो। सुप्रीम कोर्ट के ताजा निर्देशों से जल्द इंसाफ मिलने की उम्मीद बंधी है। अगर ऐसा हुआ तो इससे न्यायपालिका पर भरोसा बढ़ेगा। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

भारत ने श्रमिकों, किसानों, एमएसएमई के लिए खाड़ी देश में अवसरों के द्वार खोले

श्री पीयूष गोयल

1 जून से लागू हो रहा भारत-ओमान मुक्त व्यापार समझौता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस मिशन की एक निर्णायक उपलब्धि है, जिसका लक्ष्य नए बाजार खोलने और रोजगार सृजन को गति देने के जरिये भारत के छात्रों, कारीगरों, महिलाओं, किसानों, मछुआरों और एमएसएमई के लिए वैश्विक समृद्धि के मार्ग बनाना है।

भारत और ओमान के बीच गहरे आर्थिक संबंध हैं और लोगों के आपसी संबंध प्रगाढ़ हैं। ओमान में लगभग 7 लाख भारतीय रहते हैं, जिनमें वे व्यापारी परिवार भी शामिल हैं, जिनकी जड़ें 200-300 साल पुरानी हैं। ओमान से भारत को भेजी जाने वाली वार्षिक धनराशि लगभग 2 बिलियन डॉलर है, जबकि देश में 6,000 से अधिक भारतीय उद्यम कार्यरत हैं।

दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को महत्वपूर्ण रूप से सुदृढ़ करता है। यह तुरंत ही ओमान में 98त्न टैरिफ लाइनों के लिए 100 प्रतिशत शुल्क मुक्त बाजार पहुंच की सुविधा देता है, जिसमें 99.38 प्रतिशत निर्यात शामिल है।

यह सीईपीए से पहले की प्रणाली की तुलना में एक उल्लेखनीय सुधार को दर्शाता है। पहले की प्रणाली में केवल 15.3 प्रतिशत भारतीय निर्यात ओमान में शून्य शुल्क के साथ प्रवेश कर सकते थे। भारत की ऐसी वस्तुएं, जिन पर वर्तमान में ओमान में 5 प्रतिशत आयात शुल्क लगता है और जिनकी कीमत लगभग 3.64 बिलियन डॉलर के निर्यात के बराबर है, अब काफी अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएंगी।

भारत के एमएसएमई क्षेत्र के लिए, यह समझौता परिवर्तनकारी हो सकता है, क्योंकि सीईपीए से लाभान्वित होने वाले कई क्षेत्रों में छोटे व्यवसायों की प्रमुखता है। लोहा और इस्पात, वस्त्र, चमड़ा, वाहन कल-पुर्जे और औद्योगिक उपकरण जैसे कुछ क्षेत्रों में एमएसएमई को बड़े अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर मिलने की उम्मीद है, जिससे उत्पादन, निवेश और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

बढ़ती वैश्विक अस्थिरता के युग में, सीईपीए भारतीय निर्यातकों को, जो आर्थिक मंदी और बढ़ते व्यापार बाधाओं का सामना कर रहे हैं, अपने बाजारों को विविध बनाने और परंपरागत बाजारों पर निर्भरता कम करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

रोज़गार सृजन ङ्क यह व्यापार समझौता श्रम-गहन क्षेत्रों जैसे वस्त्र और परिधान, चमड़ा और जूते, खाद्य प्रसंस्करण, समुद्री उत्पाद, रत्न और आभूषण और कुछ इंजीनियरिंग क्षेत्रों को लाभ पहुँचाता है, जो भारत के प्रमुख रोजगार प्रदाता हैं।

ओमान को होने वाले वस्त्र निर्यात में वृद्धि से उत्पादन में बढ़ोतरी होगी और तिरुपुर, सूरत, लुधियाना, पानीपत, कोयंबटूर, करूर, भदोही, मुरादाबाद, जयपुर और अहमदाबाद जैसे प्रमुख क्लस्टर में रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। भारत भर के कारीगर और बुनकर भी अपने उत्पादों की उच्च अंतरराष्ट्रीय मांग से लाभान्वित होंगे।

भारत भर में, विशेष रूप से तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में, साथ ही महाराष्ट्र, पंजाब, कर्नाटक और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों समेत चमड़ा और जूता के प्रमुख केंद्रों में भी रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

रत्न और आभूषण क्षेत्र एक अन्य उदाहरण है, जो दिखाता है कि सीईपीए रोजगार वृद्धि को किस प्रकार तेज करेगा। भारत के पास पहले से ही कटे और पॉलिश किए हुए हीरे, सोने और चांदी के आभूषण तथा हस्तनिर्मित आभूषण उत्पादन में मजबूत क्षमताएं हैं। शुल्क बाधाओं के हटने से, भारतीय निर्यातकों को यूरोपीय और एशियाई प्रतिस्पर्धियों पर निर्णायक बढ़त मिलेगी। उद्योग जगत का अनुमान है कि अगले तीन वर्षों में ओमान को होने वाला निर्यात बढ़ कर 150 मिलियन डॉलर तक हो सकता है। इससे पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, राजस्थान और गुजरात के आभूषण निर्माण केन्द्रों में महत्वपूर्ण रोजगार संभावनाएं सृजित होने की उम्मीद है।

किसान और मछुआरे - घरेलू किसानों और संवेदनशील कृषि हितों की सुरक्षा के लिए, भारत ने गेहूं, चावल, मक्का, मोटे अनाज, डेयरी, फल, सब्जियां, खाद्य तेल, तिलहन, चाय, कॉफी और शहद जैसे प्रमुख उत्पादों पर कोई टैरीफ छूट नहीं दी है।

घी, शहद, मीठे बिस्कुट, अंडे और कुछ मिष्ठान्न उत्पादों में भारत को प्रतिद्वंद्वियों पर प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिलेगा, जिससे देश के कृषि उत्पादों की मांग बढ़ेगी और ग्रामीण आय में वृद्धि होगी।

यह समझौता भारत के राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) प्रमाणन की स्वीकृति और मान्यता भी प्रदान करता है, जो भारतीय किसानों को ओमान में, जो एक प्रमुख खाद्य आयातक है, जैविक उत्पाद बेचने के लिए विशाल अवसर देगा।

समुद्री उत्पादों में भी विशाल संभावनाएँ हैं, जिनका अब तक उपयोग नहीं हो पाया है। 2022 और 2024 के बीच ओमान का समुद्री उत्पादों का आयात लगभग 119 मिलियन डॉलर था। भारत से आयात केवल 7.75 मिलियन डॉलर था, जिससे भारतीय समुद्री खाद्य निर्यात जैसे झींगा और जमे हुए कटलफिश के लिए विशाल अवसर मौजूद हैं। श्रम-गहन समुद्री उत्पाद उद्योग मछली पकड़ने, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, शीत-श्रृंखला लॉजिस्टिक्स और निर्यात संचालन में अतिरिक्त नौकरियाँ उत्पन्न कर सकता है।

दवा और पारंपरिक चिकित्सा - यूएसएफडीए, ईएमए, यूके एमएचआरए और टीजीए जैसे नियामकों द्वारा अनुमोदित भारतीय दवाएं 90 दिनों के भीतर ओमान में स्वचालित विपणन प्राधिकार प्राप्त करेंगी – जो भारतीय फार्मा निर्यातकों के लिए एक बड़ी सफलता है।

यह भी महत्वपूर्ण है कि सीईपीए भारत की पारंपरिक चिकित्सा सेवाओं के लिए अवसर पैदा करता है। यह पारंपरिक चिकित्सा में संयुक्त अनुसंधान की व्यवस्था करता है।

सेवाएँ और आवागमन - समझौते का एक और महत्वपूर्ण पहलू सेवा और आवागमन में निहित है। ओमान ने भारत के लिए विशिष्ट निर्यात क्षेत्रों में व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण प्रतिबद्धताएँ व्यक्त की है, जिनमें पेशेवर सेवाएँ, कंप्यूटर और आईटी सेवाएँ, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, पर्यटन, अनुसंधान और विकास तथा पर्यावरण सेवाएँ शामिल हैं। लेखा, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, निर्माण, शिक्षा और परामर्श जैसे क्षेत्रों में भारतीय पेशेवरों को बेहतर बाज़ार पहुँच से लाभ मिलने की उम्मीद है।

महत्त्वपूर्ण रूप से, ओमान ने भारतीय पेशेवरों और श्रमिकों के लिए आवागमन प्रतिबद्धताओं में वृद्धि पर सहमति व्यक्त की है। अंतर-कॉर्पोरेट स्थानांतरित कर्मियों और संविदा सेवा प्रदाताओं को चार साल तक रहने की अनुमति दी जाएगी, जबकि व्यवसाय आगंतुकों और स्वतंत्र पेशेवरों को आसान अस्थायी प्रवेश की सुविधा मिलेगी। इसने अंतर-कॉर्पोरेट स्थानांतरित कर्मियों के लिए ऊपरी-सीमा को 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है।

विकसित देशों के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने की मोदी सरकार की पहल प्रत्येक भारतीय के जीवन को बेहतर बनाने के प्रधानमंत्री के मिशन का हिस्सा है।

ओमान के साथ समझौता याद दिलाता है कि व्यापार; विकास, रोजगार सृजन और साझा समृद्धि का एक शक्तिशाली उपकरण है। एक विभाजित और संरक्षणवादी दुनिया में, पीएम मोदी स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि एक नया, आत्मविश्वासी भारत पीछे नहीं हटेगा। यह साझेदारियों, प्रतिस्पर्धा और वैश्विक सहभागिता के माध्यम से आगे बढ़ेगा।

(लेखक केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री हैं।)

सड़क के अभाव में गर्भवती पैदल ढोते हैं स्थानीय लोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पीरटांड़। झारखंड बने 25 साल से ज्यादा हो चुके हैं, लेकिन गिरिडीह के पीरटांड़ प्रखंड में आज भी स्वास्थ्य व्यवस्था खाट के सहारे चल रही है। दालुवाडीह गांव में प्रसव पीड़ा से तड़प रही एक गर्भवती महिला को एंबुलेंस नहीं मिली, क्योंकि गांव तक सड़क ही नहीं है।मजबूर ग्रामीणों ने महिला को खाट पर लादकर करीब चार किलोमीटर पैदल चलकर मुख्य सड़क तक पहुंचाया, तब जाकर उसे अस्पताल भेजा जा सका। इस घटना ने एक बार फिर इलाके में सड़क और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं की बदहाल तस्वीर सामने ला दी है।

जानकारी के अनुसार, बुधवार को दालुवाडीह निवासी गर्भवती महिला सुनीता सोरेन को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हुई। परिजनों ने एंबुलेंस सेवा के लिए स्वास्थ्य विभाग से संपर्क किया, लेकिन गांव तक सड़क नहीं होने के कारण एंबुलेंस पहुंचने से मना कर दिया गया। इसके बाद ग्रामीणों और परिजनों ने महिला को खाट पर लिटाकर कठिन रास्तों से होते हुए पिपराडीह मुख्य सड़क तक पहुंचाया। वहां से वाहन की व्यवस्था कर उसे अस्पताल भेजा गया।

परिजनों ने बताया कि सड़क नहीं रहने के कारण महिला की हालत और गंभीर हो गई। यदि गांव तक सड़क होती तो एंबुलेंस सीधे पहुंच जाती और समय पर इलाज मिल पाता। ग्रामीणों का कहना है कि पिपराडीह तक सड़क बनी हुई है, लेकिन उसके आगे आज तक सड़क निर्माण नहीं हो पाया है, जिससे दर्जनों गांवों के लोग हर दिन परेशानियों का सामना कर रहे हैं।

ग्रामीणों के अनुसार, सड़क नहीं रहने से कुरुवारांड, दालुवाडीह, डाहिया, ईटाबेड़ा, गाड़ापरोम, सहेरबेड़ा, जिरबेड़ा, सतकटिया और बोरवाबेड़ा समेत कई गांव प्रभावित हैं। बारिश के दिनों में स्थिति और भयावह हो जाती है। बीमार, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को अस्पताल पहुंचाना बड़ी चुनौती बन जाता है।

घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। बुधन सोरेन, सुशील मुर्मू, सानो मरांडी, गोपाल मुर्मू, सोमरा मुर्मू, पतिराम मरांडी और बाबूलाल हांसदा समेत कई ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों और प्रशासन पर उपेक्षा का आरोप लगाया। ग्रामीणों ने कहा कि चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन चुनाव जीतने के बाद गांव की सुध लेने तक कोई नहीं आता।

ग्रामीणों ने बताया कि यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी कई बार मरीजों को खाट पर ढोकर अस्पताल पहुंचाना पड़ा है, लेकिन प्रशासन और जनप्रतिनिधियों का ध्यान आज तक इस ओर नहीं गया। इस घटना ने एक बार फिर क्षेत्र की बदहाल सड़क व्यवस्था और स्वास्थ्य सुविधाओं की पोल खोल दी है।

महिला ने बच्चों संग खाया जहर

रिम्स में इलाजरत बच्चों ने तोड़ा दम, जिंदगी और मौत से जूझ रही मां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड के गिरिडीह जिले के बगोदर थाना क्षेत्र के ततुतुको गांव की एक दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। पति की मौत के महज 17 दिन बाद एक महिला ने अपने दो मासूम बच्चों के साथ विषपान कर लिया। इस हृदयविदारक घटना में पहले बेटी और फिर बेटे की मौत हो गई, जबकि मां जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रही है।

जानकारी के अनुसार, महिला ने 27 मई को अपने 15 वर्षीय बेटी प्रियंका कुमारी और 10 वर्षीय बेटे प्रिंस कुमार के साथ विषपान कर लिया। जब इसकी भनक ग्रामीणों को लगी तो तीनों को तत्काल बगोदर ट्रामा सेंटर पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग स्थित शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया।

वहां इलाज के दौरान 28 मई को प्रियंका की मौत हो गई। इसके बाद गंभीर रूप से बीमार प्रिंस को रांची स्थित रिम्स भेजा गया, जहां शुक्रवार को उसने भी दम तोड़ दिया। पोस्टमार्टम के बाद शनिवार देर शाम उसका शव गांव पहुंचा तो पूरे माहौल में मातम छा गया।

ग्रामीणों के अनुसार, महिला के पति चंद्रदीप महतो टंडवा की एक आउटसोर्सिंग कोल कंपनी में कार्यरत थे। अचानक तबीयत बिगड़ने पर उनका इलाज चल रहा था, लेकिन 10 मई को उनकी मौत हो गई। पति के निधन के बाद महिला गहरे मानसिक आघात और तनाव में थी। बताया जाता है कि उसने डॉक्टरों को बताया था कि ग्लूकोज में सल्फास घोलकर पहले बच्चों को पिलाया और फिर स्वयं उसका सेवन कर लिया।

गांव में इस घटना को लेकर शोक और स्तब्धता का माहौल है। लोग यही सोचकर व्यथित हैं कि आखिर ऐसा कौन-सा दर्द था, जिसने एक मां को अपने बच्चों के साथ इतना बड़ा कदम उठाने पर मजबूर कर दिया। पति को खोने का दुख, भविष्य की चिंता और मानसिक तनाव की आशंका इस त्रासदी के पीछे मानी जा रही है। फिलहाल महिला का इलाज रिम्स में चल रहा है और उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है।

जहरीली घास खाने से दुधारू पशुओं की मौत

पशुपालकों पर छाया आजीविका का संकट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चतरा। प्रतापपुर थाना क्षेत्र के बिचकिला गांव में रविवार की संध्या जहरीली सूडान घास खाने से पांच भैंसों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य भैंस की हालत गंभीर बनी हुई है।इस घटना से पशुपालक महिला पुनिया देवी के परिवार पर आजीविका का गहरा संकट मंडराने लगा है। मृत पशुओं में दो दुधारू भैंस, एक काड़ा तथा दो काड़ी शामिल हैं।

पीड़िता ने इस हादसे में करीब ढाई लाख रुपये की क्षति होने की बात कही है। पुनिया देवी ने बताया कि उनके पति कैलास यादव बिहार के गया में एक होटल में मजदूरी करते हैं।परिवार के भरण-पोषण की जिम्मेदारी मुख्य रूप से उनके कंधों पर है। पशुपालन और दूध बिक्री ही आय का प्रमुख साधन था।

रविवार को प्रतिदिन की तरह भैंसें चरने निकली थीं। शाम करीब पांच बजे भुईयां टोली के समीप एक खेत में लगी सूडान घास खाने के बाद पशुओं की हालत अचानक बिगड़ गई और कुछ ही देर में पांचों भैंसों की मौत हो गई।

पशुपालन विशेषज्ञों के अनुसार सूडान घास सामान्यतः पौष्टिक चारा है, लेकिन प्रतिकूल परिस्थितियों में इसमें हाइड्रोसायनिक (प्रूसिक) एसिड और नाइट्रेट जैसे विषैले तत्व विकसित हो सकते हैं, जो पशुओं के लिए घातक साबित होते हैं।

घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीण दिनेश यादव, प्रमोद यादव, रामाशंकर प्रसाद, नारायण यादव, सुदामा यादव सहित अन्य लोगों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल मुआवजा और राहत सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।ग्रामीणों का कहना है कि पशुधन ही परिवार की आजीविका का आधार था, जिसकी क्षति ने उन्हें आर्थिक रूप से झकझोर दिया है।

लापता युवती का क्षत-विक्षत शव बरामद

चेहरे और शरीर पर मिले गहरे चोट के निशान ☐27 मई को दर्ज हुआ था गायब होने का मामला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। शहर के कोर्रा थाना क्षेत्र के सिंदूर पंचायत भवन के पीछे सिंदूर नदी के दश कर्म घाट के पास रविवार की रात एक अज्ञात युवती का क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ। शव की स्थिति बेहद भयावह होने और चेहरे पर गहरे चोट के निशान पाए गए हैं। प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है।

आशंका जताई जा रही है कि मृतका की पहचान छिपाने के उद्देश्य से उसके चेहरे को बुरी तरह क्षतिग्रस्त किया गया है। मृतका की पहचान कूद बस्ती निवासी 12 तमन्ना पिता मोहम्मद आमिर के तौर पर की गई। वहीं मृतका के स्वजनों का कहना है कि उनका ढाई वर्ष का बेटा रिजवान अब भी गायब है।

स्वजन गायब हुए बेटा को खोजने की बात कहते हुए शव के पोस्टमार्टम का विरोध कर रहे हैं। बता दें कि मोहम्मद आमिर ने विगत 27 मई कटकमदाग थाना में अपने दो बच्चों के गायब होने को लेकर मामला दर्ज कराया था।

जानकारी के अनुसार एक चरवाहे ने नदी में शव को देखा और इसकी सूचना स्थानीय लोगों को दी। इसके बाद पंचायत समिति सदस्य नीलम देवी के परिजनों के माध्यम से कोर्रा थाना पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

शव की स्थिति इतनी खराब थी कि मृतका की पहचान करना पुलिस के लिए मुश्किल साबित हो रहा था। लेकिन मृतका के पिता के द्वारा दर्ज कराए गए अपने दो बच्चों की गुमशुदगी की रिपोर्ट के आधार पर पहचान संभव हो पाई। वहीं शव पोस्टमार्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में ही है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने फोरेंसिक टीम, डॉग स्क्वायड और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट की सहायता ली है। घटनास्थल के आसपास से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं ताकि मामले की गुत्थी जल्द सुलझाई जा सके।

कांग्रेस ने भरी हुंकार, बनायी रणनीति

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोढ़ा। कटिहार-प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम के आगामी 4 जून को कोढ़ा आगमन को लेकर कांग्रेस कार्यकताओं ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में भटवारा स्थित कांग्रेस की पूर्व विधायक एवं पार्टी की राष्ट्रीय सचिव पूनम पासवान के आवासीय परिसर में प्रखंड स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन सृजन अभियान को गांव-गांव और बूथ स्तर तक पहुंचाने के साथ प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत एवं कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष अमरजीत यादव ने की। इस अवसर पर एसटी प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सचिव डॉ. विपिन कुमार सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष मीनाक्षी श्वेता तथा पूर्व जिला कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष सौरभ कुमार सहित कई वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में नेताओं ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा जनसंपर्क अभियान को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया। साथ ही 4 जून को प्रदेश अध्यक्ष के आगमन पर आयोजित कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करते हुए उसे भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए विभिन्न रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया। वक्ताओं ने कहा कि संगठन की मजबूती ही पार्टी की सफलता का आधार है। इसके लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को सक्रिय भूमिका निभाते हुए पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को आम जनता तक पहुंचाना होगा। बैठक के अंत में सभी कांग्रेसजनों ने एकजुट होकर संगठन को सशक्त बनाने तथा 4 जून के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पूरी ताकत के साथ जुटने का संकल्प लिया। बैठक में मुरारी दास,विवेक यादव,पप्पू सिंह,सुनील दास,लाल मोहम्मद, नजरुल हक, हेमन्त दास, गौरव गब्बर,प्रमोद सिंह, शकील अहमद, अनवारूल हक,अब्दुल रज्जाक, तफज्जुल हक,अब्दुल गनी सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

बैद्यनाथ तथा बासुकीनाथ मंदिर के लिए अलग पुलिस बटालियन के गठन का मंत्री से अनुरोध

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। सोमवार को देवघर में प्रस्तावित मंदिर साइन बोर्ड की बैठक से पूर्व मणिशंकर ने नगर विकास एवं पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू से मिलकर आगामी सावन भादो मेला को ध्यान में रखकर वर्तमान मंदिर की व्यवस्था में आमूल चूल परिवर्तन लाने की मांग की।

उन्होंने तिरुपति सहित अन्य धार्मिक स्थलों की तरह बैद्यनाथ तथा बासुकीनाथ मंदिर के लिए अलग पुलिस बटालियन का गठन करने का अनुरोध किया। जिसमें एनडीआरएफ द्वारा भीड़ नियंत्रण में प्रशिक्षित बल की भर्ती होनी चाहिए ।

साथ ही मंदिर के आसपास होल्डिंग प्वाइंट बनाकर एआई तकनीक से भीड़ नियंत्रण तथा मंदिर परिसर में पॉकेटमारी एवं अन्य अपराध पर रोक लगाने, चार से पांच घंटा लाइन में खड़े रहने वाले शिवभक्तों की सुविधा के लिए वीआइपी गेट के समीप शौचालय की व्यवस्था किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

साथ ही उन्होंने बाह्य अरघा का स्थान परिवर्तन करने का भी सुझाव दिया ताकि भीड़ पर नियंत्रण किया जा सके। इसके साथ ही बाह्य अरघा को बगुला मंदिर के धरना स्थल के समीप लगाए जाने का सुझाव दिया। उन्होंने पूर्व में इस्तेमाल महिला गेट से पाइप अंदर कर मुख्य अरधा में गंगाजल डाला जाने का भी सुझाव मंत्री के सामने रखा। अरघा के सामने स्क्रीन पर गर्भगृह से भोलेनाथ का लाइव दर्शन कराने का भी प्रस्ताव रखा।

कई दिनों से बिजली आपूर्ति ठप, लोग परेशान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोड्डा। हनवारा थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में पिछले पांच दिनों से बिजली आपूर्ति ठप रहने के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे अधिक दिक्कत मोबाइल फोन चार्ज करने को लेकर हो रही है।ऐसे में ग्रामीणों ने देशी जुगाड़ का अनोखा तरीका खोज निकाला है।क्षेत्र के कई गांवों में वर्षों से खराब पड़े सोलर जलमीनार, जो पेयजल आपूर्ति के लिए लगाए गए थे, अब मोबाइल चार्जिंग के काम आ रहे हैं। जलमीनार से जुड़े सोलर पैनल अभी भी बिजली उत्पादन कर रहे हैं, जबकि जलापूर्ति व्यवस्था बंद पड़ी है।

ग्रामीणों ने उसी सौर ऊर्जा का उपयोग मोबाइल फोन चार्ज करने के लिए शुरू कर दिया है। दिनभर जलमीनार के आसपास लोगों की भीड़ लगी रहती है। कोई अपना मोबाइल चार्ज कर रहा है तो कोई बारी का इंतजार करता नजर आता है।

ग्रामीणों का कहना है कि लगातार बिजली नहीं रहने से संचार व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मोबाइल डिस्चार्ज होने के कारण लोगों को जरूरी कॉल करने, ऑनलाइन कार्य करने तथा परिजनों से संपर्क बनाए रखने में कठिनाई हो रही है।

ग्रामीणों ने बताया कि खराब सोलर जलमीनार अब संकट की घड़ी में सहारा बन गया है। हालांकि उन्होंने जल्द से जल्द बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की है, ताकि सामान्य जनजीवन पटरी पर लौट सके।

ग्रामीणों का कहना है कि यह देशी जुगाड़ भले ही अस्थायी राहत दे रहा हो, लेकिन क्षेत्र में नियमित बिजली आपूर्ति ही समस्या का स्थायी समाधान है।

मां की खातिर वर्षों से दरिंदगी सहती रही मासूम

वेल्लोर में जीरो प्राथमिकी, दुर्गापुर में गिरफ्तारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका/दुर्गापुर। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर के न्यू टाउनशिप थाना की पुलिस ने अपनी ही 15 वर्षीय बेटी का पिछले तीन साल से यौन शोषण करने वाले 47 वर्षीय कलयुगी पिता को सोमवार की सुबह गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पिता को दुमका शहर के कड़हरबिल स्थित उसके किराए के मकान से दबोचा गया। दुमका पुलिस के सहयोग से गिरफ्तारी के बाद, बंगाल पुलिस उसे स्थानीय अदालत में पेश कर ट्रांजिट रिमांड पर अपने साथ ले गई।

आरोपी देश की सबसे बड़ी निजी टेलीकॉम कंपनी में 12 वर्ष से प्रबंधक (मैनेजर) के पद पर कार्यरत है और महज चार महीने पहले ही तबादला होने के बाद दुमका में काम संभाल रहा था।

दर्ज प्राथमिकी में पीड़िता की मां ने बताया कि उनकी 15 साल की बेटी पिछले कुछ समय से गंभीर मानसिक तनाव में रह रही थी। इसी डिप्रेशन के कारण उसने कुछ महीने पहले आत्महत्या का प्रयास भी किया था। इसके बाद बेटी को इलाज के लिए पहले दुर्गापुर के मिशन अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ।

हालत बिगड़ती देख, अप्रैल महीने में पति-पत्नी अपनी बेटी को बेहतर इलाज के लिए वेल्लोर लेकर गए। वेल्लोर में इलाज के दौरान जब डॉक्टरों ने किशोरी की काउंसलिंग की, तो उसने डॉक्टरों के सामने पिता की इस घिनौनी करतूत का खुलासा कर दिया।

बेटी की आपबीती सुनकर मां के होश उड़ गए। मां ने तुरंत वेल्लोर से ही पुलिस में 'जीरो प्राथमिकी' दर्ज कराई और बाद में दुमका लौटने पर 31 मई को दुर्गापुर के न्यू टाउनशिप थाना में पति के खिलाफ नामजद मामला दर्ज कराया। सोमवार को बंगाल पुलिस दुमका पहुंची और नगर थाना पुलिस के सहयोग से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

वेल्लोर में इलाज के दौरान पीड़िता की मानसिक और शारीरिक स्थिति देखकर डॉक्टरों को गहरा शक हुआ था। जब महिला डॉक्टरों ने बेहद प्यार से अकेले में पूछताछ की, तो किशोरी फूट-फूटकर रो पड़ी और अपनी आपबीती सुनाई।

उसने बताया कि उसका पिता पिछले तीन साल से लगातार उसका यौन शोषण कर रहा था। जब भी उसने इसका विरोध करने या मां को बताने का प्रयास किया, तो पिता उसे धमकी देता था कि वह उसकी मां को छोड़कर हमेशा के लिए चला जाएगा और उन्हें बेसहारा कर देगा।

अपनी मां का घर न उजड़े और पिता मां को न छोड़ें, इसी डर से वह मासूम चुपचाप इस भयानक दरिंदगी को सहती रही। इसी घुटन के कारण वह डिप्रेशन में चली गई थी।

विक्रमशिला सेतु पर बन रहे बेली ब्रिज का काम अंतिम चरण में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। गंगा पर आवागमन पुनः आरंभ करने के लिए विक्रमशिला सेतु पर बन रहे बेली ब्रिज का काम अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है। युद्धस्तर पर चल रहे निर्माण कार्य के बीच पुल के भागलपुर छोर पर अंतिम संरचनात्मक कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है।

यदि सब कुछ योजना के अनुरूप रहा तो 5 जून को देश के विभिन्न प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों के विशेषज्ञों की उपस्थिति में बेली ब्रिज का ट्रायल किया जाएगा, जबकि 7 जून से आमजन के लिए आवागमन आरंभ होने की संभावना है।

पुल निर्माण निगम एवं तकनीकी एजेंसियों की टीम दिन-रात जुटी हुई है। पुल के दोनों ओर शेड निर्माण, लाइनिंग, रोड मार्किंग, वाहनों के नियंत्रित संचालन की व्यवस्था तथा जंक्शन भराई जैसे कार्य अंतिम चरण में हैं। अधिकारियों का दावा है कि निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाएंगी।

ट्रायल के दौरान विशेषज्ञों की टीम पुल की भार वहन क्षमता, वाहनों के सुगम एवं सुरक्षित आवागमन, संरचना की स्थिरता तथा पिलरों पर पड़ने वाले दबाव का सूक्ष्म परीक्षण करेगी।

विभिन्न श्रेणियों के वाहनों को पुल पर चलाकर उसकी कार्यक्षमता और सुरक्षा मानकों की जांच की जाएगी। परीक्षण में सफल होने तथा विशेषज्ञों की स्वीकृति मिलने के बाद पुल को यातायात के लिए खोल दिया जाएगा।

बेली ब्रिज के चालू होने से भागलपुर और आसपास के क्षेत्रों के हजारों लोगों को राहत मिलेगी। लंबे समय से वैकल्पिक मार्गों की कठिनाइयों का सामना कर रहे लोगों के लिए यह पुल आवागमन को सुगम, सुरक्षित और समयबचत वाला बनाएगा।

प्रशासन को उम्मीद है कि पुल शुरू होने के साथ ही क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों और यातायात व्यवस्था को भी नया संबल मिलेगा।

इलेक्ट्रिक तराजू से उपभोक्ताओं को लगाया जा रहा चूना, लोगों में रोष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। भवनाथपुर प्रखंड क्षेत्र में इन दिनों गांव से लेकर शहरी क्षेत्र के बाजारों और किराना दुकानों में इलेक्ट्रिक तराजू के जरिए उपभोक्ताओं को ठगे जाने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। कई दुकानदार इलेक्ट्रानिक तराजू का उपयोग तो कर रहे हैं, लेकिन माप-तौल विभाग की जांच और सत्यापन के अभाव में उपभोक्ताओं को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि आज दो देशों के अंतरराष्ट्रीय चल रहे युद्ध के कारण ऐसे ही महंगाई चरम पर है। वहीं, कई दुकानों में एक किलो सामान के नाम पर मात्र 850 से 900 ग्राम तक ही दिया जा रहा है। खासकर ज्वेलरी, छड़ सरिया से लेकर दाल, चावल, चीनी, तेल, मसाले, फल एवं सब्जियों की खरीदारी में ग्राहकों को कम तौल कर सामान दिया जा रहा है,

जबकि उनसे पूरा पैसा वसूला जा रहा है।उपभोक्ताओं का कहना है कि यदि किसी ग्राहक को प्रतिदिन 100 से 150 ग्राम तक कम सामान दिया जाए तो महीने भर में कई किलो का नुकसान हो जाता है। उदाहरण के तौर पर यदि कोई दुकानदार एक किलो के बदले 850 ग्राम सामान देता है तो ग्राहक को सीधे 150 ग्राम का नुकसान होता है।

यदि किसी सामान की कीमत 100 रुपये प्रति किलो है तो उपभोक्ता को हर किलो पर लगभग 15 रुपये का घाटा उठाना पड़ता है। वहीं दुकानदार प्रतिदिन सैकड़ों ग्राहकों से हजारों रुपये का अतिरिक्त लाभ कमा रहे हैं। बाजार में यह भी चर्चा है कि कई इलेक्ट्रिक तराजू बिना सरकारी सत्यापन मुहर के चलाए जा रहे हैं। नियम के अनुसार हर वर्ष माप-तौल विभाग द्वारा इलेक्ट्रिक तराजू की जांच और सत्यापन जरूरी होता है, लेकिन भवनाथपुर क्षेत्र में विभाग की निष्क्रियता के कारण दुकानदार बेखौफ होकर मनमानी कर रहे हैं।

ग्रामीणों एवं सामाजिक कार्यकताओं ने प्रशासन से मांग की है कि प्रखंड क्षेत्र के सभी दुकानों में विशेष जांच अभियान चलाकर इलेक्ट्रिक तराजू की जांच कराई जाए।

साथ ही दोषी दुकानदारों पर कानूनी कार्रवाई करते हुए जुमार्ना लगाया जाए ताकि उपभोक्ताओं के साथ हो रही ठगी पर रोक लग सके।

लोगों का कहना है कि दाम तो पूरा लिया जा रहा है, लेकिन सामान कम दिया जा रहा है। प्रशासन यदि समय रहते कार्रवाई नहीं करता है तो उपभोक्ताओं का आर्थिक शोषण लगातार जारी रहेगा।

13 को होगा रालोमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) ने अपने राष्ट्रीय अधिवेशन और राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव की नई तारीख घोषित कर दी है। पार्टी की ओर से जारी सूचना के अनुसार अब यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम 13 जून को सुबह 11 बजे से दिल्ली स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब में आयोजित होगा। पार्टी ने कार्यक्रम में बदलाव की जानकारी कार्यकताओं और प्रतिनिधियों को दे दी है।

अधिवेशन को संगठन के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

अधिवेशन के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए चुनाव की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। संगठनात्मक चुनाव के अंतिम चरण के रूप में इस चुनाव को देखा जा रहा है।

वर्तमान में पार्टी की कमान पूर्व केंद्रीय मंत्री के हाथों में है और पार्टी के भीतर इसे महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम माना जा रहा है।

रालोमो ने अप्रैल महीने में ही संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया की शुरूआत की थी। चरणबद्ध तरीके से विभिन्न स्तरों के चुनाव और नियुक्तियां पूरी की गई हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव इस पूरी प्रक्रिया का अंतिम और सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है।

राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा तेज है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर उपेंद्र कुशवाहा की दोबारा ताजपोशी लगभग तय मानी जा रही है।

हालांकि पार्टी की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन संगठन के भीतर उनके नेतृत्व को लेकर सकारात्मक माहौल बताया जा रहा है।

पिछले कुछ महीनों में रालोमो ने संगठन विस्तार अभियान को तेज किया है। विभिन्न जिलों और प्रकोष्ठों में नए पदाधिकारियों की नियुक्तियां की गई हैं।

पार्टी नेतृत्व बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने और कार्यकताओं को सक्रिय करने पर विशेष ध्यान दे रहा है।

ईरान युद्ध के बीच जापान में बड़ा उलटफेर, टोयोटा की नंबर 1 की कुर्सी गई

नई दिल्ली, एजेंसी। जापान की कंपनी टोयोटा दुनिया में सबसे ज्यादा गाड़ियां बनाती है। लेकिन अब यह जापान की सबसे वैल्यूएबल कंपनी नहीं रह गई है। सॉफ्टबैंक ग्रुप और उससे आगे निकल चुकी हैं। एआई शेयरों में तेजी के दम पर टेक्नोलॉजी ग्रुप के शेयरों में आज करीब 14 फीसदी आई और इसके साथ ही यह देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी बन गई। दूसरी ओर टोयोटा के शेयरों

में गिरावट आई है। मासायोशी सन की अगुवाई वाले सॉफ्टबैंक ग्रुप ने ओपनएआई और एसबी एनर्जी कॉर्प निवेश किया है। ये दोनों कंपनियां अमेरिका में लिस्टिंग की तैयारी कर रही हैं। इस कारण सॉफ्टबैंक के शेयरों में तेजी आई है। इस साल कंपनी का शेयर 80 फीसदी से ज्यादा उछला है और कंपनी का मार्केट कैप करीब 304 अरब डॉलर पहुंच गया है। दूसरी ओर टोयोटा का शेयर इस साल 10 फीसदी गिरा है और उसका मार्केट कैप 247.56 अरब डॉलर रह गया है। शेयरों में भी आज करीब 11 फीसदी तेजी आई है और इसका मार्केट कैप 249.82 अरब डॉलर पहुंच गया है। सॉफ्टबैंक करीब दो दशक में पहली बार टोयोटा से आगे निकली है। साल 2000 में इंटरनेट बबल के दौरान में वह कुछ समय के लिए टोयोटा से आगे निकली थी। हाल में चीन की गाड़ियों ने इंटरनेशनल लेवल पर जापान की ऑटो कंपनियों को कड़ी टक्कर दी है। साथ ही निवेशकों का रुख भी तेजी से एआई शेयरों की तरफ हुआ है। सॉफ्टबैंक दुनिया की 48वीं सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। आज की तेजी से इसकी रैंकिंग 13 स्थान सुधरी है। दूसरी तरफ टोयोटा एक स्थान फिसलकर 70वें नंबर पर फिसल चुकी है। इस लिस्ट में टॉप 10 कंपनियों में आठ अमेरिका की है। टॉप 100 में जापान की चार और चीन की 11 कंपनियां हैं।

बाजार खुलते ही 1,600 सस्ता हुआ सोना, चांदी भी लुढ़की

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमत में महीने के पहले दिन गिरावट आई है। एमसीएक्स पर शुरुआती कारोबार में सोने की कीमत में 1,500 रुपये से अधिक गिरावट आई है जबकि चांदी का रेट भी करीब इतना ही कम हुआ है। कच्चे तेल की कीमत में तेजी के कारण सोने और चांदी में गिरावट आई है। एमसीएक्स पर 5 अगस्त की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,60,911 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था और आज यह 1,60,193 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 1,561 रुपये की गिरावट के साथ 1,59,350 रुपये तक गिरा। सुबह 9.55 बजे सोना 1,210 रुपये यानी 0.75 फीसदी गिरावट के साथ 1,59,701 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। 3 जुलाई की डिलीवरी वाली चांदी पिछले सत्र में 2,66,998 रुपये

प्रति किलो के भाव पर बंद हुई थी और आज यह 2,68,093 रुपये पर खुली। शुरुआती कारोबार में यह 1,485 रुपये की गिरावट के साथ 2,65,513 रुपये तक गिरी। 9.55 बजे यह 458 रुपये की गिरावट के साथ 2,66,540 रुपये पर ट्रेड कर रही थी। सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में गिरावट आई है। गुड रिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट वाला सोना 820 रुपये की गिरावट के साथ 1,56,220 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट वाला सोना 750 रुपये की गिरावट के साथ 1,43,200 रुपये पर आ गया जबकि 18 कैरेट वाला सोना 610 रुपये फिसलकर 1,17,170 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमत 1,600 रुपये बढ़कर 1.62 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई।

'आइस किंग' के कारोबार की दिलचस्प कहानी

भारत के रईसों के लिए अमेरिका से आती थी बर्फ

नई दिल्ली, एजेंसी। रेफ्रिजरेटर आम होने से बहुत पहले भारत अमेरिका से बर्फ मंगाता था। अमेरिका के न्यू इंग्लैंड के तालाबों से निकाली गई जमी बर्फ के बड़े-बड़े टुकड़े भारत में आयात किए जाते थे। यहां तक बोस्टन के एक कारोबारी ने इस व्यापार से भारत में करोड़ों की कमाई की। उन्हें 'आइस किंग' के नाम से जाना जाता था। लगभग चार दशकों तक भारत के अमीर लोग अपने ड्रिंक्स को ठंडा करने और बीमारों का इलाज करने के लिए न्यू इंग्लैंड से जहाजों से लाई गई सर्दियों में जमी हुई बर्फ के टुकड़ों का इस्तेमाल करते थे। यह एक बड़ा लॉजिस्टिकल कारनामा था। इसमें 16,000 मील से ज्यादा का सफर तय करना, भूमध्य रेखा को दो बार पार करना और समंदर में चार महीने का थका देने वाला सफर शामिल था। 1800 के दशक की यह सबसे दिलचस्प वैश्विक व्यापार कहानियों में से एक बन गया।

कारोबारी जमशेदजी जीजीभोय को इस बात का श्रेय दिया जाता है कि उन्होंने ही सबसे पहले मुंबई की एक डिनर पार्टी में अमेरिकी बर्फ का इस्तेमाल करके आइसक्रीम परोसी थी।

बर्फ बहुत जल्द ही सिर्फ एक विलासिता की चीज से बदलकर एक बेहद जरूरी चिकित्सीय साधन बन गई। औपनिवेशिक डॉक्टर इसे तेज बुखार कम करने, हैजा का इलाज करने और सर्जरी के दौरान सुन्न करने वाले एनेस्थीसिया के तौर पर इस्तेमाल करने की सलाह देते थे।

आंकड़ों से समझिए कितना फायदेमंद था व्यापार

यह व्यापार इतना फायदेमंद था कि बोस्टन के एक कारोबारी फ्रेडरिक ट्यूडर ने सिर्फ कलकत्ता (अब कोलकाता) के बाजार से ही दो दशकों में लगभग 2,20,000 डॉलर का शुद्ध मुनाफा कमाया। यह आज के हिसाब से 56 करोड़ रुपये से भी ज्यादा है। फ्रेडरिक को बाद में 'आइस किंग' के नाम से जाना गया।

भारत अमेरिका से क्यों इंपोर्ट करता था बर्फ : *आधुनिक मैकेनिकल रेफ्रिजरेशन से पहले भारत जैसे उष्णकटिबंधीय औपनिवेशिक देश में अच्छी क्वालिटी की बर्फ मिलना बहुत मुश्किल और महंगा काम था। यह व्यापार पर्यावरण, औपनिवेशिक और चिकित्सीय कारणों के एक अनोखे मेल की वजह से खूब फला-फूला।*

स्थानीय विकल्पों की कमी : *जहां मुगल ऐतिहासिक रूप से घोड़ों पर लादकर हिमालय से बर्फ नीचे लाते थे। वहीं अंग्रेजों को यह प्रक्रिया लॉजिस्टिकल तौर पर बहुत थका देने वाली और महंगी लगी। स्थानीय बर्फ को 'हुगली आइस' के नाम से जाना जाता था। सर्दियों की ठंडी रातों में वह उथले गड्ढों में वाष्पीकरण की प्रक्रिया से बड़ी मेहनत से बनाई जाती थी। हालांकि, यह बर्फ पतली, गीली, कंकड़-पत्थरों से भरी होती थी। पीने या खाने के बिल्कुल लायक नहीं होती थी।*

प्योरिटी और लग्जरी की डिमांड : *अंग्रेज औपनिवेशिक अफसर और अमीर भारतीय अपने देश जैसी चीजों और विलासिता के लिए तरसते थे। उन्हें खाना ताजा रखने, आयातित वाइन को ठंडा करने और आइसक्रीम बनाने के लिए एकदम साफ, ठोस बर्फ के टुकड़ों की जरूरत होती थी।*

आंकड़ों से समझिए कितना फायदेमंद था व्यापार

यह व्यापार इतना फायदेमंद था कि बोस्टन के एक कारोबारी फ्रेडरिक ट्यूडर ने सिर्फ कलकत्ता (अब कोलकाता) के बाजार से ही दो दशकों में लगभग 2,20,000 डॉलर का शुद्ध मुनाफा कमाया। यह आज के हिसाब से 56 करोड़ रुपये से भी ज्यादा है। फ्रेडरिक को बाद में 'आइस किंग' के नाम से जाना गया। अपने चरम पर इस अनोखे कारोबार ने पूरे एशिया और ऑस्ट्रेलिया में 3,53,000 टन से ज्यादा अमेरिकी बर्फ पहुंचाई। भारत की कठोर जलवायु में यूरोपीय आबादी को जिंदा और स्वस्थ रखने के लिए इसे एक बेहद जरूरी चीज माना जाता था। पैमाने पर बर्फ को सुरक्षित रखने की कला में महारत हासिल कर ली थी। उन्होंने वाल्डेन तालाब जैसे ताजे पानी के स्रोतों से बर्फ निकाली। घोड़ों से चलने वाले बर्फ के हल का इस्तेमाल करके उसे एक जैसे, आपस में जुड़ने वाले टुकड़ों में काटा। फिर उन्हें जहाजों के अंदरूनी हिस्सों में कसकर पैक किया।

कच्चे तेल की कीमत में फिर तेजी लेकिन दिल्ली में पेट्रोल 102 तो डीजल 95 से ऊपर

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान युद्ध को शुरू हुए तीन महीने हो गए हैं। इतने दिनों में ही दुनिया भर में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के लिए त्राहिमाम् मच गया है।

लेकिन अभी भी मामला सुलझता नहीं दिखता है। तभी तो सोमवार की सुबह ब्रेंट क्रूड के दाम में 1.95 फीसदी की तेजी दिखी। हालांकि, भारत में पेट्रोल-डीजल बेचने वाली सरकारी तेल कंपनियां ने आज यानी सोमवार, 1 जून 2026 को दाम में कोई बदलाव नहीं किया। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव बीतने के बाद ही पेट्रोलियम कंपनियों ने 11 दिनों में चार बार दाम बढ़ा दिए हैं। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे, 23 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे और 25 मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था।

4 महानगरों में पेट्रोल का दाम

तेल कंपनियों की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में आज पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में इसकी कीमत 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये है। एक अनुमान के मुताबिक क्रूड ऑयल महंगा होने से सरकारी तेल कंपनियों को रोजाना पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और जेट फ्यूल पर करीब 750 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है।

डीजल की कीमत क्या है

सरकारी ऑयल कंपनियों के मुताबिक सोमवार को दिल्ली में डीजल का प्रति लीटर दाम 95.20 रुपये है। कोलकाता में यह 99.02 रुपये, मुंबई में 97.83 रुपये और चेन्नई में 99.55 रुपये प्रति लीटर है। कच्चे तेल की कीमत में हाल में काफी बढ़ोतरी हुई है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद यह करीब 50 फीसदी महंगा हो गया है। ईरान युद्ध को शुरू हुए तीन महीने हो चुके हैं। लेकिन अभी तक यह खत्म नहीं हुआ है। पिछले सप्ताह अमन की आशा दिखी थी इसलिए उस इफ्ते क्रूड ऑयल की कीमत में भारी गिरावट आई थी। मानक ब्रेंट क्रूड के दाम तो 11 फीसदी घट गए थे। लेकिन आज फिर इसमें तेजी दिखी है।

टाटा संस में चंद्रा की फिर से नियुक्ति पर 'ग्रहण', खफा है नोएल टाटा

कई अहम मुद्दे अब भी नहीं सुलझे हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन की फिर से नियुक्ति का मामला अटक गया है। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले हफ्ते हुई टाटा संस की बोर्ड मीटिंग के बाद टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने टाटा संस के बोर्ड को बताया कि कई अहम मुद्दे अब भी नहीं सुलझे हैं। ऐसे में एन चंद्रशेखरन की फिर से टाटा संस के चेयरमैन के तौर पर नियुक्ति पर कोई भी चर्चा जल्दबाजी होगी। सूत्रों ने आशंका जताई है कि इससे चंद्रशेखरन और टाटा के बीच गतिरोध पैदा हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक नोएल टाटा ने ग्रुप के पांच साल के स्ट्रैटजिक रोडमैड के बारे में चंद्रशेखरन से ज्यादा डिटेल देने को कहा है। साथ ही शापूरजी पलौंजी ग्रुप को बाहर करने के विकल्प और टाटा संस की लिस्टिंग के बारे में उनके रुख के बारे में भी पूछा गया है। एयर इंडिया और बिगबास्केट जैसी कंपनियों के परफॉरमेंस के साथ-साथ गवर्नेंस के मुद्दे पर भी टाटा ट्रस्ट्स और टाटा संस के बीच तनातनी चल रही है। सूत्रों का कहना है कि 26 मई को हुई बोर्ड की बैठक के अंत में कुछ डायरेक्टर्स ने पूछा कि क्या अगली बैठक में चंद्रशेखरन की तीसरी बार नियुक्ति के मामले पर अगली बैठक में चर्चा होगी। इस पर नोएल टाटा ने कहा कि अभी इस पर चर्चा करना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा कि अभी कई मुद्दे अनसुलझे हैं और इन पर आगे काम करने की जरूरत है। इस मीटिंग में एयर इंडिया, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और टाटा डिजिटल के चीफ एग्जीक्यूटिव्स ने अपने बिजनेस से बारे में प्रजेंटेशन दी। सूत्रों ने कहा कि एयर इंडिया और

बिगबास्केट के बारे में नोएल टाटा को व्यापक जानकारी दी गई। टाटा ने 24 फरवरी को हुई टाटा संस की बोर्ड मीटिंग में कुछ गंभीर सवाल उठाए थे। उस बैठक में चंद्रशेखरन को तीसरा कार्यकाल देने पर चर्चा को स्थगित कर दिया गया था। टाटा के सवालों का जवाब देने के लिए चंद्रशेखरन ने 26 मई को स्पेशल बोर्ड मीटिंग बुलाई थी। टाटा ट्रस्ट्स की टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी है। एसपी ग्रुप की भी इसमें 18 फीसदी हिस्सेदारी है जिसे बेचकर वह अपना कर्ज चुकाना चाहता है। नोएल टाटा ने एयर इंडिया और बिगबास्केट को हो रहे घाटे पर चिंता जताई थी और इसे दुरुस्त करने को कहा था। टाटा संस की अगली बैठक 12 जून को होनी है जिसमें सालाना अकाउंट्स पर चर्चा होगी। इस बारे में टाटा संस और नोएल टाटा ने कोई टिप्पणी नहीं की।

नौकरी का ऑफर ठुकराया तो लोग बोले- बेवकूफ, फिर किस्मत ने लिया टर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। इमैनुएल जॉन तमिलनाडु के रहने वाले हैं। उनकी जिंदगी में लगातार ट्विस्ट और टर्न आते रहे हैं। बेंगलुरु में कभी 10,000 रुपये की इंटर्नशिप और मैगी खाकर गुजारा करने वाले इमैनुएल आज सफल स्टार्टअप कंपनी के मालिक हैं। इसका नाम 'टेकस टेक्नोलॉजीज' है। आइए, यहां इमैनुएल जॉन की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। साल 2018 की बात है। कॉलेज से पास आउट होने के बाद इमैनुएल जॉन ने एक ऐसा फैसला लिया जिसने सबको हैरान किया। उनके पास एक सर्विस बेस्ड कंपनी से 25,000 रुपये महीने का अच्छा ऑफर था। लेकिन, उन्होंने उसे ठुकरा दिया।

मैगी खाकर गुजारे दिन, शेयर किया फ्लैट: उनके शुरुआती दिन संघर्षों से भरे थे। 10,000 रुपये की मामूली सैलरी में बेंगलुरु जैसे शहर में गुजारा करना आसान नहीं था। उन्होंने तीन दूसरे दोस्तों के साथ फ्लैट शेयर किया।

पैसों की तंगी के कारण वह अक्सर मैगी खाकर दिन काटते थे। उनकी कड़ी मेहनत रंग लाई। 2019 में उसी कंपनी ने उन्हें 25,000 रुपये महीने पर फुल-टाइम जॉब दे दी। फिर उनकी सैलरी में लगातार इजाफा हुआ। साल 2020 में यह बढ़कर 35,000 रुपये हो गई। 2021 में 45,000 महीना।

इमैनुएल के करियर में बड़ा टर्निंग पॉइंट साल 2021 के बाद के हिस्से में आया। तब उन्होंने एक नई नौकरी जॉइन की जहां उनकी सैलरी 80,000 रुपये हो गई। लेकिन, वह यहीं नहीं रुके। नौकरी के साथ उन्होंने रात के समय 4-5 महीने तक ब्लॉकचेन जैसी एडवांस टेक्नोलॉजी सीखने में बिताए। इस नई स्किल के बूते साल 2022 तक उनकी मासिक कमाई सीधे 3,50,000 रुपये महीने पहुंच गई। उन्होंने करीब डेढ़ साल तक वर्क फ्रॉम होम किया। इसी दौरान साइड प्रोजेक्ट के रूप में अपनी कंपनी की नींव रखनी शुरू की। साल 2024 में इमैनुएल ने कर्मचारी से फाउंडर बनने का बड़ा कदम उठाया। उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ दी। तमिलनाडु में अपने स्टार्टअप 'टेकस टेक्नोलॉजीज' पर पूरा फोकस किया। आज उनकी कंपनी में 9 लोग काम कर रहे हैं। भारत के साथ यूरोप और अमेरिका में भी उनके क्लाइंट्स हैं। कंपनी पिछले 6 महीनों से लगातार रेवेन्यू ग्रोथ दर्ज कर रही है।

10,000 रुपये की चुनी इंटर्नशिप

इसके बजाय इमैनुएल ने बेंगलुरु के एक स्टार्टअप में सिर्फ 10,000 रुपये महीने की इंटर्नशिप चुनी। लोगों ने उनके इस फैसले को बेवकूफी भरा बताया। लेकिन, इमैनुएल का तर्क साफ था। उन्हें छह महीने ट्रेनिंग में बर्बाद करने के बजाय पहले ही दिन से असली कोडिंग सीखनी थी। करियर की शुरुआत में ही आर्थिक सुरक्षा को छोड़ देना अक्सर लोगों को हैरान कर देता है। छोटी-मोटी सहूलियतों के बजाय दूर की सोच ज्यादा मायने रखती थी।

सिलेंडर और गाड़ियां महंगी, पीआई, पैन और आधार के बदल गए नियम

नईदिल्ली, एजेंसी। जून का महीना अपना साथ कई नए बदलाव लेकर आया है। कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में लगातार सातवीं बार बढ़ोतरी की गई है। साथ ही हवाई यात्रा भी आज से महंगी हो सकती है क्योंकि एयर इंडिया और इंडिगो ने फ्लाइट्स की संख्या में कटौती करने की घोषणा की है। इससे अलावा यूपीआई पेमेंट, आधार और पैन से जुड़े नियमों में आज से बदलाव हो रहा है।

सरकारी तेल कंपनियों ने 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 53.50 रुपये तक की बढ़ोतरी की है। बढ़ी हुई कीमतें आज से लागू हो गई हैं। दिल्ली में इसकी कीमत अब 42 रुपये बढ़कर 3,113.50 रुपये हो गई है। कोलकाता में यह

53.50 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 3,255.50 रुपये का हो गया है। मुंबई में कमर्शियल सिलेंडर अब 3,024 रुपये से बढ़कीर 3,067.50 रुपये का हो गया है जबकि चेन्नई में इसकी कीमत 3,237 रुपये से बढ़कर 3,283 रुपये हो गई है।

एटीएम निकासी: इसके अलावा, अब यूपीआई-आधारित कार्डलेस एटीएम निकासी को भी बैंक की मासिक मुफ्त निकासी सीमा में शामिल किया जाएगा। यदि ग्राहक निर्धारित मुफ्त लेनदेन की सीमा पार कर लेते हैं, तो उन्हें अतिरिक्त शुल्क देना पड़ सकता है। यह नियम डेबिट कार्ड से की जाने वाली एटीएम निकासी की तरह ही लागू होगा। निर्धारित समयसीमा चूकने पर प्रति माह 1 प्रतिशत ब्याज का जुर्माना लग सकता है। इसके अलावा, इस महीने की सबसे चर्चित घटनाओं में से एक आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक होगी, जो 3 से 5 जून के बीच होने वाली है। बाजार इस बात पर बंटे हुए हैं कि क्या केंद्रीय बैंक रेपो दर में बदलाव करेगा, लेकिन मुद्रास्फीति, आर्थिक विकास और तरलता की स्थिति पर आरबीआई की टिप्पणी भी उतनी ही महत्वपूर्ण होगी। भविष्य में ब्याज दरों में कटौती या वृद्धि के किसी भी संकेत का असर आने वाले महीनों में होम लोन की ईएमआई, फिक्स्ड डिपॉजिट पर मिलने वाले रिटर्न और कुल उधार लागत पर पड़ सकता है।

विंडफॉल टैक्स में कटौती: सरकार ने फ्यूल एक्सपोर्ट पर विंडफॉल टैक्स में कटौती की है। पेट्रोल, डीजल और एटीएफ यानी विमान ईंधन पर एक्पोर्ट ड्यूटी में कमी की गई है। यह व्यवस्था 1 जून यानी आज से शुरू हो गई है। पेट्रोल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी 3 रुपये से घटाकर 1.5 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है।

यूपीए पेमेंट का नियम

1 जून से यूपीआई ट्रांजैक्शन से जुड़े नियम में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। अगर आप जिस किसी को भी पैसे यूपीआई से ट्रांसफर करेंगे, उसका असली बैंक रजिस्टर्ड नाम आपको स्क्रीन पर दिखाई देगा। माना जा रहा है कि नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने यूपीआई से होने वाले फ्रॉड को खत्म करने के लिए यह कदम उठाया है। इसमें क्यूआर कोड़ स्कैन करते ही या मोबाइल नंबर डालते ही आपको सही व्यक्ति के बारे में पता चल जाएगा। करदाताओं के लिए 15 जून एक महत्वपूर्ण तारीख होगी। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अग्रिम कर (एडवांस टैक्स) की पहली किस्त इसी दिन तक जमा करनी होगी। जिन लोगों की कुल टैक्स देनदारी 10,000 रुपए से अधिक है, उन्हें 15 जून तक अपने अनुमानित टैक्स का 15 प्रतिशत भुगतान करना होगा।

रेलवे को 69,000 रुपये से भी ज्यादा का हर्जाना देना होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। रेलवे की प्रीमियम ट्रेन राजधानी एक्सप्रेस भी चार घंटे की देरी से दिल्ली पहुंचे तो क्या कहेंगे। कोटा के एक दंपत्ति ने इस ट्रेन से दिल्ली आने का टिकट बुक कराया था। ट्रेन के अतिशय देरी से चलने की वजह से उनकी केरल जाने वाली फ्लाइट छूट गई। उन्हें अगले दिन का टिकट भारी कीमत देकर लेना पड़ा। यात्री ने न्याय के लिए जिला उपभोक्ता फोरम का दरवाजा खटखटाया जहां से उनके पक्ष में फैसला हुआ। रेलवे ने इसकी अपील स्टेट कंज्यूमर फोरम में की। वहां से भी रेलवे को हार मिली। अब रेलवे को 69,000 रुपये से भी ज्यादा का हर्जाना देना होगा।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक यह वाकया है 17 दिसंबर 2017 का है। कोटा में रहने वाले अनिल कुमार राना और उनकी पत्नी अनीता राना ने उस दिन के लिए दिल्ली से त्रिवेंद्रम रूट पर एयर इंडिया की फ्लाइट बुक करायी थी। यह टिकट 9 नवंबर 2017 को ही बुक किया गया था, इसलिए सस्ती पड़ी थी। उन्हें यह टिकट 33,929 रुपये की पड़ी थी। इसके बाद 17 दिसंबर की सुबह कोटा से दिल्ली आने के लिए रेलवे की प्रीमियम ट्रेन नंबर 12431,राजधानी एक्सप्रेस में टिकट बुक कराया।

राजधानी एक्सप्रेस को कोटा से सुबह 6.55 बजे रवाना होकर दोपहर 12.40 बजे दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन में पहुंचना था। उसी दिन दिल्ली हवाई अड्डे से उनकी शाम 6.05 बजे की फ्लाइट थी। मतलब कि उनके पास पर्याप्त समय था। लेकिन यह ट्रेन चार घंटे से भी ज्यादा देरी से, शाम में 4.50 बजे निजामुद्दीन पहुंची। ट्रेन से उतर कर वे जब तक हवाई अड्डा पहुंचे, उनकी फ्लाइट जा चुकी थी।

प्लेन मिस होने के बाद कपल को रात एयरपोर्ट पर गुजारनी पड़ी। अगले दिन का उन्होंने टिकट बुक कराया जो कि 72,930 रुपये का पड़ा। मानसिक परेशानी हुई, होटल पर खर्च अलग से करना पड़ा। इतना सबकुछ करने के बाद वह अगले दिन केरल पहुंचे तो, लेकिन रेलवे की वजह से मन खट्टा हो गया। कोटा वापस आने के बाद राना ने रेलवे को मार्च और सितंबर 2018 में लिखित में रिप्रजेंटेशन दिया। उसमें रेलवे की वजह से हुए नुकसान की भरपाई की मांग की गई थी। लेकिन उन्हें कोई राहत नहीं मिली।

फरहाना भट्ट ने अपने जीवन के सबसे मुश्किल फैसले के बारे में बात की

सलमान खान के रियलिटी टीवी शो 'बिग बॉस 19' की चर्चित कंटेस्टेंट रहीं फरहाना भट्ट ने अपने जीवन के सबसे मुश्किल और भावुक फैसले के बारे में खुलकर बात की।

एक्ट्रेस ने बताया कि वह अपने सपनों को अहमियत देती हैं। इसी वजह से उन्होंने अपने परिवार से रिश्ता तोड़ लिया और उनसे कहा कि वे उन्हें सार्वजनिक रूप से बेदखल कर दें। फरहाना ने यह कदम अपने सपनों को पूरा करने के लिए उठाया। कश्मीर की रहने वाली फरहाना भट्ट को 'बिग बॉस 19' में अपने बेबाक और निडर व्यक्तित्व के कारण खूब चर्चा मिली। शो के दौरान उनकी अभद्र भाषा पर काफी ट्रोलिंग भी हुई। शो के बाद फरहाना सिंगर और कंपोजर अमाल मलिक के साथ एक म्यूजिक वीडियो में भी नजर आईं। अब वह रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' के 15वें सीजन में हिस्सा लेने की तैयारी कर रही हैं। फरहाना ने अपनी भावनात्मक उथल-पुथल का जिक्र करते हुए बताया कि खून के रिश्तों यानी अपनों से उम्मीदें रखना स्वाभाविक है लेकिन जब सबसे मुश्किल वक्त में कोई साथ नहीं देता तो फैसला लेना और भी कठिन हो जाता है। खास बातचीत में फरहाना ने बताया, 'मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा जोखिम यह था कि मैंने खुद को अपने करीबी खून के रिश्तों से पूरी तरह अलग कर लिया। मैंने उनसे कह दिया कि आप सार्वजनिक रूप से ऐलान कर सकते हैं कि 'वह हमारी नहीं है' या उससे हमारा कोई रिश्ता नहीं है।'

फरहाना ने बताया कि सपनों को पूरा करने के लिए उन्हें बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। परिवार से दूरी का फैसला लेना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने अकेले लड़ने की हिम्मत जुटाई। फरहाना ने बताया, 'जब आपके आसपास सच में कोई नहीं होता, सिर्फ आप और आपकी मां होती हैं और आप परिवार से रिश्ता तोड़ रहे होते हैं, तो उस पल आप खुद को पूरी तरह अकेलेपन के हवाले कर देते हैं। मैंने तय किया कि मैं अकेली रहूंगी, लेकिन अपने सपनों को नहीं छोड़ूंगी। यह मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा जोखिम था।'

रणवीर सिंह के साथ काम करना चाहती हैं त्रिधा चौधरी

फिल्म इंडस्ट्री में कई कलाकार अब सिर्फ ग्लैमरस किरदारों तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना चाहते हैं, जिनमें अभिनय के साथ भावनात्मक और आध्यात्मिक जुड़ाव भी हो। इसी बीच अभिनेत्री त्रिधा चौधरी ने आईएएनएस से बात करते हुए अपनी दिली इच्छा जाहिर की और कहा कि वह भविष्य में अभिनेता रणवीर सिंह के साथ काम करना चाहती हैं। अगर उन्हें 'शिवा ट्रिलॉजी' जैसी किसी पौराणिक फिल्म में काम करने का मौका मिले, तो वह उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा होगा। आईएएनएस ने जब त्रिधा से पूछा कि अगर उन्हें भविष्य में किसी बड़े ऐतिहासिक या पौराणिक फिल्म में काम करने का मौका मिले, तो वह किस तरह का किरदार निभाना पसंद करेंगी। इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि वह लेखक अमिश त्रिपाठी की मशहूर किताब 'शिवा ट्रिलॉजी' पर बनने वाली फिल्म का हिस्सा बनना चाहेंगी। त्रिधा ने कहा, ''मैंने हाल ही में सुना है कि रणवीर सिंह ने 'शिवा ट्रिलॉजी' के फिल्मी राइट्स खरीद लिए हैं। यह खबर सुनकर मैं काफी उत्साहित हूं। मैं रणवीर सिंह की बहुत बड़ी फैन हूं और उन्हें अभिनेता के तौर पर बेहद पसंद करती हूं। रणवीर जिस तरह अपने हर किरदार में पूरी एनर्जी डालते हैं, वह मुझे बेहद प्रेरित करता है। उनके साथ काम करना मेरा सपना है।'' उन्होंने आगे कहा, 'भगवान शिव के प्रति मेरी गहरी आस्था है, और यही वजह है कि 'शिवा ट्रिलॉजी' से मेरा भावनात्मक जुड़ाव भी है। मैंने इस किताब की पूरी सीरीज पढ़ी है और कहानी ने मुझे काफी प्रभावित किया। अगर मुझे किसी ऐसी पौराणिक फिल्म में अभिनय करने का मौका मिलता है, तो वह मेरे करियर का सबसे खास अनुभव होगा।' त्रिधा ने बातचीत के दौरान कहा, ''मेरे लिए सिर्फ खूबसूरत दिखना या ग्लैमरस किरदार निभाना ज्यादा मायने नहीं रखता। एक कलाकार की असली पहचान उसके अभिनय से होती है। अगर कोई कलाकार स्क्रीन पर सिर्फ अच्छा दिखे लेकिन अपने किरदार को सही तरीके से निभा न पाए, तो दर्शक उससे जुड़ नहीं पाते।'' अभिनेत्री ने कहा, ''मेरे लिए क्रिटिक्स की तारीफें ज्यादा महत्वपूर्ण होती हैं। अगर लोग मेरे अभिनय को पसंद करें और यह महसूस करें कि मैंने किरदार के साथ न्याय किया है, तो वही मेरे लिए सबसे बड़ी सफलता है। मैं हमेशा ऐसे रोल चुनना चाहती हूं जिनमें अभिनय करने का मौका मिले और दर्शकों तक कोई भावना पहुंचाई जा सके।''

'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' में नजर आएंगे केवल सेलेब्स? पहले एपिसोड में दिखेंगी आलिया-शरवरी!

समय रैना इन दिनों अपने शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के लिए सुर्खियों में हैं। हाल ही में इससे जुड़ी एक फोटो भी वायरल हुई थी, जिसमें गेस्ट के तौर पर आलिया भट्ट नजर आ रही थीं। अब शो को लेकर और भी बातें सामने आई हैं।

पहले एपिसोड में नजर आएंगी आलिया शरवरी!

हाल ही में 'इंडियाज गॉट लेटेंट' सीजन 2 से जुड़ा एक फोटो काफी वायरल हो रहा था, जिसमें आलिया भट्ट नजर आ रहीं थीं। इस फोटो को जिसने पोस्ट किया था, उन्होंने हाल ही में शो को लेकर और भी कई खुलासे किए हैं।

इस बार आएंगे केवल बॉलीवुड सेलेब्स

एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि फोटो वायरल होने के बाद समय रैना ने उन्हें मैसेज कर 'शेम' लिखा था। गेस्ट को लेकर पूछे गए सवाल पर फैन ने इस बात को कन्फर्म किया कि आलिया भट्ट और शरवरी पहले एपिसोड में नजर आने वाली हैं। उन्होंने आगे कहा कि शो में इस बार ये बदलाव देखने को मिल सकता है कि ज्यादातर गेस्ट बॉलीवुड से जुड़े होंगे। उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी, क्योंकि वो ज्यादा फेमस हैं। साथ ही उन्होंने शो के दौरान समय के व्यवहार को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि पहले सीजन में हुए विवाद के चलते इस सीजन में समय काफी नर्वस दिखाई दिए।

जल्द वापसी करने वाला है 'इंडियाज गॉट लेटेंट'

समय रैना ने हाल ही में अपने शो स्टिल अलाइव के दौरान ऐलान किया कि उनका पॉपुलर रोस्ट-स्टाइल टैलेंट शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' जल्द वापसी करने वाला है। खबरें हैं कि पहले एपिसोड में एक्ट्रेस आलिया भट्ट और शरवरी नजर आ सकती हैं।

सलमान की फिल्म में दिखेगा नयनतारा का एक्शन अवतार

नयनतारा इन दिनों अपनी अगली फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। वह जल्द ही सलमान खान के साथ एक बड़े एक्शन प्रोजेक्ट में नजर आने वाली हैं। इस अनटाइटल्ड फिल्म का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता वंशी पेडिपल्ली कर रहे हैं, जबकि निर्माता दिल राजू हैं। फिल्म को लेकर कहा जा रहा है कि नयनतारा इस फिल्म में एक मजबूत और दमदार किरदार निभाती हुई दिखेंगी। नयनतारा एक्टर सलमान खान के साथ एक्शन से भरपूर रोल में नजर आएंगी। इसके अलावा, वे एक्सपर्ट्स की देखरेख में अपने स्टंट खुद ही करेंगी।

आज की युवा पीढ़ी राजनीति को समझ रही है, सोशल मीडिया ने लोगों को जागरूक बनाया

तुषार कपूर बॉलीवुड के उन कलाकारों में गिने जाते हैं, जिन्होंने कॉमेडी, ड्रामा और मल्टीस्टारर फिल्मों में अपनी अलग पहचान बनाई है। वह अपनी बेबाकी के लिए भी जाने जाते हैं। हाल ही में आईएएनएस से बातचीत के दौरान उन्होंने अपने नए प्रोजेक्ट, सोशल मीडिया, राजनीति और आज की युवा पीढ़ी को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि आज का भारत पहले से ज्यादा जागरूक हो चुका है और सोशल मीडिया ने लोगों को राजनीति और देश के मुद्दों के प्रति काफी सतर्क बनाया है। तुषार कपूर ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह जाहिर किया। उन्होंने कहा, ''मैं एक बार फिर दर्शकों के सामने कुछ नया लेकर आने के लिए बेहद उत्साहित हूं। यह मेरे लिए खास अनुभव है क्योंकि मैं लंबे समय बाद फिर उसी तरह के किरदार और माहौल में लौट रहा हूं। फिल्म का लगभग 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, लेकिन अभी भी 10 से 15 दिनों की शूटिंग बाकी है।'' उन्होंने निर्देशक रोहित शेट्टी की जमकर तारीफ करते हुए कहा, ''मैं खुद को बेहद खुशकिस्मत मानता हूं कि मुझे रोहित शेट्टी के साथ कई बार काम करने का मौका मिला। वह देश के सबसे सफल निर्देशकों में गिने जाते है। मैंने उनके साथ चार बार काम किया है और चारों बार फिल्मों को ब्लॉकबस्टर सफलता मिली। अब मुझे उम्मीद है कि पांचवीं बार भी दर्शकों का वैसा ही प्यार मिलेगा।''

तुषार कपूर ने सोशल मीडिया और राजनीति पर भी खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''पहले हमारी पीढ़ी राजनीति को इतना करीब से नहीं समझती थी, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। अब मैं खुद राजनीतिक बहस और न्यूज डिबेट्स को ध्यान से देखता हूं। आज मुझे देश के अलग-अलग राज्यों की राजनीति और वहां की पार्टियों की जानकारी है। सोशल मीडिया और न्यूज प्लेटफॉर्म्स ने ज्यादा जागरूक बना दिया है। भारत में अब लोग राजनीति को गंभीरता से लेने लगे हैं। मतदान प्रतिशत लगातार बढ़ रहा है क्योंकि लोग अब वोट देने के लिए घरों से बाहर निकल रहे हैं। साल 2014 के बाद देश में राजनीति को लेकर जागरूकता और ज्यादा बढ़ी है। पहले मेरे परिवार में राजनीति पर ज्यादा चर्चा नहीं होती थी, लेकिन अब मेरी मां भी राजनीति को फॉलो करती हैं।'' तुषार ने कहा, ''आज की युवा पीढ़ी का एक बड़ा हिस्सा काफी समझदार और जागरूक है। कई युवा देश की राजनीतिक स्थिति को अच्छे से समझते हैं और उस पर अपनी राय भी रखते हैं।''

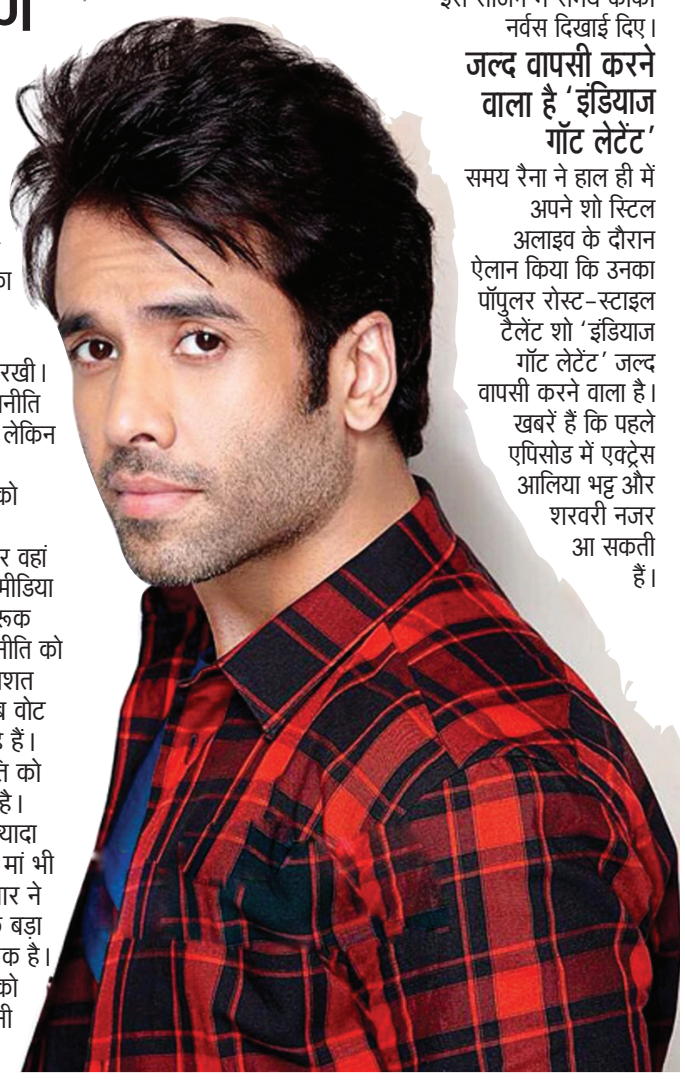

बॉबी देओल के साथ रिश्ते पर पूजा भट्ट ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड एक्टर बॉबी देओल और तान्या देओल की शादी 30 मई 1996 को हुई थी। फिलहाल दोनों खुशहाल जीवन बिता रहे हैं। लेकिन एक वक्त था, जब बॉबी देओल और पूजा भट्ट के रिलेशनशिप की चर्चा काफी होती थीं। अब हाल ही में पूजा भट्ट ने इस मामले पर चुप्पी तोड़कर बड़ा बयान दिया है।

पूजा भट्ट ने किए चौंकाने वाले खुलासे

विक्की ललवानी से बातचीत में पूजा ने कई खुलासे किए। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे और बॉबी प्यार में थे, तो उन्होंने कहा- 'बिल्कुल। ऐसा क्या है जिससे प्यार न हो?' अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए पूजा ने कहा, 'वो मेरी जिंदगी का एक बहुत ही खास और खूबसूरत समय था, और वो एक बहुत ही अच्छे इंसान थे जिनके साथ रहना अच्छा लगता था।'

ब्रेकअप की वजह बताने से किया इनकार

पूजा ने बताया कि समय के साथ वह और बॉबी अलग-अलग दिशाओं में आगे बढ़ गए। उन्होंने अपने ब्रेकअप की वजह बताने से साफ इनकार कर दिया। उनका कहना था कि किसी पुराने रिश्ते को आज के समय में सार्वजनिक रूप से तोड़ना-समझाना सही नहीं है, खासकर जब बॉबी आज अपनी फैमिली और करियर में आगे बढ़ चुके हैं।

हमने कभी इसे छुपाया नहीं

उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि आज बैठकर यह बात करना ठीक होगा कि हमारा रिश्ता क्यों खत्म हुआ या कैसा था... वो था। हमने कभी इसे छुपाया नहीं। आज वो शादीशुदा हैं, बड़े बच्चों के पिता हैं और उनके करियर में एक नया शानदार दौर चल रहा है। मुझे 'एनिमल' में उनका काम बहुत पसंद आया। मेरे लिए तो उन्होंने फिल्म में जान डाल दी। मैं उनके लिए बहुत खुश हूं।' रिश्ते को छोटा या हल्का नहीं बनाना चाहतीं पूजा ने आगे कहा कि वह अपने पुराने रिश्ते को छोटा या हल्का नहीं बनाना चाहतीं, इसलिए यह बताना जरूरी नहीं है कि वह क्यों नहीं चला। उन्होंने कहा, 'किसी के साथ बिताया हुआ समय बहुत मायने रखता है... हर चीज को 'क्यों नहीं चला' में बदलना जरूरी नहीं होता। वो चला, जब तक चला। बस। अपने आज और अपने साथ जुड़े लोगों के लिए गरिमा और सम्मान बनाए रखना बहुत जरूरी है।'

बॉबी देओल और पूजा भट्ट की पर्सनल लाइफ

बॉबी देओल ने 1996 में तान्या देओल से शादी की थी। उनके दो बेटे हैं- आर्यमान देओल और धरम देओल। वहीं पूजा भट्ट ने 2003 में मनीष माखीजा से शादी की थी, लेकिन 11 साल बाद दोनों अलग हो गए।

इस फिल्म में नजर आएंगे बॉबी

बॉबी देओल आने वाले समय में 'बंदर' फिल्म में नजर आएंगे। अनुराग कश्यप निर्देशन 'बंदर' की कहानी सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने लिखी है। निखिल द्विवेदी इसके प्रोड्यूसर हैं। इस फिल्म में बॉबी देओल के अलावा सान्या मल्होत्रा, सपना पब्बी, सबा आजाद, इंद्रजीत सुकुमारन, जितेंद्र जोशी, राज बी. शेट्टी और नागेश भोंसले जैसे एक्टर्स भी नजर आएंगे। 'बंदर' 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

नॉर्वे चेस 2026: गुकेश और दिव्या हारे

नॉर्वे चेस 2026: कार्लसन ने दर्ज की बड़ी जीत

ओस्लो । नॉर्वे चेस 2026 के छठे राउंड में कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर रही, जिससे खिताब की दौड़ और दिलचस्प हो गई है। पुरुष वर्ग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने टूर्नामेंट लीडर अलीरेजा फिरोजा को हराकर बड़ी जीत दर्ज की। सफेद मोहरों से खेलते हुए कार्लसन ने पूरे मुकाबले में दबाव बनाए रखा और बाद के चरण में अपनी बढ़त का फायदा उठाकर जीत हासिल की। यह फिरोजा की टूर्नामेंट में पहली क्लासिकल हार रही। एक अन्य मुकाबले में वेस्ली सो ने भारत के युवा ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानंदा को हराया। लंबा चला यह मुकाबला काफी संघर्षपूर्ण रहा, लेकिन एंडगेम में वेस्ली ने बेहतर खेल दिखाते हुए पूरे तीन अंक हासिल किए। इस जीत के साथ वह अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए हैं।

वहीं, मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश को जर्मनी के विंसेंट कीमर के हाथों हार का सामना करना पड़ा। कीमर इस मुकाबले में गुकेश पर शुरुआत से ही हावी रहे और वह अपने दमदार खेल को अंत तक बरकरार रखने में सफल रहे। विंसेंट ने गुकेश को वापसी करने का मौका नहीं दिया और शानदार जीत दर्ज की।

छठे राउंड के बाद वेस्ली सो पहले स्थान पर हैं, जबकि अलीरेजा फिरोजा उनके करीब बने हुए हैं। मैग्नस कार्लसन की जीत से खिताब की दौड़ और रोमांचक हो गई है। महिला वर्ग में मौजूदा विश्व चैंपियन वेनजुन ने भारत की दिव्या देशमुख को हराकर दिन की एकमात्र क्लासिकल जीत दर्ज की। जू वेनजुन ने धैर्य के साथ खेलते हुए एंडगेम में बढ़त हासिल की और मुकाबला अपने नाम किया। दूसरी ओर, बिबिसारा असौबायेवा ने आर्मागेडन मुकाबले में जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए और महिला वर्ग में फिर से शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं। छह राउंड के बाद असौबायेवा 9.5 अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं, जबकि दिव्या देशमुख 8.5 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर बनी हुई हैं।

एना मुजिचुक और झू जिनर के बीच खेला गया मैच काफी बराबरी का रहा। दोनों खिलाड़ियों ने अच्छा खेल दिखाया और कोई भी बढ़त नहीं बना सका, इसलिए क्लासिकल गेम ड्रॉ पर खत्म हुआ। इसके बाद आर्मागेडन गेम खेला गया, जिसमें झू जिनर ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए शानदार जीत हासिल की। जीत हासिल की। इस जीत से उन्हें अतिरिक्त अंक मिले।

आईपीएल 2026 वैभव बने मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर

किसे मिला कौन-सा अवॉर्ड?

अहमदाबाद। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आईपीएल 2026 का 'मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर' चुना गया है। इसके साथ ही उन्हें इस सीजन में 776 रन बनाने के लिए 'ऑरेंज कैप' भी मिली। आईपीएल 2026 की समाप्ति के बाद 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' वैभव ने कहा, 'मुझे अच्छा लग रहा है, लेकिन इंटरव्यू देना पड़ रहा है, इसलिए थोड़ा दबाव महसूस हो रहा है। आप प्रत्येक मैच एक ही तरीके से नहीं खेल सकते। अगर मुझे चोट से बचना है, तो मुझे अपनी फिटनेस पर काम करना होगा। हर कोई बहुत मददगार है। सभी सीनियर खिलाड़ी, सपोर्ट स्टाफ, हर कोई मेरा साथ देता है और यहां का माहौल बहुत अच्छा है।'

एक ओर वैभव ने 'ऑरेंज कैप' हासिल की, जबकि दूसरी तरफ कगिसो रबाडा ने इस सीजन में 29 विकेट लेने के लिए 'पर्पल कैप' अपने नाम की।

पंजाब किंग्स को 'फेयरप्ले अवॉर्ड' मिला। मनीष पांडे को 'कैच ऑफ द सीजन' का अवॉर्ड मिला, जिन्होंने बैकवर्ड प्वाइंट पर एक शानदार कैच लेकर टिम डेविड को आउट किया था। मोहम्मद सिराज को इस सीजन में सर्वाधिक 'डॉट बॉल' (172) फेंकने के लिए अवॉर्ड मिला।

साई सुदर्शन को इस सीजन में सर्वाधिक 'चौके' (75) लगाने के लिए अवॉर्ड मिला। वैभव सूर्यवंशी को 'इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन', 'सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन' (237.3) और 'सुपर सिक्सेस ऑफ द सीजन' (72) के अवॉर्ड मिले।

आईपीएल 2026 का फाइनल मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया, जिसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 5 विकेट से जीत हासिल की। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात टाइटंस ने 8 विकेट खोकर 155 रन बनाए। इस टीम के लिए वॉशिंगटन सुंदर ने 50 रन की नाबाद पारी खेली।

कोहली की क्लास, भुवनेश्वर का चला जादू

आरसीबी को चैंपियन बनाने में इन 5 खिलाड़ियों ने निभाई अहम भूमिका

नई दिल्ली । रजत पाटीदार की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने वो कर दिखाया, जो आईपीएल के इतिहास में सिर्फ चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस की टीम ही कर सकी हैं। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में आरसीबी ने गुजरात टाइटंस को फाइनल में 5 विकेट से हराते हुए लगातार दूसरी बार आईपीएल की ट्रॉफी को अपने नाम किया। आइए आपको उन 5 खिलाड़ियों के नाम बताते हैं, जिनके बूते खिताब का बचाव करने में सफल रही आरसीबी।

कोहली की विराट पारी

आरसीबी के लिए विराट कोहली कितने मायने रखते हैं, यह बात वह हर सीजन अपने प्रदर्शन से साबित करके दिखाते हैं। आईपीएल 2026 में भी कोहली का बल्ला खूब गरजा, और वह टीम की ओर से सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। 37 वर्षीय विराट ने 16 मुकाबलों में 165 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 675 रन बनाए। वहीं, फाइनल मैच में भी उन्होंने 42 गेंदों में 75 रनों की नाबाद पारी खेली।

रजत पाटीदार

कप्तानी के साथ-साथ रजत पाटीदार ने आरसीबी के लिए बल्ले से भी अहम योगदान दिया। पहले क्वालीफायर मुकाबले में मुश्किल में फंसी नजर आ रही आरसीबी टीम की नैया को पार लगाने वाले बल्लेबाज कप्तान रजत ही रहे, जिन्होंने महज 33 गेंदों में 93 रनों की आतिशी पारी खेली। रजत हर मुश्किल समय में विपक्षी टीम के सामने चट्टान की तरह खड़े रहे।

भुवनेश्वर कुमार

आरसीबी को लगातार दूसरी बार चैंपियन बनाने में भुवनेश्वर कुमार का रोल काफी अहम रहा। भुवनेश्वर ने न सिर्फ पावरप्ले में टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई, बल्कि अंत के ओवरों में भी अहम मौकों पर विकेट चटकाए। उन्होंने इस सीजन में खेले 16 मुकाबलों में 28 विकेट अपने नाम किए।

रसिख सलाम

जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार के प्रदर्शन के आगे भले ही रसिख सलाम का योगदान पीछे छुप गया, लेकिन 26 वर्षीय इस युवा तेज गेंदबाज ने अपनी गेंदबाजी से आईपीएल 2026 में खासा प्रभावित किया। रसिख ने इस सीजन 19 विकेट निकाले और उनका सबसे बेहतरीन प्रदर्शन फाइनल मैच में ही आया। खिताबी मुकाबले में रसिख ने 4 ओवर में सिर्फ 27 रन देकर 3 विकेट निकाले।

देवदत्त पडिक्कल

आरसीबी का यह बल्लेबाज इस सीजन विराट कोहली के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चला। पडिक्कल ने 16 मुकाबलों में 168 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 464 रन बनाए। उन्होंने इस सीजन तीन अर्धशतक लगाए। नंबर तीन की पोजीशन पर पडिक्कल का प्रदर्शन दमदार रहा और उन्होंने आरसीबी के मध्यक्रम पर दबाव नहीं आने दिया।

180-190 का स्कोर अच्छा रहता, आरसीबी से फाइनल हारने के बाद बोले जीटी कप्तान शुभमन गिल

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 का खिताब जीत लिया है। रविवार को हुए फाइनल मुकाबले में आरसीबी ने गुजरात टाइटंस (जीटी) को 5 विकेट से हराकर खिताब जीता। आरसीबी का यह लगातार दूसरा खिताब है। वहीं, कप्तान के रूप में अपना पहला आईपीएल खिताब जीतने और जीटी को दूसरा खिताब दिलाने की कोशिश में लगे गिल को निराशा हाथ लगी है। मैच के बाद जीटी के कप्तान गिल ने कहा, 'अगर हम 180-190 के आस-पास पहुंच जाते, तो यह एक अच्छा मैच होता। पहले तीन-चार ओवरों में तेज गेंदबाजों को थोड़ी मदद मिलती है, और शुरुआती कुछ विकेट गिरने के बाद हमारी लय टूट गई। हमने पावरप्ले में 15-20 रन ज्यादा दे दिए। मुझे लगता है कि हम इस टूर्नामेंट की सबसे बेहतरीन गेंदबाजी टीमों में से एक थे। शुरुआती कुछ मैच हारने के बाद हमने जबरदस्त वापसी की। मैं बहुत खुश हूं। हम जीत की मंजिल तक नहीं पहुंच पाए, लेकिन अगर हम ट्रॉफी जीत भी जाते, तब भी सुधार की गुंजाइश हमेशा बनी रहती।'

शुभमन गिल का बल्ला फाइनल में नहीं चला, लेकिन टूर्नामेंट में वह अपनी टीम के लिए बेहतरीन रहे। फाइनल में 10 रन बनाकर आउट हुए गिल ने टूर्नामेंट के 16 मैचों की 16 पारियों में 732 रन बनाकर वैभव सूर्यवंशी के बाद दूसरे स्थान पर रहे। गिल ने दूसरे क्वालीफायर में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शतक लगाकर जीटी को फाइनल में पहुंचाया था। 2022 में खिताब जीतने वाली जीटी अपना तीसरा फाइनल खेल रही थी। आईपीएल 2026 के फाइनल पर नजर डालें तो टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जीटी ने 8 विकेट पर 155 रन बनाए।

फाइनल में विराट कोहली ने लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी

यादगार छक्के से बनाया आरसीबी को चैंपियन

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 के खिताब को अपने नाम किया। आरसीबी ने फाइनल मुकाबले में गुजरात टाइटंस (जीटी) को 5 विकेट से हराया। फाइनल मैच में आरसीबी की जीत के नायक विराट कोहली रहे। कोहली ने 42 गेंदों में नाबाद 75 रनों की दमदार पारी खेली और टीम को लगातार दूसरी बार चैंपियन बनाने में अहम किरदार निभाया। कोहली ने इस पारी के दौरान कई बड़े रिकॉर्ड्स भी अपने नाम किए।

विराट कोहली ने अपने आईपीएल करियर का सबसे तेज अर्धशतक गुजरात टाइटंस के खिलाफ फाइनल मुकाबले में लगाया। कोहली ने अपना अर्धशतक सिर्फ 25 गेंदों में पूरा किया। यह आईपीएल के फाइनल मुकाबले में संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज अर्धशतक भी रहा। कोहली ने 75 रनों की नाबाद पारी में 9 चौके और 3 छक्के लगाए। विराट का प्रदर्शन इस पूरे सीजन शानदार रहा और वह आरसीबी की तरफ से

आईपीएल 2026 में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। कोहली ने इस सीजन 16 मुकाबलों में 165 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 675 रन बनाए।

कोहली लगातार चार सीजन में 600 से अधिक रन बनाने वाले आईपीएल इतिहास के पहले बल्लेबाज बने। विराट को उनके दमदार प्रदर्शन के लिए 'मैन ऑफ द मैच' भी चुना गया। विराट ने आईपीएल फाइनल में मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने।

उन्होंने यह अवॉर्ड 37 साल 207 दिन की उम्र में जीता।

विराट कोहली ने आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा के खिलाफ कुल 82 रन बनाए, जो आईपीएल के एक सीजन में किसी भी बल्लेबाज द्वारा किसी गेंदबाज के खिलाफ बनाए गए सर्वाधिक रन हैं।

आरसीबी के चैंपियन बनने पर बोले क्रुणाल

11 साल में 5 ट्रॉफी जीतना मेरे लिए बहुत खास है

अहमदाबाद। रजत पाटीदार की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 के खिताब को अपने नाम किया। आरसीबी ने फाइनल मुकाबले में गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हराया। क्रुणाल पांड्या ने आरसीबी के आईपीएल खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने का श्रेय वर्षों के सब्र और प्लानिंग को दिया। क्रुणाल ने अपने करियर में पांचवीं बार आईपीएल ट्रॉफी जीतने पर भी खुशी जाहिर की और इसे बड़ी उपलब्धि बताया। पिछले दो सीजन में आरसीबी के लिए बल्ले और गेंद से अहम भूमिका निभाने वाले क्रुणाल ने माना कि हर चैंपियनशिप उनके करियर में एक खास जगह रखती है और उनकी तुलना करना लगभग नामुमकिन है। जीत के बाद क्रुणाल ने कहा, 'हर आईपीएल ट्रॉफी खास होती है। इसमें कोई शक नहीं है। यह बच्चों के होने जैसा है, है ना? आप चुन नहीं सकते। आईपीएल ट्रॉफी के साथ भी ऐसा ही है क्योंकि सब कुछ बहुत मेहनत से कमाया जाता है।' अनुभवी ऑलराउंडर ने 11 सीजन में पांचवीं बार आईपीएल ट्रॉफी उठाने के बाद अपनी व्यक्तिगत उपलब्धि पर बात करते हुए कहा, 'मैं बहुत खुश और शुक्रगुजार हूं कि 11 सालों में पांच ट्रॉफी जीत पाया; यह मेरे लिए बहुत खास है।' क्रुणाल ने कहा कि टीम की लगातार सफलता का बड़ा श्रेय फ्रेंचाइजी के मैनेजमेंट और कोचिंग स्टाफ को जाता है। उन्होंने बताया कि मो बोबट, एंडी फ्लावर, दिनेश कार्तिक, मालोलन रंगराजन और ओमकार साल्वी ने टीम को मजबूत बनाने के लिए बहुत मेहनत की।

उन्होंने कहा कि पिछले साल ऑक्शन से पहले ही पूरी तैयारी कर ली गई थी और खिलाड़ियों का चयन सोच-समझकर किया गया था।

ढोल की थाप पर नाचे कोहली और क्रुणाल

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 के खिताब पर कब्जा जमाया। नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में आरसीबी ने गुजरात टाइटंस (जीटी) को 5 विकेट से हराया। खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने के बाद आरसीबी के ड्रेसिंग रूम में जमकर जश्न मना। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु द्वारा अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में क्रुणाल पांड्या और विराट कोहली ढोल की धुन पर जमकर नाचते हुए दिखाई दिए। इस दौरान क्रुणाल के हाथ में आईपीएल की ट्रॉफी भी मौजूद रही।

दिल्ली में 45 साल पुराने मकानों को ढहाया, होटल-दुकान समेत 143 इमारतें ध्वस्त; अर्धसैनिक बलों की 10 कंपनी तैनात

नई दिल्ली, एजेंसी। भारी पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती के बीच शालीमार गांव में 45 साल पुराने अवैध कब्जों को ध्वस्त कर दिया। 14 घंटे से ज्यादा समय चली इस कार्रवाई के दौरान दर्जनभर बुलडोजर की मदद से 143 इमारतों व ढांचों में से अधिकांश को ढहा दिया गया, इनमें ज्यादातर बहुमंजिला भवन हैं। इमारतों में 40-50 दुकानों के अलावा कुछ होटल भी चल रहे थे। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अर्ध सैनिक बलों की 10 कंपनी तैनात की गईं। आजादपुर अंडरपास से मैक्स अस्पताल रोड सुबह चार बजे से लेकर रात आठ बजे तक आवाजाही के लिए पूर्णतः बंद रहा। पल-पल की गतिविधि पर नजर रखने के लिए गांव के आसमान पर दिनभर ड्रोन मंडराते रहे। डीडीए, पीडब्ल्यूडी, राजस्व, नगर निगम, पुलिस समेत कई एजेंसियों के अधिकारी-कर्मचारियों की संयुक्त टीम की देखरेख में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के विधानसभा क्षेत्र के शालीमार गांव में बनीं अवैध इमारतों पर रविवार तड़के चार बजे बुलडोजर कार्रवाई शुरू हुई।

पुलिस ने कल देर रात को शालीमार गांव में आजादपुर अंडरपास से लेकर मैक्स अस्पताल टी-प्वाइंट तक रोड को दोनों ओर बैरिकेडिंग लगाकर बंद कर दिया। अवैध निर्माण वाली जगह की चारों ओर से घेराबंदी की गई। इस जगह तक मीडिया समेत किसी को भी जाने की इजाजत नहीं थी।

दिनभर अवैध ढांचे गिराने का काम चलता रहा। शाम छह बजे तक 143 अवैध इमारतों में से ज्यादातर को ढहा दिया गया। गत 10 जनवरी को किए गए संयुक्त सर्वेक्षण में पाया गया कि निर्धारित 30 मीटर राइट आफ-वे के भीतर कुल 143 अनधिकृत पक्के निर्माण पाए गए हैं, इनमें लगभग 19.5 मीटर क्षेत्र में मौजूदा सड़क है, जबकि लगभग 10.5 मीटर क्षेत्र अतिक्रमण के कारण अवरुद्ध है।

लोगों ने खुद अवैध निर्माण तोड़े

बता दें कि राजस्व विभाग ने इस क्षेत्र में बनी लगभग 143 इमारतों को खाली करने के लिए 30 मई तक का अल्टीमेटम दिया था। 29 मई को सुप्रीम कोर्ट ने राहत देने से इन्कार कर दिया था। इसी दिन से लोगों ने खुद अवैध निर्माण तोड़ने शुरू किए, इस दौरान बड़ी संख्या में लोग अपना सामान समेट कर अन्यत्र चले गए। इस बीच, उत्तर पश्चिम दिल्ली जिले की डीसीपी आकांक्षा यादव ने हालात का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्षेत्र में अर्धसैनिक बलों की 10 कंपनी तैनात की गई हैं। ड्रोन से निगरानी की जा रही है। मध्य-उत्तर जिले के डीएम एसएस परिहार ने बताया कि दिल्ली सरकार ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए प्रभावित पात्र परिवारों के लिए विशेष सहायता पैकेज भी घोषित किया है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के न्यू अशोक नगर में झपटमारी करने वाला बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यू अशोक नगर इलाके में चोरी के वाहन से झपटमारी करने वाले बदमाश

को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान कोंडली निवासी रोहित उर्फ लाला के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की एक बाइक बरामद की है। आरोपित की गिरफ्तारी से स्नैचिंग और वाहन चोरी के कुल चार मामलों को सुलझाने का दावा किया है। पुलिस ने बताया कि न्यू अशोक नगर थाने में एक महिला ने झपटमारी की ऑनलाइन शिकायत दर्ज करवाई थी। महिला ने बताया था कि वह न्यू अशोक नगर मेट्रो स्टेशन से घर लौट रही थी, तभी पीछे से मोटरसाइकिल पर आए एक बदमाश ने उसका मोबाइल फोन झपट लिया और फरार हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना न्यू अशोक नगर की टीम ने जांच शुरू की। एसएचओ के निर्देशन में गठित पुलिस टीम ने घटना स्थल और आसपास के इलाकों में लगे करीब 100 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी निगरानी और स्थानीय खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस आरोपी तक पहुंचने में सफल रही। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि जिस मोटरसाइकिल का इस्तेमाल स्नैचिंग में किया गया था, वह चोरी की थी। यह बाइक कल्याणपुरी थाना क्षेत्र से चोरी हुई थी और उसके संबंध में पहले से ई-एफआईआर दर्ज थी। पुलिस ने फुटेज से आरोपित की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया।

खाली कराया जाएगा यमुना बाजार घाट, 300 से ज्यादा आशियाने... 15 दिन का अल्टीमेटम खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। जून माह में कभी भी कश्मीरी गेट स्थित यमुना बाजार घाट के किनारे रहने वाले पंडों को हटाने की प्रक्रिया

शुरू हो सकती है। डीडीए की तरफ से इस संबंध में दी गई 15 दिन की मोहलत 30 मई को खत्म हो गई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समेत अन्य जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर उन्होंने घाट के 300 मीटर के दायरे में अपने पुनर्वास की मांग की थी, लेकिन अब तक इस पर कोई निर्णय नहीं हो सका है। इस बीच, पंडा एसोसिएशन हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। शुक्रवार को मामले में सुनवाई में कोर्ट ने पंडों को कोई सीधी राहत नहीं दी है। जिला प्रशासन ने डीएमए एक्ट के तहत नोटिस जारी कर 300 से अधिक आवासों को खाली करने का आदेश दिया है। नोटिस में ओ जोन में बसावट को अवैध बताते हुए उनके लिए 15 दिन का नोटिस दिया था। उसकी मियाद तो 15 मई को पूरी हो गई थी। इसके बाद डीडीए ने घाट के किनारे से लोगों को जाने के लिए अतिरिक्त 15 दिन (30 मई) का समय दिया था। अब यह अवधि भी बीत चुकी है। इसके पहले उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू व मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यमुना बाजार क्षेत्र का निरीक्षण कर इसके कायाकल्प पर जोर दिया था। सरकार की योजना यहां स्थित 30 घाटों के सुंदरीकरण व हरियाली के साथ मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की है। वहीं, यहां रहने वाले पंडों का कहना है कि वह कई पीढ़ियों से यहां रहते आए हैं। इसलिए उन्हें नहीं हटाया जाए। जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि इस मामले में वह डीडीए व संबंधित निकायों के आदेश पर अमल करेंगे।

एसडीएम के आदेश पर 24 घंटे में खाली हुआ अवैध रसायन गोदाम, ग्रामीणों को मिली राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। करावल में आवासीय क्षेत्र में अवैध रूप से चल रहे रसायन के गोदाम को 24 घंटे के भीतर खाली करने के एसडीएम के आदेश पर रविवार को अमल हुआ। संचालक ने गोदाम से रसायन व अन्य सामान उठा लिया है। एसडीएम ने गोदाम खाली करने के अलावा 72 घंटे के अंदर गोदाम संचालन संबंधित विभागीय अनुमति और फायर एनओसी प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए हैं। एसडीएम ने शनिवार शाम गोदाम संचालक को जारी किया और अवैध रूप से रसायन के भंडारण को मानव जीवन व सेहत के लिए खतरनाक बताया। नोटिस में 24 घंटे के भीतर गोदाम खाली करने और 72 घंटे में अनुमति संबंधित कागजात पेश करने को कहा। इस क्रम में दोपहर को संचालक ने गोदाम खाली करने शुरू किया। बता दें कि शुक्रवार को 12 घंटे के भीतर इस गोदाम में दो बार आग लगी। दिन में 12 बजे लगी आग के बाद धुएं और गैस के गुबार ने आसपास के घरों को अपने आगोश में ले लिया। धुएं और गैस से ग्रामीणों को सांस लेने में दिक्कत, उल्टी-दस्त की शिकायत हुई। कोई अप्रितय घटना न हो, इसलिए एहतियात के तौर बच्चों को अपनी रिश्तेदारियों में भेज दिया।

कोई महिला आजीविका के लिए वेश्यावृत्ति करे, तो वह जगह कोठा नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने दिया 298 पन्नों का फैसला

वेश्यावृत्ति को लेकर कानूनी अस्पष्टता

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने 70 साल पुराने अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम का गहन विश्लेषण करने के बाद एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है।

आजीविका के एक संगठित माध्यम के रूप में इस्तेमाल करने पर रोक लगाना है।

वेश्यालय से छुड़ाई गई महिलाओं के पुनर्वास के मुद्दे पर सुनवाई करते हुए पीठ ने 1956 के इस अधिनियम का गहराई से विश्लेषण किया। अदालत ने बताया कि 20वीं सदी की शुरुआत में वेश्यावृत्ति के लिए महिलाओं की तस्करी बहुत आम थी और समाज में इसे अनैतिक माना जाता था, यही वजह है कि यह शब्द इस कानून के नाम के साथ जुड़ गया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आईटीपीए मुख्य रूप से अपराधियों और तस्करों को सजा देने के लिए लाया गया था, न कि खुद वेश्यावृत्ति करने वाली महिलाओं को दंडित करने के लिए। जस्टिस पारदीवाला द्वारा लिखे गए 298 पन्नों के इस फैसले में स्पष्ट किया गया कि अधिनियम की धारा 7 और 8 इस सामान्य नियम के अपवाद हैं। ये धाराएं विशेष परिस्थितियों में वेश्यावृत्ति के व्यक्तिगत कृत्यों को दंडित करती हैं कि धारा 7 सार्वजनिक स्थानों के करीब वेश्यावृत्ति में शामिल होने वाले किसी भी व्यक्ति को दंडित करती है। वहीं, धारा 8 सार्वजनिक स्थानों पर ग्राहकों को रिझाने या बुलाने को अपराध मानती है। पीठ ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि हालांकि वेश्यावृत्ति के व्यक्तिगत कृत्यों को सीधे तौर पर पूरी तरह प्रतिबंधित नहीं किया गया है, लेकिन सार्वजनिक शालीनता और सामाजिक नैतिकता को बनाए रखने के लिए यह जरूरी है। प्रयासों को रोका जाए ताकि जनता को असुविधा न हो। अदालत ने स्पष्ट किया कि वह न तो वेश्यावृत्ति को पूरी तरह से अदालत ने कहा कि इस कानून का मुख्य उद्देश्य न तो वेश्यावृत्ति को पूरी तरह से खत्म करना है और न ही इसे आपराधिक अपराध बनाना है, बल्कि इसका असली मकसद वेश्यावृत्ति के व्यावसायीकरण पर लगाम लगाना है। जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि हम इस बात को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं कि वेश्यावृत्ति को खत्म करना या इसे आपराधिक अपराध बनाना इस अधिनियम का मुख्य उद्देश्य नहीं है। बल्कि, इसका उद्देश्य वेश्यावृत्ति के व्यावसायीकरण को रोकना या समाप्त करना है, यानी वेश्यावृत्ति को अपराध घोषित करने की वकालत कर रही है और न ही इसे पूरी तरह से अनियंत्रित छोड़ने की बात कह रही है। कोर्ट ने कहा कि हम सिर्फ यह समझाना चाहते हैं कि विधायी उद्देश्य वेश्यावृत्ति के सभी कृत्यों की निंदा करना नहीं है। हालांकि, इसकी परिभाषा में कुछ अस्पष्टता जरूर है, क्योंकि इसे पूरी तरह से केवल शोषणकारी या अपमानजनक रूप में ही चित्रित किया जाता है। अधिनियम की धारा 2 में दिए गए वेश्यागृह शब्द की परिभाषा की जांच करते हुए पीठ ने एक बेहद महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण दिया।

दिल्ली की सड़कों पर की गई हरियाली भगवान भरोसे, पीडब्ल्यूडी की लापरवाही उजागर

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल दिल्ली को प्रदूषण से बचाने के लिए जिस हरियाली पर जोर दिया जा रहा है, इस शहर में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा सड़कों पर की गई हरियाली भगवान भरोसे है। रखरखाव की जाने वाली दिल्ली की प्रमुख सड़कों पर की गई हरियाली को बचाने के लिए पानी देने के नाम पर खानापूर्ति हो रही है। ऐसे में कई जगह हरियाली और झाड़ियां सूख चुकी है, इन्हें तैयार करने पर विभाग की मेहनत और पैसे पर पानी फिर रहा है। उधर विभाग का है दावा हरियाली बचाने के लिए नियमित पानी दिया जा रहा है, मगर तापमान अधिक होने के कारण इसे नुकसान हो रहा है। पीडब्ल्यूडी की बात करें तो इस

विभाग के पास 1440 किलोमीटर लंबी सड़के हैं जो दिल्ली की प्रमुख सड़के हैं, इन सब सड़कों की चौड़ाई 60 फीट से अधिक है इनमें कई ऐसी सड़के हैं जिनको दिल्ली के आवागमन की रीढ़ माना जाता है, इनमें रिंग रोड और बाहरी रिंग रोड, बारापुला एलिवेडेट कॉरिडोर जैसे प्रमुख मार्ग भी शामिल हैं।

पर्यावरण की दृष्टि से शहर को बेहतर बनाने और सड़कों को सुंदर दिखने के लिए विभाग द्वारा हर साल बड़े स्तर पर इन सड़कों पर पौधारोपण किया जाता है। जिनमें नए पौधे और पेड़ के साथ-साथ झाड़ियां भी लगाई जाती हैं।

दिल्ली में स्कूल ऑफ प्लानिंग की बिल्डिंग में लगी आग, काबू पाने में जुटी दमकल की 8 गाड़ियां

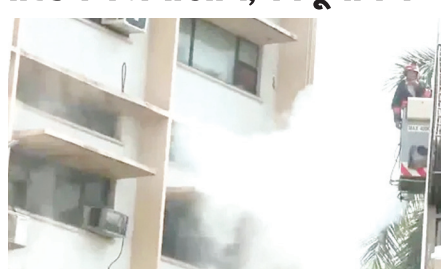

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में मुखर्जी नगर के बाद आईटीओ के पास भी एक बिल्डिंग में आग लग गई। यह आग स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर बिल्डिंग की दूसरी मंजिल पर लगी है। आग की सूचना पर आनन-फानन में दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। अभी आग पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, सुबह साढ़े 9 बजे के करीब पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट की इमारत के पास एक बिल्डिंग में अचानक आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते बिल्डिंग में आग लग गई।

चीन की मिसाइल से गिराया गया अमेरिकी लड़ाकू विमान, इस्राइल-ईरान तनाव के बीच रिपोर्ट में बड़ा दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अब चीन की भूमिका को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पिछले महीने ईरान के दक्षिण-पश्चिम इलाके में गिराए गए अमेरिकी एफ-15 लड़ाकू विमान को संभवतः चीन में बनी मिसाइल से निशाना बनाया गया था। इस दावे ने अमेरिका, चीन और ईरान के रिश्तों में नई हलचल पैदा कर दी है। हालांकि चीन ने इन आरोपों को खारिज करते हुए इसे बेबुनियाद बदनाम करने की कोशिश बताया है।

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी एफ-15ई स्ट्राइक ईगल विमान को कंधे पर रखकर दागी जाने वाली मिसाइल से मार गिराया गया था। इस तरह की मिसाइल को मैनपैड्स कहा जाता है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार यह कई दशकों में पहली बार था जब दुश्मन की गोलीबारी में कोई अमेरिकी लड़ाकू विमान गिरा। विमान में मौजूद दोनों अमेरिकी जवान सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे। पायलट को सात घंटे के भीतर बचा लिया गया, जबकि दूसरे अधिकारी को दो दिन बाद

पहाड़ी इलाके से निकाला गया।

चीन पर आखिर क्या आरोप लगे हैं? अमेरिकी सूत्रों का दावा है कि ईरान ने संभवतः चीन में बनी मिसाइल का इस्तेमाल किया। इसके अलावा यह भी आरोप है कि चीन ने ईरान को ऐसा लंबी दूरी का रडार सिस्टम भी दिया हो सकता है, जो स्टील्थ विमानों को पकड़ सकता है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक यह रडार उन विमानों को भी पहचान सकता है जो आम तौर पर रडार से बच निकलते हैं। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि यह सैन्य उपकरण हाल ही में दिए गए या पुराने हथियार भंडार का हिस्सा थे। मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले ही कह चुके हैं कि विमान को कंधे से दागी जाने वाली मिसाइल से निशाना बनाया गया था। वहीं विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि चीन को भी इस युद्ध को खत्म करने में भूमिका निभानी चाहिए, क्योंकि चीन ईरान के तेल का बड़ा खरीदार है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका चीन की मदद पर निर्भर नहीं है। ट्रंप ने दावा किया कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उन्हें भरोसा दिया है कि चीन ईरान को हथियार नहीं भेज रहा है। चीन के दूतावास ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। चीनी पक्ष ने कहा कि चीन सैन्य उत्पादों के निर्यात को लेकर बेहद सख्त नियमों का पालन करता है। चीन ने कहा कि वह अंतरराष्ट्रीय कानूनों और निर्यात नियंत्रण नियमों के अनुसार काम करता है। चीन ने अमेरिका पर बिना सबूत आरोप लगाने और गलत तरीके से उसका नाम जोड़ने का आरोप लगाया।

● कहा- सब कुछ कमांडरों के हाथ, सरकार बेबस

ईरान में संकटः राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने की इस्तीफे की पेशकश

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने सैन्य कमांडरों के बढ़ते दखल और सरकार के पंगु होने का आरोप लगाते हुए इस्तीफा दे दिया है। इस फैसले ने ईरान के सर्वोच्च नेतृत्व में रार को दुनिया के सामने ला दिया है, जिससे देश में बड़ा राजनीतिक गतिरोध पैदा हो गया है। ईरान की राजनीति से इस वक्त की सबसे बड़ी और चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने अपने पद से आधिकारिक तौर पर इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने अपना इस्तीफा सीधे सुप्रीम लीडर के दफ्तर को भेजा है। इस अप्रत्याशित कदम ने देश के शीर्ष नेतृत्व में मचे घमासान को सरेआम कर दिया है।

सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रपति पेजेशकियन ने अपने इस्तीफे में

बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने साफ लिखा है कि देश के बड़े और बेहद जरूरी फैसलों से राष्ट्रपति और सरकार को पूरी तरह अलग थलग कर दिया गया है। राष्ट्रपति के मुताबिक, इस हालात की वजह से जो खालीपन पैदा हुआ, उसका फायदा कट्टपंथी धड़ों ने उठाया। अब आईआरजीसी के कमांडर देश के तमाम मामलों को अपनी मर्जी से चला रहे हैं। पेजेशकियन ने कहा है कि मौजूदा हालातों में उनके लिए सरकार चलाना मुमकिन नहीं रह गया है। वे अपनी कानूनी जिम्मेदारियां निभाने में खुद को पूरी तरह असमर्थ पा रहे हैं। इसी वजह से उन्होंने बिना किसी देरी के तुरंत पद छोड़ने की मांग की है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि मोजतबा खामेनेई इस इस्तीफे को स्वीकार करेंगे या नहीं। लेकिन इस पत्र ने ईरान की सत्ता के शीर्ष पर मौजूद गहरी और अभूतपूर्व दरार को उजागर कर दिया है। यह बड़ा घटनाक्रम सरकार और सैन्य-सुरक्षा संस्थाओं के बीच महीनों से चल रहे तनाव का नतीजा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईआरजीसी ने धीरे-धीरे राष्ट्रपति के कई अधिकारों को सीमित कर दिया था। इसके बाद सरकार के अहम हिस्सों पर सीधे कब्जा कर लिया गया। जानकारों की मानें तो इसी वजह से पेजेशकियन प्रशासन पूरी तरह राजनीतिक और प्रशासनिक गतिरोध में फंस गया था।

शर्मनाक- कोर्ट में चल रही थी सुनवाई, बगल के चैंबर में महिला जज ने बनाए पुलिस अधिकारी से यौन संबंध

अटलांटा, एजेंसी। अमेरिका की न्याय व्यवस्था से एक बेहद हैरान और शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। अटलांटा के एकसंघीय न्यायालय की महिला जज पर आरोप है कि उन्होंने कोर्ट की कार्यवाही के दौरान ही अपने चैंबर (बगल के कमरे) में एक पुलिस अधिकारी के साथ कई बार यौन संबंध बनाए। इस दौरान कोर्ट रूम के बाहर मौजूद क्लर्कों और स्टाफ ने आपत्तिजनक आवाजें भी सुनीं, जिसके बाद इस पूरे मामले का भंडाफोड़ हुआ।

क्या है पूरा मामला? 11वें ज्यूडिशियल सर्किट की ज्यूडिशियल काउंसिल द्वारा की गई एक रिपोर्ट में यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस महिला फेडरल जज और एक शादीशुदा हाई रैंकिंग पुलिस अधिकारी के बीच लंबे समय से विवाह-बाह्य संबंध चल रहे थे। हद तो तब हो गई जब कोर्ट में मामलों की सुनवाई चल रही होती थी और यह महिला जज लंच ब्रेक के दौरान अपने चैंबर में उस पुलिस अधिकारी को बुला लेती थी। सुरक्षा कैमरों के फुटेज और लॉग बुक से यह साबित हुआ है कि वह अधिकारी अक्सर ड्यूटी की वर्दी में ही जज के कमरे में आता-जाता था।

क्लर्कों ने सुनी आवाजें, जज ने पहले बोला झूठ फिर मांगी माफी- इस अनएथिकल बिहेवियर का खुलासा तब हुआ जब जज के ही एक लॉ क्लर्क ने इसकी आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई। जांच के दौरान 6 क्लर्कों ने गवाही दी कि उन्होंने उस अधिकारी को अक्सर चैंबर में आते देखा था, जबकि तीन क्लर्कों ने जज के बंद कमरे से आने वाली आपत्तिजनक आवाजों को सुनने की पुष्टि की।

अमेरिका में फेडरल जजों की नियुक्ति जीवनभर के लिए होती है और उन्हें केवल संसद (कांग्रेस) में महाभियोग चलाकर ही पद से हटाया जा सकता है। इस मामले में ज्यूडिशियल समिति ने महिला जज के खिलाफ जो कार्रवाई की है, उसे कानूनी विशेषज्ञ बेहद हल्की मान रहे हैं।

पीएम बालेन शाह के भारतीय जमीन पर कब्जे वाले बयान पर बढ़ा विवाद

काठमांडू, एजेंसी। भारत-नेपाल सीमा विवाद को लेकर नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के बयान पर उठे विवाद के बाद अब नेपाल के विदेश मंत्रालय को सफाई देनी पड़ी है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि प्रधानमंत्री के 'नेपाल द्वारा भारतीय जमीन पर अतिक्रमण' वाले बयान का मतलब सरकारी कब्जा नहीं, बल्कि सीमा के पास दोनों देशों के लोगों द्वारा जमीन के इस्तेमाल और नो-मैन्स लैंड से जुड़े मुद्दे थे। इस बयान के बाद नेपाल में राजनीतिक और कूटनीतिक बहस और तेज हो गई है।

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने संसद में कहा था कि उन्हें जानकारी मिली है कि सिर्फ भारत ने ही नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया, बल्कि नेपाल की तरफ से भी कई जगह भारतीय जमीन का इस्तेमाल हुआ है। उनके इस बयान पर नेपाल में भारी विवाद शुरू हो गया था। इसके बाद विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि प्रधानमंत्री की टिप्पणी 'दसगजा' यानी नो-मैन्स लैंड और सीमा पार कब्जे से जुड़े मामलों को लेकर थी। मंत्रालय ने कहा कि इसे किसी सरकारी कब्जे के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

नेपाल के विदेश मंत्रालय ने सफाई में क्या कहा?

नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और नेपाल की मौजूदा सीमा 1816 की सुगौली संधि पर आधारित है। मंत्रालय ने कहा कि लिपुलेख, लिम्पियाधुरा, कालापानी और

सुस्ता जैसे कुछ क्षेत्र अब भी पूरी तरह सीमांकित नहीं हुए हैं। विदेश मंत्रालय के मुताबिक दोनों देश इन मुद्दों को बातचीत और कूटनीतिक माध्यम से सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मंत्रालय ने यह भी कहा कि कई सीमावर्ती इलाकों में दोनों देशों के लोगों द्वारा एक-दूसरे की जमीन का इस्तेमाल किया जाता रहा है।

दसगजा और सीमा पार कब्जे का क्या मतलब है?: नेपाल सरकार ने कहा कि 'दसगजा' उन नो-मैन्स लैंड क्षेत्रों को कहा जाता है जो सीमा स्तंभों के बीच खाली छोड़े जाते हैं। कई जगह सीमा स्तंभ टूट गए या गायब हो गए हैं, जिसके कारण जमीन को लेकर भ्रम की स्थिति बनती रही है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि कुछ मामलों में भारतीय सीमा के लोग नेपाली जमीन का इस्तेमाल करते हैं और कुछ मामलों में नेपाली लोग भारतीय जमीन का उपयोग करते हैं। प्रधानमंत्री का बयान इसी तरह के मामलों से जुड़ा था। भारत-नेपाल के बीच विवाद किन इलाकों को लेकर है? भारत और नेपाल के बीच कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को लेकर लंबे समय से सीमा विवाद चल रहा है। भारत का कहना है कि ये इलाके उत्तराखंड का हिस्सा हैं। वहीं नेपाल इन क्षेत्रों पर अपना दावा करता है। हाल ही में कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर भी दोनों देशों के बीच बयानबाजी हुई थी। भारत ने नेपाल के दावों को 'एकतरफा कृत्रिम विस्तार' बताया था और कहा था कि ऐसे दावे स्वीकार नहीं किए जा सकते।

एसआईआर को लेकर राजनीतिक दलों के साथ डीईओ सह डीसी की बैठक

06 जून तक सभी मतदान केंद्रों पर बीएलए नियुक्त करने का दिया निर्देश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सोमवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में मान्यता प्राप्त विभिन्न राजनीतिक दलों के जिलाध्यक्षों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने निर्वाचन प्रक्रिया को पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से सभी राजनीतिक दलों को जिले के कुल 1680 मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) की शत-प्रतिशत नियुक्ति सुनिश्चित करते हुए 06 जून 2026 तक सूची जिला निर्वाचन शाखा को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

एसआईआर कार्यक्रम को गंभीरता से लेने की अपील

बैठक में डीईओ सह डीसी ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। सभी राजनीतिक दल इसे गंभीरता से लें तथा निर्वाचन प्रक्रिया में सक्रिय सहयोग करें। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में किसी प्रकार की गड़बड़ी नहीं हो, इसके लिए निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ), सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (एईआरओ) एवं बूथ लेवल पदाधिकारी (बीएलओ) को सतर्क आवश्यक है। रहने का निर्देश दिया गया है। डीईओ सह डीसी ने कहा कि सभी पात्र मतदाताओं का नाम सूची में शामिल हो तथा अपात्र नामों का निष्पक्ष निष्कासन सुनिश्चित किया जाए, इसके लिए सभी संबंधित पक्षों की सहभागिता

एसआईआर-2026 की महत्वपूर्ण तिथियों की दी जानकारी

बैठक के दौरान जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रेमचंद सिन्हा ने एसआईआर-2026 से संबंधित महत्वपूर्ण तिथियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि -

- 20 जून से 29 जून 2026 तक : तैयारी, प्रशिक्षण एवं प्रिंटिंग कार्य।
- 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक : बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्र का वितरण एवं संग्रहण।
- 29 जुलाई 2026 तक : मतदान केंद्रों का पुनर्गठन।
- 05 अगस्त 2026 : प्रारूप (ड्राफ्ट) मतदाता सूची का प्रकाशन।
- 05 अगस्त से 04 सितंबर 2026 तक : दावे एवं आपत्तियां दर्ज करने की अवधि।
- 05 अगस्त से 03 अक्टूबर 2026 तक : नोटिस निर्गत करने एवं दावे-आपत्तियों के निस्तारण की प्रक्रिया।
- 07 अक्टूबर 2026 : अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन।निर्वाचन प्रक्रिया में सहयोग का आग्रह।

बैठक में उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप कार्य करते हुए मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग करने का आग्रह किया गया। मौके पर पुलिस अधीक्षक (एसपी) नाथू सिंह मीना, डीपीआरओ रवि कुमार,एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह, आजसू - कांग्रेस - भाजपा- बासपा- सीपीआइएम आदि के जिला अध्यक्ष उपस्थित थे।

झरिया में युवक की गला रेतकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भौरा ओपी क्षेत्र के काली मेला स्थित लाल बंगला छठ घाट के समीप एक युवक का शव बरामद हुआ। युवक की हत्या गला रेतकर किए जाने की आशंका है। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में लोगों की भारी भीड़ जुट गई। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। मृतक की पहचान मोहम्मद नौशाद अंसारी के 20 वर्षीय पुत्र मोहम्मद दिलशाद अंसारी के रूप में हुई है, जो झरिया के होरलाडीह नंबर-3 का निवासी बताया जा रहा है। शव मिलने की खबर के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। घटनास्थल से पुलिस ने एक हीरो पैशन प्रो मोटरसाइकिल, नंबर जेएच10 बीआर 1904, भी बरामद की है। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर साक्ष्य जुटाने का काम शुरू कर दिया है। मृतक के चाचा ने बताया कि घटना की जानकारी मोबाइल पर भेजी गई तस्वीर के जरिए मिली। तस्वीर देखने के बाद वे घटनास्थल पहुंचे और शव की पहचान दिलशाद अंसारी के रूप में की। परिजनों के अनुसार दिलशाद रविवार को घर से यह कहकर निकला था कि वह अपने दोस्त अमित के साथ कहीं जा रहा है, लेकिन सोमवार सुबह उसकी हत्या की सूचना मिली। परिजनों ने इसे सुनियोजित हत्या बताते हुए दोषियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। फिलहाल पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि दिलशाद आखिरी बार किन लोगों के साथ देखा गया था।

भारतीय इस्पात कर्मचारी संघ ने कर्मियों से जुड़े मुद्दे उठाए

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारतीय इस्पात कर्मचारी संघ का एक प्रतिनिधि मंडल ने संघ के महामंत्री प्रेम कुमार के नेतृत्व में आज अनुप कुमार दत्त, अधिशासी निदेशक (संकार्य) के साथ आयोजित वार्ता के दौरान कर्मचारियों के हितों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया। संघ के प्रतिनिधिमंडल ने विशेष रूप से प्लांट में कार्यरत कर्मचारियों का रोटेशन ट्रान्सफर प्लांट के बाहर भी सुनिश्चित करने की मांग की, ताकि कर्मचारियों को विविध कार्य अनुभव प्राप्त हो सके तथा उनके पेशेवर विकास के अवसर बढ़ें। संघ ने अपने पक्ष में तर्क देते हुए कहा कि वर्तमान व्यवस्था में लंबे समय तक एक ही स्थान पर कार्य करने से कर्मचारियों की कार्यक्षमता एवं नवीन अनुभव प्राप्त करने की संभावनाएँ सीमित हो जाती हैं। रोटेशन ट्रान्सफर की व्यवस्था लागू होने से न केवल कर्मचारियों का कौशल विकास होगा, बल्कि संगठन की कार्यप्रणाली में भी सकारात्मक सुधार आएगा। भारतीय इस्पात कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों ने यह भी कहा कि इस नीति से कर्मचारियों में संतुलन एवं पारदर्शिता बनी रहेगी तथा कार्यस्थल पर एक स्वस्थ वातावरण का निर्माण होगा।संघ ने मांग किया कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने की योजना लाया जाय, सभी विभागों के रोड का मरम्मत किया जाय, कर्मचारियों के हितों की रक्षा किया जाय, ओ एच एस मे डॉक्टर की संख्या को बढ़ाया जाय, अकुशल कामगार से कुशल प्रकार का काम नहीं लिया जाय, ठेका श्रमिकों को भी सुरक्षा सामग्री बी एस एल उपलब्ध करवाये आदि मुद्दे पर वार्ता हुई ' अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री अनुप कुमार दत्त ने संघ की मांगों को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि इस विषय पर प्रबंधन स्तर पर विचार किया जाएगा तथा उचित निर्णय लिया जाएगा। संघ ने उम्मीद जताई कि प्रबंधन कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए जल्द ही इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाएगा। वार्ता मे मुख्य रूप से महाप्रबंधक प्रभारी वी ऍम बक्षी, संघ के कार्यकारी अध्यक्ष शम्भू कुमार, एन के सिंह, संयुक्त महामंत्री सुरेंद्र महतो, मुकेश कुमार सिंह,राजेंद्र महतो, बी डी राम, अरुण कुमार शामिल हुए।

वर्तमान एवं भविष्य में बायोकेमिक होम्योपैथी के सामने आने वाले चैलेंज पर सेमिनार का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील सिटी में ऑल इंडिया बायोकेमिक डॉक्टर एसोसिएशन बोकारो के द्वारा चतुर्थ ऑल इंडिया बायोकेमिक साईंटिफिक कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। बायोकेमिक होम्योपैथी डॉक्टरों का एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में आधुनिक चिकित्सा में उपयोगिता पर चर्चा हुई। बायोकेमिक होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने और आधुनिक स्वास्थ्य प्रणाली में इसके महत्व को रेखांकित करने के उद्देश्य से आज एक एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कॉन्फ्रेंस में देश के कई राज्यों के जाने-माने बायोकेमिक डॉक्टरों, शोधकताओं और चिकित्सा विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। सेमीनार का मुख्य उद्देश्य जटिल और पुरानी बीमारियों के इलाज में बायोकेमिक दवाओं के सटीक उपयोग और इसके वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर गहराई से चर्चा करना था। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और डॉ सुशलर चित्र पर पुष्पांजलि के साथ हुई। चिकित्सा पद्धतियों के समन्वय पर जोर सम्मेलन के विभिन्न सत्रों में विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि मानव शरीर में खनिज लवणों के असंतुलन को दूर करने में बायोकेमिक चिकित्सा बेहद प्रभावी है। वरिष्ठ वक्ताओं ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत करते हुए बताया कि कैसे यह पद्धति बिना किसी दुष्प्रभाव के मरीजों को जड़ से स्वस्थ बनाने में मदद करती है। डॉक्टरों ने सटीक निदान आधुनिक जीवनशैली से उत्पन्न बीमारियों (जैसे डायबिटीज, थायराइड और मानसिक तनाव) में बायोकेमिक दवाओं की भूमिका पर विशेष रूप से चर्चा की। कहा कि सस्ता और सुलभ इलाज, ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों तक इस सुरक्षित चिकित्सा पद्धति को पहुँचाना। एकीकृत चिकित्सा बायोकेमिक के समन्वय से मरीजों को त्वरित राहत देना लक्ष्य होना चाहिए। सेमिनार के अंतिम सत्र में चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले डॉक्टरों को मोमेंटो से सम्मानित किया गया। उपस्थित युवा डॉक्टरों और मेडिकल छात्रों के लिए यह सत्र बेहद प्रेरणादायक रहा, जहाँ उन्हें अनुभवी दिग्गजों से सीधे संवाद करने और उनके केस स्टडीज से सीखने का अवसर मिला। आयोजन समिति के अध्यक्ष ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, यह एक दिवसीय सेमिनार बायोकेमिक होम्योपैथी के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होगा। हमारा लक्ष्य इस चिकित्सा पद्धति को वैज्ञानिक रूप से और अधिक सुदृढ़ करना है ताकि आम जनता का भरोसा इस पर और बढ़ सके। यह सेमिनार न केवल ज्ञान के आदान-प्रदान का एक बेहतरीन मंच रहा, बल्कि इसने भविष्य में इस क्षेत्र में होने वाले नए शोध और क्लिनिकल ट्रायल्स के लिए एक नई दिशा भी तय की है। इस कार्यक्रम में डॉ ए बी महतो, डॉ निजामुद्दीन मंडल, डॉ राहुल कुमार ,डॉ कमल किशोर डॉ एम हक, डॉ डी महतो, डॉ पंकज, डॉ योगेंद्र कुमार चौधरी, डॉ राजीव महतो, डॉ मंडोडरी सिंह, डॉ ए रहमान, डॉ विनोद गोस्वामी, डॉ संजय कुमार शर्मा, डॉ राजू कुमार मंडल, डॉ आर के झा, डॉ आर के चौहान, डॉ चंदन कुमार, डॉ धनेश्वर महतो, डॉ कैलाश कुमार, डॉ नंदलाल, डॉ बसंत कुमार, डॉ दुलारचंद कुमार, डॉ महफूज आलम, डॉ निशांत डॉ बैजनाथ, डॉ आशा रानी, डॉ दीपशिखा, डॉ पिंकी चक्रवर्ती, डॉ दीपाली कुमारी, डॉ विशाखा रानी, डॉ संध्या रानी, डॉ सहाना परवीन, डॉ नुसरत प्रवीण, डॉ नीलोफर परवीन, डॉ बसंती कुमारी, डॉ अश्विन प्रवीण, डॉ उर्मिला, डॉ सरिता कुमारी सहित कई लोग शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार

ब्रह्मेश्वर मुखिया का मनाया गया शहादत दिवस

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। स्वामी सहजानंद सेवा समाज, चास बोकारो की तरफ से किसानों के मसीहा जन जन के नायक शाहिद मुखिया ब्रह्मेश्वर बाबा का शहादत दिवस मनाया गया। 01जून 2012 को गोली मारकर कर उन्हें शाहिद कर दिया गया था। बरमेश्वर मुखिया अमर रहे का नारा लगाए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वामी सहजानंद सरस्वती सेवा समाज के अध्यक्ष अरुण शर्मा की। कांग्रेस बोकारो जिला अध्यक्ष जवाहर महत्ता और भाजपा नेता हरे राम मिश्रा ने उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला। उनके चित्र पर फूल माला चढ़ा का श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर राकेश मधु, प्रेम राय, अशोक मिश्रा, सुमन कुमार, सुबोध कुमार, जयशंकर सिंह, सुनील कुमार, विकी राय पार्षद, राहुल कुमार, चैतन्य श्री, अजीत मार्य, सुबोध कुमार एवं गोपाल सिंह उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर धनबाद मंडल में पर्यावरण जागरूकता अभियान

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद मंडल में विश्व पर्यावरण दिवस के अठारह वें दिवस के अवसर पर व्यापक पर्यावरण जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत मंडल की विभिन्न रेलवे कॉलोनियों में विशेष जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कर रेलकर्मियों एवं उनके परिवारों को सिंगल-यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों तथा इसके उपयोग को न्यूनतम करने की आवश्यकता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही सूखे एवं गीले कचरे के पृथक्करण, पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) को बढ़ावा देने, डस्टबिन के समुचित उपयोग तथा वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन के महत्व पर विशेष जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त, प्लास्टिक थैलियों के विकल्प को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न स्टेशनों पर विशेष अभियान चलाकर यात्रियों एवं स्थानीय नागरिकों के बीच बड़ी संख्या में जूट एवं कपड़े के थैलों का निःशुल्क वितरण किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य रेलवे कॉलोनियों एवं स्टेशनों पर स्वच्छता को बढ़ावा देना, प्लास्टिक के उपयोग में कमी लाना तथा कचरा प्रबंधन के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना था।

पेंटिंग में सात कलाकारों ने ऊकेरी शानदार कृतियां

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बैंक मोड स्थित एक्टिव जोन में सोमवार को एकदिवसीय वर्कशॉप कैनवस पेंटिंग का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप में जाने-माने प्रख्यात पेंटिंग आर्टिस्ट शिव शंकर धर और उनकी पत्नी जोइता धर के सानिध्य में धनबाद जिले के सात चुने हुए प्रशिक्षु पेंटिंग आर्टिस्ट देवांशी जैन अशोक नगर, परी अग्रवाल बैंक मोड़, महरीन इकराम नया बाजार, दूरिया इकराम, नया बाजार, ध्रुविका गुड़गुटिया भूली,सातवीका लाला हीरापुर व पटना के अद्विक भालोटिआ ने वर्कशॉप में बहुत ही बेहतरीन खूबसूरत दर्शनीय चित्रकारी बनाकर प्रस्तुत किया जिसको उपस्थित लोगों ने काफी देर तक निहारा।एक्टिव जॉन के सुनीता अग्रवाल का इस वर्कशॉप का आयोजन पेंटिंग कलाकारों के दक्षता व उज्जवल उत्थान की दिशा में एक बहुत ही सराहनीय पहल है ।

किशोरियों को दी गई पाक्सो एक्ट और कानूनी अधिकारों की जानकारी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कसमार प्रखंड के पोंडा पंचायत भवन में किशोरियों के अधिकारों और सुरक्षा को लेकर एक दिवसीय कानूनी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सामाजिक संस्था 'सहयोगिनी' द्वारा आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य किशोरियों को पाक्सो एक्ट तथा महिला हिंसा के खिलाफ बने कानूनों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में उपस्थित तेनुघाट न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता विजय किशोर गौतम ने किशोरियों को कानूनन प्राप्त अधिकारों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने पाक्सो एक्ट की बारीकियों को समझाते हुए कहाः लड़कियों को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहना चाहिए। कानून उनकी सुरक्षा के लिए बेहद सख्त है, बस जरूरत है सही समय पर आवाज उठाने और जागरूक रहने की।

जातीय जनगणना को लेकर खरवार भोक्ता समाज की जिला स्तरीय बैठक संपन्न

पेटरवार/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। खरवार भोगता समाज विकास संघ, जिला समिति बोकारो द्वारा जातीय जनगणना 2026-27 में समाज की सशक्त भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु जिला स्तरीय बैठक का आयोजन ग्राम लुकूबाद में किया गया। बैठक में दर्शन गंझू, केंद्रीय अध्यक्ष, खरवार भोगता समाज विकास संघ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। माननीय श्री झलकु गंझू, केंद्रीय सलाहकार विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता जिला संरक्षक भुवनेश्वर गंझू ने की तथा संचालन जिला युवा कोषाध्यक्ष बैजनाथ गंझू द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि दर्शन गंझू ने अपने संबोधन में कहा कि जातीय जनगणना 2026-27 समाज के अधिकार एवं पहचान के लिए निर्णायक है। उन्होंने आह्वान किया कि प्रत्येक घर में "खरवार भोगता" जाति का सही उल्लेख सुनिश्चित किया जाए। केंद्रीय सलाहकार झलकु गंझू ने समाज के शैक्षणिक एवं आर्थिक विकास पर जोर दिया। बैठक में जिला भर से आए सभी प्रखंड समिति पदाधिकारी, ग्राम अध्यक्ष, सचिव, शिक्षित युवा, महिलाएं एवं पंच-प्रतिनिधियों ने भाग लिया। वहीं बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया की जातीय जनगणना 2026-27 के लिए ग्राम स्तर पर जागरूकता समिति बनाई जाएगी, जनगणना में "खरवार भोगता" जाति का सही उल्लेख हेतु घर-घर अभियान चलाया जाएगा और समाज के बच्चों की शिक्षा एवं युवाओं के रोजगार हेतु विशेष कार्ययोजना तैयार की जाएगी। उक्त बैठक में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष सोहन गंझू, बोकारो जिला सचिव रामचंद्र गंझू, जिला प्रवक्त सह केंद्रीय सदस्य हीरालाल भोगता, बीगन गंझू, अर्जुन सिंह भोगता, जगन भोगता, हीरामन सिंह भोगता, रामगढ़ जिला अध्यक्ष अजय गंझू, रामगढ़ जिला उपाध्यक्ष सुखदेव गंझू, लालमोहन गंझू, इंद्रमनी गंझू, दशरथ गंझू, परनु गंझू, युवा जिला सचिव नरेश गंझू, रूपम गंझू, मदन गंझू, सुरेश गंझू सहित दर्जनों महिला पुरुष उपस्थित थे।

रेड डॉट चैलेंज एवं मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निदेर्शानुसार झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) ने एगारकुंड के गोपीनाथपुर, निरसा के खुसरी, टुंडी के मनियाडीह सहित अन्य प्रखंडों में रेड डॉट चैलेंज एवं मासिक धर्म स्वच्छता पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जेएसएलपीएस के डीपीएम सुदिप्ता बनर्जी ने बताया कि इस अवसर पर स्वयं सहायता समूह के सहयोग से महिलाओं व किशोरियों को माहवारी से जुड़े वैज्ञानिक तथ्यों, स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गई। बताया गया कि माहवारी कोई बीमारी नहीं, बल्कि प्रकृति की एक सामान्य और आवश्यक चक्र है। कार्यक्रम के दौरान मासिक धर्म स्वच्छता, महिलाओं एवं किशोरियों के स्वास्थ्य, स्वच्छता संबंधी सावधानियों तथा सामाजिक जागरूकता पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित महिलाओं एवं किशोरियों को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने के महत्व के बारे में जानकारी दी गई तथा उनसे जुड़े विभिन्न मिथकों एवं भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने रेड डॉट चैलेंज के माध्यम से मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

तोपचांची गोलीकांड की कहानी पर एसडीपीओ ने जताया संदेह

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। तोपचांची थाना क्षेत्र में सोमवार तड़के हुए कथित गोलीकांड मामले में नया मोड़ आ गया है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में मामला सड़क अपराध या छिनतई से अधिक कोयला खनन क्षेत्र में वर्चस्व की लड़ाई से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। बाघमारा एसडीपीओ अजीत कुमार बिमल ने घायल युवक और उसके साथी के बयानों में विरोधाभास की बात कही है। पुलिस अब मामले की तह तक पहुंचने के लिए दुग्दा क्षेत्र में जांच करने की तैयारी में है। सोमवार सुबह करीब 3 बजे तोपचांची थाना क्षेत्र में एक युवक के गोली लगने से घायल होने की सूचना पुलिस को मिली थी। घायल रवि बख्श राय को इलाज के लिए शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। सूचना मिलने के बाद बाघमारा एसडीपीओ अजीत कुमार बिमल और अन्य पुलिस अधिकारी अस्पताल पहुंचे और घायल से पूछताछ की। पुलिस के अनुसार घटना में तीन राउंड फायरिंग हुई थी, जिसमें दो गोलियां रवि बख्श राय के दोनों पैरों में लगीं। पूछताछ के दौरान घायल ने दावा किया कि वह अपने मित्र के साथ पल्सर एनएस बाइक से देवघर जा रहा था, तभी तोपचांची बाजार के पास बाइक सवार अपराधियों ने गोली मारकर उसकी बाइक लूट ली। हालांकि जांच के दौरान घायल रवि बख्श राय और उसके साथी दिवाकर सिंह के बयानों में कई विसंगतियां सामने आई हैं। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल के निरीक्षण में न तो खून के निशान मिले और न ही कोई खोखा बरामद हुआ। इससे घटना की पूरी कहानी संदेह के घेरे में आ गई है। एसडीपीओ अजीत कुमार बिमल ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह संकेत मिले हैं कि दुग्दा थाना क्षेत्र में कोयला खनन से जुड़े वर्चस्व विवाद के दौरान फायरिंग हुई थी। इसके बाद घायल को इलाज के लिए धनबाद लाया गया और घटना को तोपचांची में हुई वारदात के रूप में प्रस्तुत किया गया। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस अब दुग्दा थाना क्षेत्र जाकर संभावित वास्तविक घटनास्थल का निरीक्षण करेगी। जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का दावा है कि जल्द ही पूरे मामले की वास्तविकता सामने आ जाएगी।

राज्य सरकार के वेतन पैकेज संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

एक करोड़ रुपये तक की चिकित्सा सुविधा सहित विभिन्न लाभों की दी गई जानकारी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सोमवार को उपायुक्त अजय नाथ झा के निर्देश पर समाहरणालय सभागार में राज्य सरकार के वेतन पैकेज संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक एवं बैंक ऑफ इंडिया के प्रतिनिधियों ने सरकारी कर्मियों/अनुबंध कर्मियों को विभिन्न वेतन पैकेजों एवं उनसे मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। बताया गया कि वेतन के आधार पर कर्मियों को नियो, एक्सेल, ऑप्टिमा एवं इम्पीरियल श्रेणियों में रखा गया है। इन पैकेजों के तहत एक करोड़ रुपये तक की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही आवास, वाहन एवं शिक्षा ऋण पर दस्तावेज शुल्क नहीं लगेगा। बैंक प्रतिनिधियों ने सभी कर्मियों से अपने वेतन खाते को संबंधित वेतन पैकेज में परिवर्तित कराने का आग्रह किया। कार्यक्रम में वरीय लेखा पदाधिकारी पंकज दुबे, परियोजना पदाधिकारी रूपेश तिवारी, मानिक चन्द्र सहित विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि एवं जिला स्तरीय कर्मचारी उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर 'सिट एंड ड्रॉ' प्रतियोगिता एवं क्विज का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में बोकारो क्लब परिसर में बच्चों के लिए 'सिट एंड ड्रॉ' प्रतियोगिता तथा अभिभावकों के लिए पर्यावरण प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, जलवायु जागरूकता एवं सतत विकास के प्रति समाज, विशेषकर बच्चों और युवाओं को प्रेरित करना था। इस आयोजन में बोकारो एवं आसपास के विभिन्न क्षेत्रों से 150 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 'सिट एंड ड्रॉ' प्रतियोगिता का विषय 'इंस्पायर्ड बाय नेचर - फॉर क्लाइमेट - फॉर आवर फ्यूचर' रखा गया। प्रतिभागियों ने अपने चित्रों के माध्यम से प्रकृति संरक्षण, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों तथा पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली के विभिन्न आयामों को सृजनात्मक रूप से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन एवं प्रकृति-आधारित समाधानों के महत्व पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने प्रतिभागियों एवं अभिभावकों को अधिकाधिक वृक्षारोपण करने, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में सक्रिय योगदान देने तथा प्लास्टिक के स्थान पर जैव-अवक्रमणीय सामग्री एवं जूट के थैलों के उपयोग को अपनाने के लिए प्रेरित किया। आगामी वर्षा ऋतु के दौरान व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण करने का भी आह्वान किया गया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को आकर्षक उपहार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बच्चों एवं युवाओं को प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीने तथा पर्यावरण संरक्षण को अपनी दैनिक जीवनशैली का अभिन्न अंग बनाने का संदेश दिया गया। उल्लेखनीय है कि बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा प्रतिवर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विभिन्न जागरूकता एवं जनभागीदारी कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसी श्रृंखला में आयोजित इस कार्यक्रम ने पर्यावरण संरक्षण, जलवायु जागरूकता एवं सतत विकास के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्वत्वाधिकारी,
प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145865
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com